2 फरीदाबाद
आवश्यक पहलुओं को छूट, अन्य घरों में रहकर करें नियमों का पालन

6 अभिमत
छोटी फर्मों को प्रोत्साहन देना आवश्यक

9 देश/विदेश
नेपाल के प्रधानमंत्री 10 मई को पेश करेंगे विश्वास मत प्रस्ताव

11 स्पोर्ट्स
हैदाराबाद के खिलाफ मुंबई इंडियन्स जीत का प्रबल दावेदार

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 88
फरीदाबाद, मंगलवार, 04 मई, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

बंगाल चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 214 सीट जीतकर रचा इतिहास

पेज - 12

बाजार

सेंसेक्स	48,718	▼	64
निफ्टी	14,634	▲	3.05
सोना	46,580	▲	310 /10 gm
चांदी	67,429	▲	580/ kg

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 40.00°C
न्यूनतम 26.08°C

आज का मैच

IPL मुंबई इंडियंस vs सनराइजर्स हैदराबाद

क्विक न्यूज

कोविड-19 : केकेआर और आरसीबी मुकाबला स्थगित

नई दिल्ली। कोविड-19 ने सोमवार को आईपीएल में दस्तक दी जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के वरूण चक्रवर्ती और संदीप वारियर इस घातक वायरस के लिए पॉजिटव पाए गए, जिसके कारण सोमवार शाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ अहमदाबाद में होने वाले टीम के मैच को स्थगित करने के लिए बाध्य होना पड़ा। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में भी कुछ मामले सामने आए हैं। केकेआर और आरसीबी के बीच मुकाबला सोमवार की शाम अहमदाबाद में होना था, लेकिन अब इसका आयोजन 30 मई को समाप्त होने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान किसी अन्य दिन किया जाएगा।

● विस्तृत खबर पेज-11

सड़कों पर नहीं दौड़ेंगी रोडवेज और प्राइवेट बसें

चंडीगढ़। कोरोना महामारी लगातार दूसरे साल लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। लॉकडाउन लगाने और बसें बंद करने के बाद हरियाणा सरकार ने एक और बड़ी घोषणा कर दी है। अगले आदेशों तक हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन (एचपीएससी) की सभी परीक्षाएं स्थगित रहेंगी। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। रविवार को प्रदेश में लॉकडाउन की अवधि बढ़ाते हुए सात दिन के पूर्ण बंद का ऐलान किया गया था। सोमवार को मनोहर सरकार ने रोडवेज और प्राइवेट बसें भी बंद कर दी हैं। सरकार के अगले आदेशों तक सड़कों पर बसें नहीं दौड़ेंगी।

बंगाल : चुनाव बाद हिंसा में नौ की मौत, डीजीपी तलब

नंदीग्राम। बंगाल में ममता बनर्जी भले ही सियासी दंगल जीत गईं, लेकिन अपनी सीट नहीं बचा सकीं। सोमवार देर रात चुनाव आयोग ने नंदीग्राम से भाजपा के उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी के जीतने का ऐलान किया तो वहीं सोमवार सुबह नंदीग्राम में कई घरों और दुकानों में घुसकर तोड़फोड़ की गई। यही नहीं भाजपा कार्यालय में भी तोड़फोड़ की कोशिश की गई। भाजपा ने टीएमसी के कार्यकर्ताओं पर इसका आरोप लगाया है। इसके अलावा भाजपा के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि तोड़फोड़ करने के बाद जब पुलिस वहां पहुंची तो हंगामा करने वाले वहां से भाग गए। इस घटना के बाद से नंदीग्राम इलाके में तनाव बढ़ गया है।

विज्ञापन के लिए करें संपर्क
Rakesh Kapoor 9582468441

जान से मारे जाने के डर से नंदीग्राम आरओ ने नहीं कराई रीकाउंटिंग

एजेंसी। कोलकाता

समूची भाजपा से अकेले लड़ने वाली ममता का बड़ा आरोप

राज्यपाल जगदीप धनखड़ दे चुके थे जीत की बधाई

ममता ने पत्रकारों को दिया कोरोना वॉरियर का दर्जा

बंगाल में जीत का परचम लहराने वालीं ममता बनर्जी ने नंदीग्राम में हुई काउंटिंग पर सवाल उठाए हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने सोमवार को भाजपा पर बड़े आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उनकी हार के पीछे कई राज छिपे हुए हैं। उन्हें हराने के लिए बड़े लेवल पर फर्जीवाड़ा किया गया है।

ममता ने कहा कि मुझे किसी ने मैसेज भेजा। मैसेज भेजने वाले को बताया गया है कि नंदीग्राम के रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) काउंटिंग के समय डरे हुए थे। अफसरों ने कहा है कि अगर हम फिर से काउंटिंग करवाते तो हमें जान का खतरा हो सकता है। ममता ने नंदीग्राम में हुई मतगणना पर शक जाहिर करते हुए कहा कि वहां चार घंटे तक सर्वर डाउन रहा। इसी बीच राज्यपाल जगदीप धनखड़ भी हमें जीत की बधाई दे चुके थे, लेकिन अचानक सब कुछ बदल दिया गया।

ममता ने कहा कि मैं सभी से अपील करती हूं कि शांति बनाए रखें और हिंसा की स्थिति न बनने दें। मैं जानती हूं कि भाजपा और सेंट्रल फोर्सेस ने हमें बहुत परेशान किया है, लेकिन हमें शांति व्यवस्था बनाए रखनी है। अब हमें अपना पूरा ध्यान कोरोना महामारी से लड़ने पर लगाना है। मैं केंद्र सरकार से अनुरोध करती हूं कि वह 30 हजार करोड़ रुपये जल्द से जल्द जारी करे, ताकि पूरे प्रदेश में तेजी से वैक्सीनेशन किया जा सके। ममता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार सिर्फ दो-तीन राज्यों को ज्यादा से ज्यादा वैक्सीन और ऑक्सीजन भेज रही है।

हिंसा का विरोध करती है हमारी पार्टी

ममता बनर्जी ने कहा कि हमारी पार्टी हर तरह की हिंसा का विरोध करती है। इसके बाद भी भाजपा पुराने दंगों की फोटो फैलाकर हमें बदनाम करती रही। ये भाजपा की आदत है। बहुमत के साथ चुनाव जीतने के बाद भी टीएमसी ने किसी तरह का जश्न नहीं मनाया। हम भाजपा के खिलाफ एकजुटता से लड़ सकते हैं। मैं स्ट्रीट फाइटर हूं और लोगों का नेतृत्व करने की क्षमता रखती हूं। कोई भी अकेले कुछ नहीं कर सकता है। हम सब मिलकर 2024 में भाजपा का सफाया कर सकते हैं। ममता ने कहा कि उन्होंने राज्य के सभी पत्रकारों को कोविड वॉरियर का दर्जा देने की घोषणा की।

देश रो रहा : कोरोना को लेकर बरती लापरवाही और संसाधनों की कमी

नहीं रुक रहा सिलसिला: फिर ऑक्सीजन की कमी से 24 मौत

एजेंसी। कर्नाटक

जान गंवाने वालों में 23 कोरोना मरीज, समय पर नहीं पहुंची सप्लाई

भारत की आबादी इतनी ज्यादा कि टीके उपलब्ध कराना चुनौती

पूनावाला ने कहा, भारत में रहते हुए मुझे धमकियां मिल रही थी

कर्नाटक के चामराजनगर जिला अस्पताल में 24 घंटे के भीतर 24 मरीजों की मौत हो गई है। इनमें 23 कोरोना संक्रमित और एक दूसरी बीमारी से पीड़ित मरीज शामिल हैं। बताया जा रहा है कि मौतें ऑक्सीजन की कमी और दूसरी वजहों से हुई हैं, लेकिन जिला प्रशासन ने ऑक्सीजन की कमी से इनकार किया है। चामराजनगर के डिप्टी कमिश्नर एमआर रवि ने मीडिया से कहा, जिन मरीजों की मौत हुई है, वे सभी वेंटिलेटर पर थे। ये मरीज पहले से ही गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। ऐसे में जरूरी नहीं कि ऑक्सीजन की कमी से ये मौतें हुईं। हालांकि, सच ये है कि अब तो मैसूर में भी ऑक्सीजन जुटाना मुश्किल हो रहा है।

चामराजनगर डिस्ट्रिक्ट इंचार्ज मिनिस्टर एस सुरेश कुमार ने मामले में जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल में ऑक्सीजन सप्लाई की कमी के मामले में दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऑफिसर शिवयोगी कलासडा को मामले की जांच सौंपी गई है। उन्हें तीन दिन के अंदर रिपोर्ट सौंपनी है। उन्होंने कहा कि सप्लायर्स अभी मैसूर की जरूरत की ऑक्सीजन ही नहीं पूरी कर पा रहे हैं। ऐसे में उनके लिए लगातार चामराजनगर के लिए सप्लाई करना मुश्किल हो रहा है। एमआर रवि ने कहा कि वे खुद ऑक्सीजन की स्थिति पर नजर रख रहे हैं और रविवार रात ही उन्होंने अस्पताल को 60 सिलेंडर मुहैया करवाए हैं।

कोरोना संक्रमित पूर्व एसडीओ ने दी जान

रेवाड़ी (हरियाणा)। रेवाड़ी के सामान्य अस्पताल की नई बिल्डिंग में तीसरी मंजिल पर बने कोरोना आइसोलेशन वार्ड से सोमवार सुबह कोरोना संक्रमित पूर्व एसडीओ ने कूदकर जान दी। झज्जर के गांव दोहड़ निवासी 60 वर्षीय युद्धवीर सिंह पिछले माह ही बिजली निगम में एसडीओ के पद से रिटायर हुए थे। वह रेवाड़ी के सेक्टर-4 स्थित अपने भाई के घर में रह रहे थे। उनके आत्महत्या किए जाने का लाइव वीडियो भी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दिख रहा है कि वह पहले खिड़की से बाहर निकलकर छज्जे पर आकर बैठते हैं और फिर सीधे नीचे छलांग लगा देते हैं। पूर्व एसडीओ के बेटे ने अपने पिता के मानसिक रूप से परेशान होने की बात भी कही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

फाइजर ने भारत को 517 करोड़ की दवाइयां भी दान कीं

नई दिल्ली। अमेरिकी दवा और वैक्सीन कंपनी फाइजर ने महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहे भारत को 7 करोड़ डॉलर (करीब 517 करोड़ रुपये) की दवाइयां दान की हैं। कंपनी के सीईओ अल्बर्ट बोर्ला ने यह जानकारी दी है। बोर्ला ने भारत सरकार से एक अपील भी की है। बोर्ला के मुताबिक, भारत को फाइजर वैक्सीन को अप्रूवल के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया तेजी से पूरी करनी चाहिए। अमेरिका समेत दुनिया के कई अमीर देशों में फाइजर की वैक्सीन इस्तेमाल की जा रही है। बोर्ला ने सोशल मीडिया पर एक प्रोग्राम के दौरान कहा कि वैक्सीन अप्रूवल प्रॉसेस के बारे में उनकी भारत सरकार से बातचीत जारी है। इसी दौरान उन्होंने बताया कि कंपनी ने भारत को महामारी से निपटने के लिए 7 करोड़ डॉलर की दवाइयां दान की हैं।

'रातोंरात वैक्सीन का प्रोडक्शन नहीं बढ़ा सकते'

कोरोना की वैक्सीन बना रही सबसे बड़ी कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला का कहना है कि वैक्सीन का प्रोडक्शन एक खास प्रोसेस के जरिए किया जाता है, हम रातोंरात बड़ी संख्या में टीके तैयार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि भारत की आबादी बहुत ज्यादा है और सभी वयस्कों के लिए पर्याप्त वैक्सीन तैयार करना आसान काम नहीं है। कई बड़े देश और कंपनियां कम आबादी के बावजूद वैक्सीन की कमी से जूझ रहे हैं। पूनावाला इन दिनों लंदन में हैं। हाल में उन्होंने कहा था कि भारत में वैक्सीन के लिए उन पर दबाव बनाया जा रहा था। कई मुख्यमंत्रियों और कारोबारियों ने पहले वैक्सीन की सप्लाई के लिए धमकाने वाले अंदाज में उनसे बात की। पूनावाला ने सोमवार को सोशल मीडिया पर अपना पक्ष रखते हुए बताया कि कंपनी देश में कोरोना की दूसरी लहर के बीच कोवीशिल्ड का प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। अगले कुछ महीनों में सरकार को 11 करोड़ टीके सप्लाई किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम भारत सरकार के साथ मिलकर पिछले साल अप्रैल से काम करते आ रहे हैं। हमें हर तरह की मदद मिली है। अब तक हमें 26 करोड़ डोज के ऑर्डर मिल चुके हैं। इनमें से 15 करोड़ हम सप्लाई कर चुके हैं। हमें सरकार से 11 करोड़ डोज के लिए 1732 करोड़ रुपए एडवांस में मिल चुके हैं।

केंद्र, राज्य लॉकडाउन लगाने पर विचार कर सकते हैं : न्यायालय

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर पर काबू पाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें जनहित में लॉकडाउन लगाने पर विचार कर सकती हैं। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने उनसे कहा कि अगर वे लॉकडाउन लगाना चाहते हैं, तो पहले से व्यवस्था करनी होगी ताकि गरीब लोगों की जरूरतों को पूरा किया जा सके। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कोविड-19 महामारी के दौरान आवश्यक आपूर्ति एवं सेवाएं सुनिश्चित करने के मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को बीमारी और नहीं फैले, इस बारे में किए गए प्रयास और भविष्य में किए जाने वाले प्रयास के बारे में जानकारी देनी होगी।

दैनिक मामलों में स्थिरता के बहुत प्रारंभिक संकेत मिले हैं : सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि कुछ राज्यों में कोविड-19 के दैनिक मामलों में स्थिरता के प्रारंभिक संकेत मिल रहे हैं, जबकि कुछ चिंता का विषय बने हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और पंजाब में कोविड-19 के दैनिक मामलों में स्थिरता के संकेत मिल रहे हैं, जबकि बिहार, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में दैनिक मामलों में वृद्धि के रूझान दिखाई दे रहे हैं। देश में चिकित्सीय ऑक्सीजन की कमी के बारे में उन्होंने कहा कि सरकार इसके उत्पादन के लिए नाइट्रोजन संयंत्रों के रूपांतरण की संभावना तलाश रही है।

नीट पीजी एग्जाम चार महीने के लिए स्थगित

नई दिल्ली। देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच नीट पीजी की परीक्षा को अगले चार महीनों के लिए टाल दिया गया है। देश में कोरोना महामारी के कारण बने हालात को देखते हुए मेडिकल स्टाफ की संख्या बढ़ाने के मकसद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह फैसला किया है। इस बारे में सोमवार को पीएमओ ने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी। वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय के ज्वॉइंट सेक्रेटरी लव अग्रवाल ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि एग्जाम होने से एक महीने पहले स्टूडेंट्स को इसकी जानकारी दी जाएगी ताकि उन्हें तैयारियों के लिए पर्याप्त समय मिल सके। केंद्र सरकार ने इस मसले पर राज्यों को भी लेटर लिखा है। केंद्र ने कहा है कि राज्य और केंद्रशासित प्रदेश की सरकारें हर नीट पीजी कैंडिडेट तक पहुंचने की कोशिश करें और जरूरत के इस वक्त में उन्हें कोविड वर्क फोर्स में शामिल करने के लिए राजी करें।

पांच राज्यों में सरकार गठन इसी हफ्ते

बंगाल में ममता पांच मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी

तमिलनाडु में स्टालिन ने विधायकों की बैठक बुलाई

नई दिल्ली। पांच राज्यों (पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी) में हुए विधानसभा चुनावों का रिजल्ट आ चुका है। अब यहां नई सरकार के गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं। सभी राज्यों में इसी हफ्ते सरकार का गठन होगा। रविवार को आए नतीजों के मुताबिक, बंगाल में टीएमसी, असम में भाजपा, तमिलनाडु में डीएमके, केरल में कम्युनिस्ट और पुदुचेरी में एनडीए की सरकार बननी है।

ममता शाम सात बजे राज्यपाल से मिली

विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने के बाद ममता बनर्जी 5 मई को तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी। राज्य में मंत्री और सीनियर टीएमसी नेता पार्थ चटर्जी ने सोमवार को यह जानकारी दी। टीएमसी को 214 सीटें मिलीं हैं। हालांकि, खुद ममता बनर्जी नंदीग्राम सीट से चुनाव हार चुकी हैं। बहुमत होने के कारण टीएमसी सरकार बनाएगी। शाम 7 बजे उन्होंने राज्यपाल से मिलने का समय भी मांगा और मुलाकात की। हालांकि, 66 साल की ममता बनर्जी को फिर किसी सीट से चुनाव लड़ना पड़ सकता है। इससे पहले ममता ने 20 मई 2011 को पहली और 27 मई 2016 को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। संभवत: ममता एक हफ्ते के अंदर ही बंगाल में नई सरकार का गठन भी कर लेंगी।

तमिलनाडु : 7 मई को शपथ लेंगे एमके स्टालिन

यहां विधानसभा चुनाव में एमके स्टालिन की द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) 234 में से 130 सीटें जीत चुकी है। पार्टी गठबंधन अब तक 156 सीटों पर विजय हासिल कर चुका है। बहुमत का जादुई आंकड़ा पार करने के बाद मंगलवार शाम 6 बजे डीएमके विधायकों की बैठक रखी गई है। पार्टी महासचिव दुरई मुरुगन बताया कि बैठक पार्टी के चेन्नई स्थित मुख्यालय अन्ना अरिवालयम में रखी गई है। बैठक में डीएमके विधायक अधिकारिक तौर पर एमके स्टालिन को मुख्यमंत्री चुनेंगे। इसके बाद विधायकों के समर्थन का पत्र राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित को दिया जाएगा। एमके स्टालिन 7 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

सोनोवाल को फिर मौका या बिस्वा पहनेंगे ताज

यहां विधानसभा चुनाव में भाजपा ने लगातार दूसरी पर जीत हासिल की है। मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने काफी मेहनत की थी, लेकिन अभी पार्टी के पास एक और बड़ा चेहरा है। ये चेहरा है हेमंत बिस्वा सरमा। हेमंत कांग्रेस में रहते हुए मुख्यमंत्री नहीं बन पा रहे थे। यही कारण है कि उन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा ज्वॉइन की थी। अब ये देखना है कि दोनों में से किसे मुख्यमंत्री बनाया जाता है। पार्टी इनमें से किसी एक को डिप्टी सीएम भी बना सकती है। 126 विधानसभा सीटों वाले असम में इस बार भाजपा गठबंधन को 75 सीटें मिली हैं। मतलब 2016 से एक सीट ज्यादा। कांग्रेस को 50 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। भाजपा ने यहां असम गण परिषद (एजीपी) और यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिब्रल (यूपीपीएल) के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। दूसरी ओर कांग्रेस ने यहां कई दल मिलाकर अपने कैंडिडेट्स मैदान में उतारे थे।

पुदुचेरी : रंगास्वामी दूसरी बार बनेंगे सीएम

केंद्र शासित छोटे से प्रदेश पुदुचेरी में पहली बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है। यहां ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस यानी एआईएनआरीस की अगुवाई में भाजपा और एआईडीएमके ने 16 सीटों पर जीत हासिल कर पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है। इस तरह मुख्यमंत्री का पद एआईएनआरसी के अध्यक्ष एन रंगास्वामी संभालेंगे। रंगास्वामी दूसरी बार पुदुचेरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। सोमवार शाम को पार्टी के विधायकों की बैठक होगी। इसमें शपथ ग्रहण समारोह की रूपरेखा तय होगी और रंगास्वामी के नाम का आधिकारिक ऐलान होगा। यहां एआईएनआरसी को 10, भाजपा को पहली बार 6 सीटों पर जीत हासिल हुई है। वहीं कांग्रेस को दो और डीएमके को 6 सीटें मिली हैं। निर्दलीय प्रत्याशियों ने 6 सीटों पर विजय हासिल की। यहां इसी साल फरवरी में कांग्रेस की सरकार अल्पमत में आने से गिर गई थी। तब से यहां राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है। 2016 में यहां बहुमत हासिल कर सरकार बनाने वाली कांग्रेस इस बार काफी पिछड़ गई। पिछली बार कांग्रेस को 15 सीटें मिली थीं जो इस बार आंकड़ा 2 पर जा पहुंचा। हालांकि विपक्ष में कांग्रेस-डीएमके गठबंधन ही रहेगी। दोनों की 8 सीटे हैं, जबकि निर्दलीय 6 जीतकर आए हैं।

केरल : राज्यपाल से मिले विजयन, बैठक जल्द

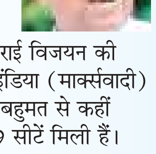

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने केरल में शानदार जीत हासिल करने के बाद सोमवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि भारत की कम्युनिस्ट पार्टी की एग्जीक्यूटिव काउंसिल में सरकार गठन को लेकर फैसला होगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, महामारी को देखते हुए सरकार गठन का काम इसी हफ्ते पूरा हो जाएगा। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) ने पूरा चुनाव मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अगुवाई में लड़ा था। एलडीएफ में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के साथ 12 अन्य दल भी शामिल हैं। एलडीएफ को यहां बहुमत से कहीं ज्यादा 92 सीटों पर जीत मिली है। कांग्रेस गठबंधन को 39 सीटें मिली हैं।

बंगाल : भाजपा का वोट शेयर दो फीसदी घटा, टीएमसी का 5 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा बड़ी जीत की आशा लगाए बैठी थी, लेकिन भगवा दल को इस राज्य में महज उम्मीद से कम सीटों का ही दंश नहीं सहना पड़ा, बल्कि 2019 लोकसभा चुनावों के मुकाबले मतदाताओं के मुंह मोड़ने की भी चोट सहनी पड़ी।

पश्चिम बंगाल में जहां भाजपा की कुल मतों में हिस्सेदारी 2019 लोकसभा चुनाव के मुकाबले दो फीसदी कम रही, वहीं जबरदस्त जीत के साथ हैट्रिक लगाने वाली तृणमूल कांग्रेस के मतदाताओं में पांच फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। इसके उलट केरल में भगवा दल को मतदाताओं का साथ तो मिला, लेकिन इससे पार्टी का खाता नहीं खुल पाया। राज्यवार पार्टियों को मिले वोट देखें तो फिर एक बार मतदाताओं ने मंशा साफ कर दी है कि वह केंद्र में मोदी और राज्यों में स्थानीय नेताओं और स्थानीय मुद्दों को ही वरीयता देते हैं।

पश्चिम बंगाल में भाजपा ने अपनी सीटों में 25 गुना बढ़ोतरी दर्ज की है और 76 सीटों के साथ प्रमुख विपक्षी दल बन गई है। निर्वाचन आयोग के डाटा के मुताबिक, कांग्रेस और वाम दलों के गढ़ में सेंध लगाने वाली भाजपा को 38.09 फीसदी मत मिले हैं, जबकि 214 सीट पाने वाली ममता दीदी की तृणमूल कांग्रेस पर 47.93 फीसदी मतदाताओं ने विश्वास जताया है। 2019 लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 40.7 फीसदी मत हासिल कर 18 सीट जीती थीं और 43.3 फीसदी मत पाने वाली टीएमसी की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी साबित हुई थी।

कोविड मरीजों से अधिक चार्ज करने वाले अस्पतालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

विज ने जिला कमेटियों से मांगी रिपोर्ट

मरीजों के दाखिले से लेकर उपचार तक के लिए तय किए रेट

हरियाणा के स्वास्थ्य एवं गृहमंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेश में कोविड मरीजों से अधिक चार्ज करने वाले अस्पतालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विज ने बताया कि राज्य के निजी अस्पतालों में उपचार करवाने वाले कोरोना मरीजों के लिए बेड और अन्य सुविधाओं के रेट फिक्स किए गए हैं।

राज्य में इस समय 42 निजी अस्पताल कोविड मरीजों का उपचार कर रहे हैं। सरकार ने एनएबीएच और जेसीआई मान्यता प्राप्त अस्पतालों में आइसोलेशन बेड का 10,000 रुपये, बिना वेंटीलेटर के आईसीयू बेड का 15,000 रुपये तथा वेंटिलेटर युक्त आईसीयू बेड का 18,000 रुपये प्रतिदिन की दर से रेट तय किए हैं। इसी प्रकार बिना एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पतालों में आइसोलेशन बेड का 8000 रुपये, बिना वेंटीलेटर के आईसीयू बेड का 13,000 रुपये तथा वेंटिलेटर युक्त आईसीयू बेड का 15,000 रुपये प्रतिदिन की दर से रेट तय किए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्राइवेट लैब में भी कोविड टेस्ट करवाने की रेट तय किए है, जिसके तहत आरटी पीसीआर के लिए 450 रुपये, रैपिड एंटीजन के लिए 500 रुपये तथा एलिसा टेस्ट के लिए 250 फिक्स किए हैं। इन तय रेट्स से अधिक यदि कोई भी अस्पताल मरीज से पैसे लेता पाया जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

टॉसिलिजूमैब टीके के वितरण के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित

सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में दाखिल मरीज के लिए टॉसिलिजूमैब टीके के आवश्यकता अनुसार वितरण के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इसमें कोविड-19 के राज्य नोडल अधिकारी डॉ ध्रुव चौधरी को कमेटी का चेयरमैन बनाया है। इसके अलावा वरिष्ठ कंसलटेंट डॉ राजीव बडेरा तथा मेदांता की वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुशीला कटारिया को कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह समिति टीके के वितरण व अन्य संबंधित मामलों को लेकर मानदंड तय करेगी। यह टीके स्थानीय सिविल सर्जन के माध्यम से निजी अस्पतालों को खरीद मूल्य पर उपलब्ध करवाए जाएंगे तथा सरकारी अस्पतालों व मेडिकल कॉलेजों को ये इंजेक्शन निशुल्क दिए जाएंगे। विज ने कहा कि हरियाणा के अस्पतालों में करीब 70 फीसदी मरीज दिल्ली और अन्य आसपास के प्रदेशों के दाखिल हैं, जिनका उपचार भी उसी प्रकार से किया जा रहा है। सरकार प्रदेश में चिकित्सकों व पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को पूरा करने के लिए जल्द ही नई भर्ती करने की प्रक्रिया शुरू करेगी। प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में पढ़ रहे पीजी और एमबीबीएस फाइनल के करीब 1400 विद्यार्थियों को राज्य के अस्पतालों में सेवा देने के आदेश दे दिए गए हैं। इसके साथ ही राज्य के सभी अस्पतालों में ऑक्सिजन की आपूर्ति करवाने में उच्च स्तरीय अधिकारियो की टीम 24 घंटे काम कर रही हैं।

प्रदेश वासियों ने कोरोना गाइडलाइन नहीं मानी तो लगाया लॉकडाउन

हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा है कि लोगों कोरोना गाइडलाइन का सख्ती से पालन नहीं किया तो सरकार को मजबूरन एक सप्ताह का लॉकडाउन लगाना पड़ा। सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में विज ने कहा कि पिछले कई दिनों से प्रदेश में कोरोना संक्रमण में भारी बढ़ोतरी हो रही है। गृहमंत्री ने प्रदेश वासियों से लॉकडाउन का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सभी जिला उपायुक्तों व पुलिस अधीक्षकों को लॉकडाउन को लागू करवाने के लिए सख्ती के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन में बिना मंजूरी के बाहर घूमने वालों तथा मास्क का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं। विज ने स्वीकार किया कि प्रदेश में अभी भी आक्सीजन की कमी है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हरियाणा में 300 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है जबकि उन्हें 252 मीट्रिक टन ही मिल रहा है। इसके अलावा कुछ अन्य तकनीकी दिक्कतें भी आ रही हैं।

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, मंगलवार, 04 मई, 2021 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-राइट विजन-

इस मुश्किल घड़ी में प्लाज्मा दान के लिए आगे आएं कोरोना योद्धा : दीपक प्रसाद

यूं तो पूरी दुनिया कोरोना वायरस का पिछले करीब एक साल से मुकाबला कर रही है, लेकिन यह कोरानाकाल का बेहद मुश्किल दौर है। हजारों की संख्या में कोरोना पॉजिटिव मरीज अस्पतालों में जिंदगी के लिए लड़ रहे हैं। ऐसे में कोरोना को मात दे चुके योद्धा इस मुश्किल दौर को पार करवाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। स्वस्थ हो चुके प्रत्येक कोरोना योद्धा को प्लाज्मा दान के लिए आगे आना चाहिए। यह कहना है रोटरी ब्लडबैंक के कार्यकारी उपाध्यक्ष दीपक प्रसाद का। दीपक प्रसाद की टीम लोगों को प्लाज्मा दान करने के लिए जागरूक कर रही है। **पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और दीपक प्रसाद की बातचीत के अंश :-**

जीवन परिचय

नाम	: दीपक प्रसाद
जन्मदिन	: 13 अगस्त 1976
पिता	: टोकलाल शर्मा
माता	: राधा देवी
पत्नी	: तिल कुमारी
परिवार	: बेटी वैष्णवी व वंशिका, बेटा विश्वदीप
स्कूल	: 12 वीं - केएल मेहता दयानंद स्कूल, सेक्टर 16
उच्चशिक्षा	: बीकॉम (ऑनर्स), एमबीए
रूचि	: समाजसेवा

● **सवाल : शिक्षा के बाद आपने करियर की शुरुआत कैसे की।**

जवाब : वर्ष 2003 में मैंने दिल्ली की एक कंपनी में मैनेजर के पद पर काम करना शुरू किया था। इसके साथ ही मैंने वर्ष 2006 में अपना बिजनेस भी शुरू कर दिया था। वर्ष 2008 में कंपनी में निदेशक के पद पर पहुंचा। इस दौरान बिजनेस स्थापित हो जाने पर वर्ष 2011 में मैंने नौकरी छोड़ दी।

● **सवाल : आप कहां और किस तरह का बिजनेस करते हैं।**

जवाब : मैं वाईएमसीए चौक पर एक्सपोर्ट कंपनी चलाता हूं। जहां विभिन्न तरह की डेकोरेटिव आयटम का उत्पादन किया जाता है। हमारे सभी उत्पाद एक्सपोर्ट होते हैं। जल्दी ही आईएमटी में एक यूनिट और शुरू हो जाएगा।

● **सवाल : समाज सेवा की तरफ आपकी रुचि कैसे बनी।**

जवाब : इस समाज ने हमें बहुत कुछ दिया है। ऐसे में हमें भी समाज को कुछ देना चाहिए। इस उद्देश्य के साथ वर्ष 2013 में मैं रोटरी क्लब, फरीदाबाद, आस्था के साथ जुड़कर समाजसेवा के कार्य करने लगा।

● **सवाल : आप रोटरी क्लब में किन-किन पदों पर काम कर चुके हैं।**

जवाब : वर्ष 2017 से लगातार रोटरी क्लब ब्लडबैंक का कार्यकारी उपाध्यक्ष हूं। वर्ष 2019-20 में मैं रोटरी क्लब का अध्यक्ष रह चुका हूं।

● **सवाल : वर्तमान में थैलेसीमियाग्रस्त बच्चों से भी डोनर की मांग क्यों की जा रही है।**

जवाब : कोरोना की वजह से शहर की स्थिति काफी खराब है, ऐसे में रक्त दान शिविर नहीं लग पा रहे हैं। रक्त की भारी कमी उत्पन्न न हो, इसलिए उन्हें डोनर लाने के लिए कहा जा रहा है।

● **सवाल : रोटरी क्लब के प्रयासों से कितने लोग प्लाज्मा दान कर चुके हैं।**

जवाब : रोटरी क्लब के प्रयासों से अब तक शहर के करीब 300 से ज्यादा लोग प्लाज्मा दान कर चुके हैं। रोटरी क्लब की पूरी टीम लोगों को लगातार विभिन्न तरीकों से प्लाज्मा दान करने के लिए प्रेरित कर रही है।

● **सवाल : कोरोना मरीज को प्लाज्मा दान कौन कर सकता है।**

जवाब : कोरोना पीड़ित मरीज नेगेटिव रिपोर्ट आने के 14 दिन बाद कोविड मरीज को प्लाज्मा दान कर सकता है। ऐसे लोगों के शरीर में एंटीबॉडिज 28 दिन से करीब पांच महीने तक सक्रिय रहते हैं। इस दौरान प्रत्येक 14 दिन बाद प्लाज्मा दान किया जा सकता है। रक्त दान 90 दिन के अंतराल में किया जाता है।

● **सवाल : किस तरह के लोग प्लाज्मा दान नहीं कर सकते।**

जवाब : गर्भधारण कर चुकी महिलाएं प्लाज्मा दान नहीं कर सकतीं। 50 किलोग्राम से कम वजन के व्यक्ति, कैंसर पीड़ित, गुर्दा, दिल, फेफड़े और जिगर से संबंधित पुरानी बीमारी से पीड़ित लोग भी प्लाज्मा दान नहीं कर सकते।

● **सवाल : रोटरी क्लब द्वारा कहां-कहां प्लाज्मा दान कराया जाता है।**

जवाब : फिलहाल संतों का गुरुद्वारा, गुरुग्राम, तुगलकाबाद और दिल्ली के रोटरी ब्लडबैंकों में प्लाज्मा दान करवाया जा रहा है। सेक्टर नौ स्थित रोटरी ब्लडबैंक में 15 मई से प्लाज्मा दान किया जा सकेगा। यहां फिलहाल रक्तदान करने और थैलेसीमियाग्रस्त बच्चों को रक्त चढ़ाने की व्यवस्था मौजूद है।

पैनल अधिवक्ताओं ने मजदूरों को बताया कोराना से बचाव का तरीका

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर के निर्देशानुसार एव मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में पैनल अधिवक्ता गण रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर द्वारा गीता ईट भट्टा ग्राम नवादा तिगांव फरीदाबाद की मजदूरों को मास्क एवं सैनिटाइजर का वितरण किया। महिला मजदूरों को सेनेटरी पैड का भी वितरण किए।

मजदूरों को कोरोना महामारी से बचाव के तरीके बताएं। जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग मास्क पहनना मैं हाथ धोना आदि के बारे में पूर्ण रूप से विस्तृत जानकारी दी। जिससे कि यह ईट भट्टा मजदूर इस महामारी से अपना बचाव करते हुए स्वस्थ जीवन यापन कर सकें। इस अवसर पर ईंट भट्टा के मैनेजर ने विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद का धन्यवाद किया।

शहर का तापमान

- अधिकतम 40.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 27.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- बीके अस्पताल में कोरोना जांच व ओपीडी : सुबह 8 बजे
- शहर के विभिन्न स्थानों पर वैक्सीनेशन शिविर : सुबह 10 बजे
- लॉकडाउन में आवश्यक सामान की दुकानें : सुबह आठ से रात 9.55 बजे

निवेश गुरु

बदलते दौर में कई ऐसे म्यूचुअल फंड्स आ रहे हैं, जो निवशकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। इनमें कुछ ऐसे फंड्स भी हैं, जो आज की समस्याओं को सुलझाने के लिए जरूरी पूंजी जुटा रहे हैं। हाल के दिनों में पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस के मुद्दे काफी अहम हो गए हैं और इनका निवेश पर असर पड़ रहा है। इन मुद्दों से जुड़े फंड सस्टेनेबल फंड्स या ईएसजी (एनवायरमेंटल, सोशल और गवर्नेंस) फंड कहलाते हैं।

यूटीलिटी न्यूज

समस्या है तो यहां करें फोन

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि कोरोनाकाल की स्थिति को देखते हुए जिला फरीदाबाद में कोविड कंट्रोल रूम में हेल्पलाइन नंबर 1950 के अलावा पांच नए संपर्क नंबर शुरू कर दिए हैं जोकि 01292221000,1,2,3,4 है। इन नम्बरों पर 24×7 समस्याओं को सुना जाएगा। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि फरीदाबाद जिला के इस कंट्रोल रूम के नोडल अधिकारी प्रशांत अटकान ज्वाइंट कमिश्नर नगर निगम फरीदाबाद एनआईटी जोन को बनाया गया है और कोऑर्डिनेटर चीफ वार्डन सिविल डिफेंस डॉ एमपी सिंह नियुक्त किए गए है। समस्या समाधान के लिए किसी भी नंबर पर किसी भी समय जिला के नागरिक बात कर सकते हैं। उन्होंने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि कोरोना आपदा से निपटने के लिए सरकार के दिशा निर्देशों का पालन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि संपूर्ण लॉकडाउन 3 मई से 9 मई तक लगा दिया गया है। सभी से अपील है कि घरों से न निकले और जरूरी कुछ कार्य डिजिटल मोड़ पर करने की कोशिश करें।

क्विक न्यूज

संगत दे रही ऑक्सीजन

फरीदाबाद। सेक्टर 16 फरीदाबाद के गुरुद्वारा की संगत अपने पैसों से आक्सीजन खरीद कर उन लोगों को फ्री में दे रही है, जिन लोगों को हॉस्पिटल में जगह नहीं मिल पा रही है या जो लोग हॉस्पिटल जाने में असमर्थ हैं। गुरुद्वारा सेवक एक बेहद महत्वपूर्ण और सामाजिक जनहित सेवा कर रहे हैं और कोविड 19 में लोगों की जिंदगी बचाने में मदद कर रहे है। फरीदाबाद जिला प्रशासन ने गुरुद्वारा सेक्टर 16 को आक्सीजन उपलब्ध कराना बंद कर दिया है। जिसकी वजह से हजारों लोगों को भटकना पड़ रहा है। मेरी जिला प्रशासन और जिला उपायुक्त से और सभी विधायकों से अपील है कि इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करें और एक बेहद महत्वपूर्ण सेवा जो कि सिर्फ गरीब असहाय लोगों के लिए है। वह बंद न हो सके और इस भयंकर महामारी कोविड 19 में लोगों की जान बचाने में मदद मिलती रहे।

सासाहिक लॉकडाउन

आवश्यक पहलुओं को छूट, अन्य घरों में रहकर करें नियमों का पालन

लॉकडाउन के नियमों की अवहेलना करने वालों पर होगी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना महामारी से बचाव के मद्देनजर जिले में सरकार के निर्देश अनुसार 10 मई सुबह 5 बजे तक संपूर्ण लॉकडाउन लागू किया है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं डीसी यशपाल ने कहा कि सासाहिक लॉकडाउन को प्रभावी रूप से क्रियांवित करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर पुलिस अधिकारी टीम के साथ ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं इंसिडेंट कमांडर नियुक्त किए हैं, जो अपने अधिकार क्षेत्र में जारी आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करवाएंगे। जिला में आदेश का पालन के लिए प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। लॉकडाउन के दौरान विभिन्न पहलुओं पर सरकार की ओर से दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं।

डीसी यशपाल ने कोरोना संक्रमण फैलाव को रोकने के उद्देश्य से जिला वासियों को अपने घरों में रहने को कहा गया है। किसी भी नागरिक को लॉकडाउन अवधि में पैदल या किसी वाहन से सड़क पर या सार्वजनिक स्थान पर घूमने की अनुमति नहीं होगी। लॉकडाउन के तहत जारी आदेश में कानून व्यवस्था या आपात सेवाओं में तैनात अधिकारी अथवा कर्मचारी, म्यूनिसिपल सेवाएं, पुलिस, सेना, सीएपीएफ के वर्दीधारी कर्मचारी, स्वास्थ्य, बिजली, अग्निशमन, मान्यता प्राप्त मीडियाकर्मी, कोविड-19 के अंतर्गत काम कर रहे सरकारी कर्मचारी को इस अवधि के दौरान पहचान पत्र दिखाकर उन्हें आने-जाने में छूट मिल सकेगी।

आंगनबाड़ी बंद घर पर राशन

आंगनबाड़ी केंद्रों को बंद रखा जाएगा। लाभपात्रों को आंगनबाड़ी में दिए जाने वाली राशन सामग्री का वितरण संबंधित कर्मचारियों द्वारा उनके घर पर ही पहुंचाया जाएगा। बच्चों, शारीरिक व मानसिक रूप से विशेष बौद्धिक योग्यता वाले बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, विधवा व महिला होम खुले रहेंगे। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के पात्रों को भी पेंशन अथवा भत्ता कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की ओर से दिया जाएगा।

ये रहेंगे पूरी तरह बंद

सभी शैक्षणिक, ट्रेनिंग, कोचिंग संस्थान पूर्ण रूप से बंद रहंगे। सिनेमा हॉल, मॉल, शापिंग कांप्लेक्स, जिम, खेल परिसर, स्विमिंग पूल, मनोरंजन पार्क, थियेटर, बार, ऑडिटोरियम, बंद रहेंगे। सभी धार्मिक स्थान आमजन के लिए बंद रहेंगे। सभी सामाजिक, धार्मिक, खेल, मनोरंजक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक अथवा राजनीतिक रूप से आयोजित कार्यक्रम पर रोक है।

बैंक भी रहेंगे खुले

फरीदाबाद जिला में बैंक की शाखाएं एवं एटीएम सेवा लॉकडाउन के दौरान अपने निर्धारित समय अनुसार खुली रहेंगी। पुलिस द्वारा उक्त बैंक शाखाओं में सोशल डिस्टेंस बनाए रखना सुनिश्चित किया जाएगा। अन्य आवश्यक वाणिज्य एवं निजी सेवाओं में टेलीकम्यूनिकेशन, इंटरनेट सेवाएं, प्रसारण एवं केबल सेवा, आईटी और आईटी संबंधी सेवाओं के अलावा, ई-कॉमर्स के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की डिलीवरी को छूट रहेगी।

ये सेवाएं रहेंगी जारी

डीसी ने बताया कि जिला में स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित कार्य लॉकडाउन के दौरान निरंतर जारी रहेंगे। मेडिकल स्टोर, मेडिकल उपकरण सहित लैब आदि खुली रहेंगी। कृषि से संबंधित कार्य जारी रहेगा। किसान अथवा कृषि क्षेत्र से जुड़े लोग खेतों में अपना कार्य कर सकते हैं। जिला फरीदाबाद की सभी अनाज मंडी, खरीद केंद्रों पर फसल खरीद लॉकडाउन के दौरान नहीं होगी। कंबाइन मशीन एक-दूसरे जिला अथवा राज्य में आवागमन कर सकती हैं। कृषि यंत्रों से जुड़ी दुकानें लॉकडाउन में खुल सकती हैं। दुग्ध आपूर्ति निर्बाध रूप से लॉकडाउन में जारी रहेगी और दूध अथवा दूध के उत्पाद के प्लांट, पशु चारा उत्पादक प्लांट, पोल्ट्री फार्म, हैचरी आदि खुली रहेगी। नागरिक अस्पताल, पशु अस्पताल, सभी संबंधित मेडिकल सेवाएं, मैन्युफैक्चरिंग और वितरण यूनिट्स को भी छूट रहेगी। यह सुविधा सरकारी और निजी क्षेत्र के लिए लागू होगी। इनमें डिस्पेंसरी, केमिस्ट, फार्मेसी (जन औषधि केंद्र सहित), मेडिकल उपकरण की दुकानें, लेबोरेट्री, फार्मा रिसर्च लैब, क्लिनिक, नर्सिंग होम, एंबुलेंस आदि को काम करने की छूट रहेगी। स्वास्थ्य कर्मियों, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, अस्पताल की सहायता के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए आवागमन की अनुमति रहेगी।

कंटेनमेंट जोन में विवाह नहीं

लॉकडाउन अवधि के दौरान कंटेनमेंट जोन से बाहर जिला मजिस्ट्रेट या अन्य प्राधिकृत से पूर्व अनुमति ले चुके विवाह समारोह के लिए शर्तों के साथ छूट रहेगी। इसके लिए इंडोर कार्यक्रम के लिए 30 और आउटडोर के लिए 50 व्यक्तियों से अधिक का कार्यक्रम नहीं किया जा सकेगा। डीसी ने स्पष्ट किया कि फरीदाबाद जिला में बनाए गए कंटेनमेंट जोन में किसी भी रूप से विवाह समारोह की अनुमति नहीं है और यदि किसी ने पूर्व में अनुमति ली हुई है तो वह भी निरस्त समझी जाए। दाह संस्कार में 20 व्यक्ति तक ही शामिल हो सकते हैं।

नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण चेयरमैन एवं डीसी यशपाल ने कहा कि लॉकडाउन के मद्देनजर जारी आदेशों का अनुपालन प्रभावी रूप से किया जा रहा है। संबंधित क्षेत्रों में प्रतिबंधों का पालन न करने वालों के खिलाफ सेक्शन 51 से 60 और आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 सहित आईपीसी की धारा 188 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधीश ने सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेट-इंसिडेंट कमांडर व पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सासाहिक लॉकडाउन के आदेशों का पालन सुनिश्चित कराएं।

माल वाहक वाहनों को छूट रहेगी

आवश्यक वस्तुओं के निर्माण में लगे लोगों पर भी आने-जाने में कोई रोक नहीं होगी। राज्य के अंदर और बाहर आवश्यक वस्तुओं को ले जा रहे वाहनों पर भी कोई रोक नहीं होगी। ऐसे कार्यों में लगे वाहनों को संबंधित विभाग की ओर से पास उपलब्ध करवाए जाएंगे। ये पास लोडिंग व अनलोडिंग के स्थानों की वेरिफिकेशन के बाद जारी होंगे। औद्योगिक इकाइयां जो रूरल एरिया में चल रही हैं और एसईजेड क्षेत्र में हैं वे कर्मचारियों के ठहराव व्यवस्था के साथ जारी रह सकती हैं। सरल हरियाणा पोर्टल पर पंजीकरण उपरांत ही औद्योगिक इकाइयों स्टाफ सहित संचालित हो सकती हैं।

जन सेवाएं जारी रहेंगी

फरीदाबाद जिले में दूध, फल-सब्जी और किरयाने की दुकानों सहित पेट्रोल पंप, एलपीजी गैस आपूर्ति एजेंसी खुली रहेंगी। बिजली निर्माण, प्रसारण और वितरण संबंधी सेवाएं, कोल्ड स्टोर, वेयरहाउस, प्राइवेट सिक्योरिटी सर्विस सहित पोस्टल सेवाएं आदि जारी रहेंगी। वहीं रेस्टोरेंट और होटल केवल होम डिलिवरी के लिए रात्रि दस बजे तक ही खोले जाएंगे। सड़क किनारे ढाबे भी केवल पार्सल के रूप में भोजन देने के लिए खुल सकेंगे, किसी भी होटल, रेस्टोरेंट व ढाबे पर बैठकर खाने की पाबंदी रहेगी। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन या अंतरराज्यीय बस स्टैंड के लिए आने-जाने वाले यात्रियों को छूट दी जाएगी। मनरेगा के तहत कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कार्य जारी रहेंगे। निर्माण कार्य भी श्रमिकों के उसी स्थान पर रहने के साथ ही जारी रखे जा सकते हैं। राज्य परिवहन की बस सेवाएं आधी क्षमता की सवारी के साथ चलेंगी। मेट्रो सेवा जारी रहेगी। ट्रेन सेवा भी निरंतर जारी रहेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि रात्रि कर्फ्यू के दौरान केवल हॉस्पिटल व मेडिकल स्टोर ही खुल सकते हैं।

'ऑक्सीजन रिफिलिंग प्रबंधन प्रणाली' से मिलेगी सही जानकारी

जेसी बोस विश्वविद्यालय और फरीदाबाद प्रशासन की पहल

कोरोना पीड़ित परिवार को ऑक्सीजन सिलेंडर भरवाने के लिए नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

देशभर में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के दृष्टिगत ऑक्सीजन की भारी मांग ने कोरोना से पीड़ित मरीजों के लिए ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक सुव्यवस्थित प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के महत्व को बढ़ा दिया है। सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में एक बार फिर से आगे आते हुए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने जिला प्रशासन फरीदाबाद और अपने पूर्व छात्र संघ - वाईएमसीए मॉब के साथ मिलकर ऑक्सीजन के लिए संघर्ष कर रहे कोरोना संक्रमित रोगियों की मदद के लिए एक सार्थक पहल की है।

विश्वविद्यालय जिला प्रशासन फरीदाबाद एवं वाईएमसीए मॉब के सहयोग से विश्वविद्यालय ने एक 'ऑक्सीजन रिफिलिंग प्रबंधन प्रणाली' विकसित की है। इस प्रणाली के माध्यम से कोरोना संक्रमित ऐसे रोगी जिन्हें ऑक्सीजन की आवश्यकता है, उन्हें पंजीकरण करवाना होगा, जिसके लिए पंजीकरण लिंक (https://form.gle/weYXvXuF7uVB87gw6) जिला प्रशासन की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। पंजीकरण के लिए रोगी को अपने आधार कार्ड विवरण के साथ एसपीओ2 वेल्यू (ऑक्सीजन का स्तर) दर्ज करानी होगी। इस पहल से कोरोना पीड़ित परिवार के सदस्यों को ऑक्सीजन सिलेंडर भरवाने के लिए इधर-उधर नहीं भागना पड़ेगा और न ही इसके लिए लम्बी कतार में इंतजार करना होगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने इस सार्थक पहल पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि जेसी बोस विश्वविद्यालय ने हमेशा अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी है। विश्वविद्यालय कोविड़ केयर सेंटर के लिए हॉस्टल पहले ही जिला प्रशासन को दे चुका है, और अब ऑक्सीजन रिफिलिंग मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करके विश्वविद्यालय का प्रयास ऐसे गंभीर कोरोना रोगियों की मदद करना है, जो सांस की तकलीफ से जूझ रहे है और सही समय पर ऑक्सीजन प्रदान करके उनके जीवन को बचाया जा सकता है।

जिला प्रशासन की इस पहल को जेसी बोस विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष प्रो.नीलम तुर्क की देखरेख में संकाय समन्वयक डॉ. रश्मि चावला और संगीता ढल्ल द्वारा संचालित किया जा रहा है। एसडीएम बल्लभगढ़ अपराजिता ने इस पहल के बारे में बताते हुए कहा कि यह फरीदाबाद जिले में घर पर आइसोलेटेड ऐसे रोगियों, जिन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर की आवश्यकता होती है, के लिए ऑक्सीजन के वितरण को सुव्यवस्थित करने का एक प्रयास है। पंजीकरण लिंक पर पंजीकरण करवाने वाले ऐसे रोगियों के दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर रिफिल के लिए सही ऑक्सीजन प्लांट की जानकारी प्रदान की जायेगी, जहां से वे निर्धारित शुल्क का भुगतान करके अपना ऑक्सीजन सिलेंडर भरवा सकेंगे।

पंजीकरण लिंक पर पंजीकरण करवाने के बाद जेसी बोस विश्वविद्यालय के 30 छात्र स्वयंसेवकों की एक टीम, जिला प्रशासन और विश्वविद्यालय के अधिकारी संबंधित रोगी से संपर्क करेंगे और उसे सही जानकारी एवं मार्गदर्शन करेंगे कि वह कहां से अपना ऑक्सीजन सिलेंडर भरवा सकता है। जिला प्रशासन की इस पहल में बीडीपीओ फरीदाबाद प्रदीप बाल्याण तथा वाईएमसीए मॉब से अनिल भारद्वाज, नवीन सूद और एके नेहरा महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

बीमार मां के लिए ऑक्सीजन लेने आए युवक के रुपये लौटाए

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के आदेश अनुसार फरीदाबाद में सभी ऑक्सीजन वितरण केंद्रों पर पुलिस टीमों की ड्यूटी लगाई गई है जिसके दौरान भगवती पावर पर एक युवक अपनी बीमार मां के लिए गैस लेने आया था। जिसके वहां पर हजार रुपए गिर गए थे जिसे लौटाकर पुलिसकर्मी ने ईमानदारी का परिचय दिया है। थाना मुजेसर की पुलिस टीम ने बताया कि ड्यूटी के दौरान उन्हें हजार रुपये पड़े हुए मिले थे।

पुलिस टीम ने सड़क पर गिरे हुए पैसे देखकर उनके मालिक तक पहुंचाने के उद्देश्य से वहां पर अनाउंसमेंट करवाई। पुलिस द्वारा करवाई गई अनाउंसमेंट सुनकर जवाहर कॉलोनी के रहने वाले रोहित पुलिस टीम के पास गए और बताया कि वह हजार रुपये उसके हैं। पुलिस टीम ने व्यक्ति से पूछा कि आपके पैसे कितने और कितने के नोट थे तो युवक ने बताया कि उसके दो 500-500 रुपये के नोट थे। जो अपनी बीमार मां के लिए गैस भरवाने के लिए आया था। इसके बाद पुलिस टीम ने रोहित को उसके पैसे लौटा दिए जिस पर रोहित ने पुलिस टीम की ईमानदारी की प्रशंसा करते हुए उनका धन्यवाद किया।

गुमशुदा की तलाश

धर्मवीर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुदई मुकदमा रमेश उपरोक्त ने हाजिर थाना आकर अपने साले के लड़के धर्मवीर की गुमशुदगी बारे मुकद्दमा दर्ज कराया है जो अभी तक घर नहीं आया हैं। जिसका हुलिया रंग सांवला, लम्बा चेहरा, पतला शरीर, कद 5 फीट 5 इंच उम्र 22 साल हैं जिसने लाल रंग की शर्ट, काले रंग की जीन्स व पैरों में जूते पहने हुए है जिसका मुकद्दमा न. 166 दिनांक 19.04.21 यू/एस 346 आईपीसी पीएस डबुआ फरीदाबाद। मिलने पर नीचे लिखे नम्बरों पर सूचित करें।

एसएचओ डबुआ- 9582200155, पीएस डबुआ - 0129-2481846
आई/ओ - 7982126887

बीके : ऑक्सीजन प्लांट से सिर्फ बिस्तरों पर होगी आपूर्ति

ऑक्सीजन सिलेंडर और टैंकरों में नहीं भरी जा सकती

कविता। फरीदाबाद

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल में शुरू होने वाले ऑक्सीजन प्लांट से पूरे जिले में सप्लाई करने के दावे किए गए थे, लेकिन इस प्लांट से केवल अस्पताल के बिस्तरों पर भर्ती मरीजों को ही ऑक्सीजन दी जा सकेगी। इस प्लांट में मशीनें लगा रहे कर्मचारियों ने बताया कि यह ऑक्सीजन सिलेंडर और टैंकरों में नहीं भरी जा सकती। यह केवल बिस्तरों पर ही दी जा सकती है। क्योंकि यहां बनने वाली ऑक्सीजन का लेबल कम होगा। वह सिलेंडर व अन्य किसी चीज में नहीं डाली जा सकती।

जानकारी के मुताबिक जहां एक तरफ जिले में ऑक्सीजन गैस को लेकर लोग रात-रात भर प्लांटों के बाहर सिलेंडर लेकर खड़े होकर अपने नम्बर का इंतजार कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ जिले के बीके अस्पताल में बन रहे ऑक्सीजन प्लांट से भी उन्हें काफी उम्मीदें थीं। क्योंकि जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से दावे किए गए थे कि यहां ऑक्सीजन प्लांट बन जाने के बाद पूरे जिले में सिविल अस्पतालों समेत स्वास्थ्य केन्द्रों पर ऑक्सीजन की सप्लाई होगी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। क्योंकि यहां बन रहे प्लांट में बनने वाली ऑक्सीजन केवल बीके अस्पताल के मरीजों को ही उपलब्ध होगी। बीके अस्पताल में मशीनों को फिट कर रहे कर्मचारी हरमीत ने बताया कि यह ऑक्सीजन केवल अस्पताल में ही सप्लाई की जा सकेगी। सिलेंडरों में यह भरी नहीं जा सकेगी।

200 लीटर एक मिनट में होगी तैयार

हरमीत ने बताया कि यहां तैयार हो रहे प्लांट में हर एक मिनट में 200 लीटर ऑक्सीजन गैस तैयार होगी। इस ऑक्सीजन का प्रेसर इतना होगा कि यहां मौजूद बीके अस्पताल के सभी बिस्तरों तक ऑक्सीजन दी जा सकेगी। उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में बताया कि यह गैस कनटेनरों और सिलेंडरों में नहीं भरी जा सकेगी। क्योंकि इस ऑक्सीजन का प्रेसर कम है। सिलेंडर और कनटेनरों में भरने के लिए अधिक प्रेसर की जरूरत होती है। यह गैस यहां हवा से बनेगी, वह सिलेंडर में नहीं भरी जा सकेगी।

रेडक्रॉस जल्द शुरू करने जा रही है कोविड केअर सेंटर

फरीदाबाद। कोविड- 19 महामारी के बढ़ते केसों के कारण बिस्तर, ऑक्सीजन और दवाइयों का अभाव होता जा रहा हैं जिससे दिन प्रतिदिन मानव जीवन की हानि हो रही है। इसी को मद्देनजर रखते हुए मानवीय संस्था भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ से प्राप्त निर्देश अनुसार यशपाल उपायुक्त फरीदाबाद के मार्गदर्शन में जिला रेडक्रॉस सोसायटी के द्वारा फरीदाबाद में बेड के अभाव को देखते हुए रेडक्रॉस नशामुक्ति केंद्र सेक्टर 14 फरीदाबाद के प्रांगण मे स्थित विभिन्न भवनों में 40 बिस्तरो वाला कोविड केयर सेंटर बनाने जा रही है। केंद्र संचालन की रूपरेखा तैयार करने को सोसाइटी के सचिव विकास कुमार, सहसचिव बिजेंद्र सौरोत, विमल खंडेलवाल समंवयक प्लाज्मा, पुरषोत्तम सैनी की संयुक्त टीम ने प्रस्तावित केंद्र के लिए विभिन्न जरूरत की चीजों के लिए जगह का मुआयना किया।

विधायक ने छापा मार किया ऑक्सीजन की कालाबाजारी का पर्दाफाश

सिलेंडर की कालाबाजारी में युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

राजेश दास। फरीदाबाद

विधायक नीरज शर्मा ने सिलेंडर की जमाखोरी का किया पर्दाफाश।

ऑक्सीजन सिलेंडर ब्लैक में बेचने वाला आरोपी पैसों के साथ।

जिला प्रशासन के लाख प्रयासों के बावजूद जिले में ऑक्सीजन गैस और सिलेंडरों की कालाबाजारी का गोरखधंधा रुक नहीं रहा है। वहीं लोग अपने बीमार परिजनों को बचाने के लिए ऑक्सीजन के लिए मारे-मारे फिर रहे हैं। एनआईटी के विधायक नीरज शर्मा ने सेक्टर 31 स्थित ऑक्सीजन गैस सिलेंडर के गोदाम में छापामारी कर जमाखोरी करने का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गोदाम से 50 से ज्यादा भरे हुए सिलेंडर बरामद किए हैं। वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने सेक्टर तीन से ऑक्सीजन गैस के सिलेंडर की कालाबाजारी करने के आरोप एक एसी मैकेनिक को गिरफ्तार किया है।

सिलेंडरों का जखीरा बरामद

विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि जिले में ऑक्सीजन के सिलेंडरों की कालाबाजारी करने की उन्हें लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इस दौरान उन्होंने कुछ प्रयास भी किए, लेकिन आरोपी हाथ नहीं आए। जमाखोरी और मुनाफाखोरी करने वालों को पकड़ने के लिए उन्होंने अपने स्तर पर जाल बिछाया हुआ था। सोमवार दोपहर को उन्हें सूचना मिली सेक्टर 31 स्थित एक गोदाम में ऑक्सीजन सिलेंडरों का जखीरा मौजूद है। जहां से हर रोज बड़े पैमाने पर सिलेंडरों की कालाबाजारी की जा रही है। उन्होंने तुरंत मौके पर पहुंच कर संबंधित अधिकारियों को फोन किया। फोन रिसीव न होने पर उन्होंने डीजीपी मनोज यादव को फोन किया।

डीजीपी के आदेश विधायक की मौजूदगी में पुलिस ने गोदाम का ताला तोड़ा तो अंदर गैस सिलेंडरों का जखीरा मौजूद था। विधायक नीरज शर्मा ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

मैकेनिक गिरफ्तार

जवाहर कॉलोनी निवासी संदीप गोयल ने पुलिस को बताया कि कोरोना वायरस से पीड़ित एक मरीज के लिए उसे ऑक्सीजन की जरूरत है। ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए उसने सेक्टर-तीन निवासी सचिन से बात की है। सचिन सिलेंडर देने के लिए 50 हजार रुपये मांग रहा है। संदीप ने पुलिस को बता कर दोबारा आरोपी से सौदेबाजी की तो वह 45 हजार रुपये में तैयार को हो गया। संदीप ने जैसे ही रुपये दिये, पुलिस ने छापा मारकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

ऑक्सीजन सिलेंडरों को गैस प्लांट तक ले जाते लोग।

रियलिटी है यह

वहीं दूसरी तरफ मरीजों के तीमारदारों को गैस उपलब्ध नहीं हो रही है। उन्हें एम्बुलेंस में ही सिलेंडर लाकर गैस भराने के लिए कहा जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ मरीजों की लाइफ बचाने वाली एम्बुलेंसों जो निजी चल रही हैं, उन्हें भी गैस न मिलने के कारण मरीजों की जान बचाना भारी पड़ रहा है। एम्बुलेंस चालक गुड्डू, सुरजीत ने बताया कि रात-रात भर गैस प्लांट के बाहर खड़े रहने पर भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं।

आपदा को अवसर न बनाएं भाजपा नेता : नीरज शर्मा

आक्सीजन के 13 सिलेंडर भाजपा विधायक के घर पहुंचाने का उठाया मुद्दा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि जहां आज देश कोरोना की महामारी से जूझ रहा है। खासतौर पर फरीदाबाद में लोग ऑक्सीजन गैस की कमी के कारण रात-रात भर गैस के प्लान्टों पर खड़े होकर गैस लेकर आ रहे हैं, ताकि वे अपने मरीज की जान बचा सकें। वहीं गत एक मई को शाम छह बजे उपायुक्त फरीदाबाद द्वारा आन-लाइन जूम एप पर मीटिंग की। जिसमें केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, मूलचंद शर्मा, कैबिनेट मंत्री हरियाणा सरकार और फरीदाबाद के सभी विधायक उपस्थित थे। मीटिंग में नरेन्द्र गुप्ता, विधायक फरीदाबाद द्वारा कहा गया कि उपायुक्त मेरे द्वारा संगठन के लोगों के लिए 15 सिलेन्डर मांगे गए थे, लेकिन मेरे को 13 ही मिले।

इस आपदा की घड़ी में एक विधायक के कहने पर उनकी पार्टी के संगठन को सिलेन्डर देना बिल्कुल गलत है। इस आपदा के समय में सभी व्यक्ति समान हैं। सिलेन्डर सिर्फ पीडित व्यक्ति को ही दिए जाएं। विधायक के कहने पर 15-15 सिलेन्डर देने की राजनीति से प्रशासन को बचना चाहिए। विपदा की इस घड़ी में राजनीति करने से भी बचना चाहिए। ऐसी घटिया राजनीति से हमारा मनोबल टूटता है। सिर्फ हमारा मनोबल ही नहीं टूटता बल्कि उस व्यक्ति पर क्या बीतती होगी जिसका परिजन ऑक्सीजन नहीं मिलने पर काल का ग्रास बना। नरेन्द्र गुप्ता विधायक द्वारा जो बातें जूम मीटिंग में कही गईं, उन्हें आप भी उपायुक्त कार्यालय में मौजूद मीटिंग की रिकॉर्डिंग में देख सकते हैं।

महोदय, आपको बताना चाहूंगा कि इसमें समय और साधन दोनों की बर्बादी हुई है क्योंकि गैस सिलेन्डर लेने के लिए लोगों को आठ-आठ घंटे लाइन में खड़े रहना पड़ा। कई मरीजों की तो इसीलिए मौत हो गई कि उनके परिजन समय पर उन्हें आक्सीजन मुहैया नहीं करा पाए। विधायक फरीदाबाद नरेन्द्र गुप्ता का यह तो एक मामला सामने आ गया। ऐसा प्रशासनिक अधिकारियों ने न जाने कितने सत्तापक्ष के लोगों के कहने पर किया होगा। यह आम जनता के साथ धोखाधड़ी है। जिसके कारण जरूरतमंद के पास तक सिलेन्डर नहीं पहुंच पाए और उनकी मौत भी हो गई। इस तरह के मामलों के दोषी नेताओं, अधिकारियों और संगठन के लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाए।

कोरोना : 44 मौत पर सरकारी आंकड़ा चार 1805 नए मरीज

1037 मरीजों को ठीक होने पर घर भेज दिया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में रोज भारी संख्या में कोविड मरीजों की मौत हो रही है। जिले में सोमवार को 44 मरीजों की मौत हो गई। श्मशान, कब्रिस्तान में मृतकों के शवों के अंतिम संस्कार, दफनाने तक को स्थान नहीं मिल रहा है। जिस कारण सभी धर्मो के नियम और रस्मों को तोड़ते हुए उन्हें पीएनजी शवगृहों का रुख करने को मजबूर होना पड़ रहा है। सोमवार को एक समुदाय विशेष के 34 वर्षीय मृतक को कब्रिस्तान में दफनाने की जगह न मिली तो परिजनों ने अजरौंदा के श्मशानघाट में पीएनजी के माध्यम से अंतिम संस्कार कराया। जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए आंकडों में 44 के बजाय मात्र चार मौतें दशाई गई। वहीं जिले में कोरोना पीड़ित 1805 नए मरीज पाए गए हैं। जबकि 1037 मरीजों को ठीक होने पर घर भेज दिया गया है। मरीजों के स्वस्थ्य होने की दर 81.07 प्रतिशत रह गई है।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांचे	: 680852
अब तक पॉजिटिव	: 78079
अब तक नेगेटिव	: 600009
रिपोर्ट आनी शेष	: 2764
ऑक्सीजन पर है	: 648
वैंटीलेटर पर है	: 116
अब तक मौत	: 524
अब तक ठीक	: 63798
जिले में एक्टिव	: 13757

यहां से पॉजिटिव

1855 पॉजिटिव पाए गए है। जिसमें डबुआ कॉलोनी से 11, सेक्टर-9 से 32, सेक्टर-15 से 33, सेक्टर-11 से 2, सेक्टर-10 से 16, सेक्टर-14 से 5 मरीज है। चावला कॉलोनी से 5, सेक्टर-3 से 11, सेक्टर-5 से 24, सेक्टर- 37 से 21, सेक्टर-35 से 4 मरीज है। सेक्टर-34 से 4, सेक्टर-32 से 7, सेक्टर-17 से 24, सेक्टर-16 से 21, सेक्टर-19 से 20, सेक्टर-21 से 21, जवाहर कॉलोनी से 19, सेक्टर-8 से 63, सेक्टर-7 से 64, एनएच-1 से 21, सेक्टर-42 से 5, सेक्टर-49 से 28, सेक्टर-89 से 11, एनएच-दो से 4, एनएच-3 से 6, सेक्टर-30 से 14, सेक्टर-28 से 22, सेक्टर-31 से 13, सेक्टर-3 से 8, सेक्टर-81 से 9, सेक्टर-82 से 19, सेक्टर-88 से 20, सेक्टर-86 से 15, सेक्टर-75 से 7, सेक्टर-89 से 9 मरीज है। सेक्टर-77 से 15, एनएच-5 से 20, सेक्टर-22 से 20 मरीज है। सेक्टर-23 से 20, सेक्टर-48 से 8, सेक्टर-15ए से 17, सेक्टर-65 से 10, सेक्टर-64 से 11, सेक्टर-62 से 8 और अन्य एरियों से 1098 मरीज शामिल है।

प्रार्थना सभा में रोटेरियन जेपी सिंह को श्रद्धांजलि दी

जूम एप पर आयोजित सभा में दिवंगत आत्मा को याद किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रोटरी क्लब फरीदाबाद मिडटाउन ने अपने निवर्तमान प्रधान रोटेरियन जेपी सिंह मक्कड़ को यहां जूम पर आयोजित प्रार्थना सभा में श्रद्धांजलि दी। क्लब की मींटिंग में चार्टर प्रेजीडेंट रोटेरियन जेपी मल्होत्रा सहित रोटेरियन बंधुओं ने जहां दिवंगत आत्मा को याद किया। वहीं परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की गई।

उल्लेखनीय है रोटेरियन जेपी सिंह मक्कड़ का स्वर्गवास कोविड के कारण 30 अप्रैल को हो गया था। रोटेरियन जेपी मल्होत्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वे वास्तव में एक समर्पित सेवादार थे जिन्होंने समाज व मानव कल्याण के कार्यों में सदैव आगे बढ़कर काम किया। सतीश गोंसाई ने उनके निधन को रोटरी लहर व समाज के प्रति ऐसा नुकसान बताया जिसकी पूर्ति संभव नहीं। क्लब के प्रधान पंकज गर्ग ने स्वर्गीय मक्कड़ को एक आदर्श रोटेरियन के रूप में याद किया। क्लब के पूर्व प्रधान मनोहर पुनयानी, सुनील गुप्ता, जीपी एस चौपड़ा, अनिल बहल, सुधीर जैनी, अमरजीत लाम्बा, जितेंद्र सिंह छाबड़ा, पीजेएस सरना ने रोटेरियन मक्कड़ को याद करते हुए उनके कार्यों का उल्लेख किया। प्रेसीडेंट नोमिनी विजय राघवन, रोटेरियन राजेश कुमार, राकेश जैन, ललित हसीजा, दिनेश जांगड़, आशीष वर्मा ने भी रोटेरियन मक्कड़ को याद किया। इस अवसर पर एक मिनट का मौन भी रखा गया।

मींटिंग में विजेंद्र गोयल, सतींद्र छाबड़ा, सचिन जैन, सचिन खोसला, उपेंद्र सिंह, सतेंद्र चौहान, दीपा कपूर, जेके मनोचा, इंद्रपाल लाल, ऋषभ जैन, सिमर सरना, प्रतिभा गोंसाई, अनिता मल्होत्रा, सुदेश लाम्बा, मिनी चौपड़ा, रितु गुप्ता, विभा खोसला, मीनल गर्ग, डाक्टर पुनीता हसीजा, नूपुर जैनी, अनु छाबड़ा, गुनीत कौर, पूनम बहल, ओ पी भाटिया, अशोक बुद्धिराजा, चेतन साहनी, विजी राघवन सहित फरीदाबाद चैम्बर आफ कामर्स के प्रधान एच के बत्तरा, जिला गवर्नर संजीव राय मेहरा, पीडीजी विनय भाटिया, डीजीएन अशोक खंतूर, मोहित भाटिया ने भी स्वर्गीय जेपी एस मक्कड़ को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सरकार ऑक्सीजन और दवाओं की कमी नहीं होने देगी : मूलचंद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रदेश में तेजी से बढ़ी कोरोना महामारी के चलते लोगों को ऑक्सीजन की कोई कमी न हो इसके लिए हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने सोमवार को फरीदाबाद स्थित आर्गन एयर गैसेस कृष्णा कॉलोनी और भागीरथी ऑक्सीजन गैस प्लांट सेक्टर 24 का अचानक दौरा कर फरीदाबाद जिले में सप्लाई की जा रही ऑक्सीजन का ब्योरा लिया। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार ऑक्सीजन और दवाओं की कोई कमी नहीं रहने देगी।

उन्होंने बताया कि जिले में अभी 16 टन ऑक्सीजन आ रही है और जल्द ही 20 टन की सप्लाई शुरू हो जाएगी। मूलचंद शर्मा ने इस मौके पर अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि प्रशासन द्वारा यदि कोई लापरवाही की गई तो कार्रवाई की जाएगी। फरीदाबाद जिले के लिए जो ऑक्सीजन आ रही है फरीदाबाद जिले में जहां-जहां जितनी जरूरत है उसके मुताबिक पहुंचाई जाएगी। मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार के दिशा निर्देश अनुसार बल्लभगढ़ की एसडीएम आईएएस अपराजिता ने अच्छी पहल करते हुए ऑक्ससीजन नाम से ऐप लॉन्च की है। जिसकी सराहना करते हुए मंत्री उन्होंने कहा की अब ऑक्ससीजन लेने के लिए लोग अपना रजिस्ट्रेशन इस ऐप के माध्यम से करा टोकन ले सकते हैं और लोगों को घंटे भर लाइन में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ेगी और ऑक्सीजन गैस आसानी से मिल जाएगी। इस मौके पर बल्लभगढ़ की एसडीएम आईएएस अपराजिता और फरीदाबाद के अतिरिक्त उपायुक्त सतवीर मान एसपी दलवीर सिंह के अलावा ऑक्ससीजन प्लांट पर ड्यूटी दे रहे अधिकारी भी मौजूद रहे। परिवहन मंत्री ने सिलेंडर को लेकर ऑक्सीजन भरवाने आए लोगों से भी बात की और उनकी समस्याएं जानीं।

उन्होंने कहा कि सभी लोग कोरोना से बचाव के नियमों का पालन करते हुए डिस्टेंस से लाइन में मास्क लगाकर खड़े हों ताकि यह महामारी की चेन फैलने से रोका जा सके। उन्होंने लोगों को हिम्मत से काम लेने की बात कही है और कहा कि सभी को ऑक्सीजन और दवाएं देना सरकार की प्राथमिकता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में लगातार प्रदेश को ऑक्सीजन और दवाइयां देने के लिए तमाम प्रशासनिक अधिकारी मेहनत और लगन से अपने काम में जुटे हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

मंडी में लगी आग से ट्रक हुआ जलकर खाक

फरीदाबाद। जिले की सबसे बड़ी डबुआ सब्जी मंडी में सोमवार दोपहर को किसी कारणवश एक ट्रक में आग लग गई थी। जिसके कारण आग भयंकर रूप से फैल गई। मार्केट कमेटी सचिव विपिन यादव की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। क्योंकि उन्होंने हाल ही मैं सरकार के आदेश पर डबुआ सब्जी मंडी में मासखोरों और फुटकर विक्रेताओं पर प्रतिबंध लगा दिया था। कोरोना महामारी को देखते हुए मार्केट कमेटी के सचिव विपिन कुमार यादव ने सब्जी मंडी के अंदर सोशल डिस्टेंसिंग का बहुत ही अच्छे से ख्याल रखा था। हर एक आढ़त की दुकान के बाहर एक आढ़त की दुकान को खाली जगह पर माल बेचने के लिए शिफ्ट करवा दिया था। जिससे कि मंडी के अंदर सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा पालन हो सके। यदि समय रहते मार्केट कमेटी सचिव विपिन कुमार यादव ने अपनी सूझबूझ से यह से यह फैसला नहीं लिया होता तो सोमवार को बहुत सी गाड़िया और बहुत सी दुकानें जलकर राख हो जातीं, लेकिन दूरी की वजह से आग जहां पर लगी थी वह ज्यादा दूर तक नहीं फैल सकी और समय रहते कुछ देर में अग्निशमन विभाग की तीन गाड़ियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया। परंतु एक ट्रक और कुछ खाली पड़ी हुई प्लास्टिक की क्रेट जलकर राख हो गई।

46 केंद्रों पर लगी 5333 लोगों को वैक्सीन

फरीदाबाद। जिले में 18 से ऊपर की उम्र के लोगों वैक्सीन न लगने से वे पिछले दो दिनों से परेशान थे। वहीं तीसरे दिन सोमवार को स्वास्थ्य विभाग ने उन्हें वैक्सीन लगानी शुरू कर दी है। जिले में मौजूद 46 स्वास्थ्य केन्द्रों समेत सिविल अस्पताल में वैक्सीन की डोज लोगों को लगाई गई, लेकिन यहां लोगों की भीड़ इतनी अधिक बढ़ गई कि यहां सोशल डिस्टेसिंग की धज्जियां उड़ती नजर आई। वहीं केन्द्रों पर घायलों को भी लम्बी लाइन में लगने को मजबूर होना पड़ा। ऐसा ही नजारा बीके सिविल अस्पताल के वैक्सीनेशन सेंटर के बाहर देखने को मिला। जहां एक पैर में फैक्चर होने के कारण व्यक्ति वॉकर से पहुंचकर लाइन में खड़ा नजर आया। एक मई 400 से अधिक वैक्सीन लगाई गई। दो मई को 600 से अधिक वैक्सीन लोगों को लगाई गई। सोमवार को कुल 5333 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। इन 46 केंद्रों में 18 वर्ष से अधिक उम्र के 4412 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। शेष स्वास्थ्य कर्मियों, बुजुर्गों, फ्रंट लाइन वर्करों और 45 वर्ष से ऊपर के लोगों को लगाई गई।

साईंधाम करवा रहा कोरोना मरीजों को भोजन

फरीदाबाद। कोरोना महामारी के चलते हर तरफ डर का माहौल है। हर तरफ दु:ख और पीड़ा दिखाई दे रही है। कोविड मरीजों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। लोगों को अस्पतालों में जगह नहीं मिल रही है। लोग घरों में रह कर अपना इलाज करा रहे हैं। कोरोना से पीड़ित लोग खाने के लिए भी दूसरों की आस लगाए बैठे रहते हैं। खाना प्राप्त करने के लिए भी दूसरों की मदद की जरूरत होती है। कोविड मरीजों को ध्यान में रखते हुए तिगांव रोड स्थित शिरडी साईं बाबा टेंपल सोसयटी ने 19 अप्रैल 2021 से प्रतिदिन कोविड मरीजों को जो कोरेन्टाइन हैं उनको उनके घर पर दिन और रात का निशुल्क खाना उपलब्ध कर रही है। भोजन के पैकेट में दाल, चावल, सब्जी जैसी जरूरी और पौष्टिक चीजें शामिल की गई हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए भोजन की सेवा शुरू की है। ताकि कोविड मरीजों भोजन की दिक्कत न हो। कोविड मरीज जब तक स्वस्थ न हो जाएं तब भोजन मंगवा सकते हैं। कोविड मरीज संस्था में फोन करके अपने लिए खाना मंगवा सकता है। साईंधाम के संस्थापक डॉ. मोतीलाल गुप्ता ने कहा कि लोगों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। सेवा को परमों धर्म माना गया है। साईं धाम हमेशा से ही लोगों की सहायता करता आ रहा है और करता रहेगा। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों सहायता करें। संस्था प्रतिदिन 300-400 मरीजों के घर भोजन पहुंचा रही है। इस कार्य में शिरडी साईं बाबा टेंपल सोसायटी के स्टाफ मेंम्बर प्रिसिंपल बीनू शर्मा, सीमा गुलाटी, विकास राय, जय त्रिपाठी, विनोद शर्मा, जयदेव सिंह, भोला प्रसाद, जगदीश कपूर, किशोरी नन्दन, विक्रांत वर्मा, इंदरजीत, गौरव, विकास आदि इस नेक कार्य में अपना अमूल्य सहयोग दे रहे हैं।

वैक्सीन रजिस्ट्रेशन के नाम पर हो रही धोखाधड़ी : सीपी

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने कोरोना वायरस के दौरान कोविड वैक्सीन रजिस्ट्रेशन के नाम पर होने वाले साइबर अपराधों के प्रति जागरूक होकर इस प्रकार की धोखाधड़ी से बचने की हिदायत दी है। इसके बारे में ट्विटर पर साझा की गई पोस्ट के माध्यम से उन्होंने बताया कि इस महामारी में एक तरफ जहां लोग अपनी जान को सुरक्षित रखने के लिए जूझ रहे हैं वही कुछ गलत प्रवृत्ति के लोग ऐसे समय में भी लोगों के साथ धोखाधड़ी करने से बाज नहीं आ रहे। इस कठिन समय में साइबर ठगों ने धोखाधड़ी का नया तरीका अपनाते हुए कोरोना वैक्सीन रजिस्ट्रेशन के नाम पर लोगों के साथ फ्रॉड करना शुरू कर दिया है जिसमें वह वैक्सीन रजिस्ट्रेशन के नाम पर लोगों को बेवकूफ बनाकर उनके खातों से पैसे उड़ा लेते हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक अपने मोबाइल पर प्राप्त हुए ओटीपी को किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। यदि आपका ओटीपी साइबर ठगों के पास पहुंच गया तो नागरिकों को काफी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा। यदि कोई भी व्यक्ति आपको फोन करके वैक्सीन के नाम पर आपके बैंक खातों, क्रेडिट या डेबिट कार्ड संबंधित कोई भी जानकारी मांगता है तो तुरंत कॉल को डिस्कनेक्ट कर दें और इसकी शिकायत साइबर क्राइम से संबंधित वेबसाइट cybercrime.gov.in पर करें। पुलिस आयुक्त ने कहा कि साइबर अपराधों से बचने का सिर्फ एक ही तरीका है और वो है इसके प्रति जागरूक होना। साइबर अपराधों के प्रति जागरूक होकर आप अपने साथ-साथ अपने साथियों को भी साइबर अपराध का शिकार होने से बचा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने दौरा कर लिया सिविल अस्पताल में सुविधाओं का जायजा

बोले, प्रत्येक जिले में जरूरत अनुसार ऑक्सीजन की सप्लाई सुनिश्चित की गई है

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में कोविड-19 के संबंध में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ मीटिंग करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने सोमवार को जिला पलवल का दौरा कर कोविड-19 की तैयारियों और प्रबंधों की समीक्षा कर उन्हें संतोषजनक बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऑक्सीजन के वितरण की मात्रा को बढ़ाया गया है और इस समय जरूरत अनुसार सभी जिलों को उचित मात्रा में ऑक्सीजन की सप्लाई की जा रही है। ऑक्सीजन की सप्लाई सुचारू रूप से जारी रखने के लिए सभी जिला में अधिकारियों की टीमें बनाई गई हैं, जो अपनी निगरानी में जरूरत अनुसार अस्पतालों को ऑक्सीजन की आपूर्ति करवा रही हैं। अब सरकार का प्रयास है कि अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति के बाद डॉक्टर के परामर्श अनुसार मरीजों को व्यक्तिगत रूप से भी ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए।

मुख्यमंत्री ने अपने दौरे के दौरान सबसे पहले पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में कोविड-19 के संबंध में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ मीटिंग की और इसके बाद नागरिक अस्पताल पलवल का दौरा कर सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय सभी ओर कोविड-19 के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इसे देखते हुए हरियाणा प्रदेश में स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं का और अधिक विस्तार जा रहा है। मरीजों के लिए आक्सीजन बेड्स व साधारण बेड्स की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। प्रत्येक जिले में जरुरत अनुसार आक्सीजन की सप्लाई सुनिश्चित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 की परिस्थितियों के मद्देनजर जिला प्रशासन के अधिकारी जिले में आवयश्क वस्तुओं, दवाइयों की सप्लाई पर भी नजर रखें और इन वस्तुओं की कालाबाजारी बिल्कुल भी न होने दें।

अगर कोई व्यक्ति या दुकानदुार आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी करता है, निर्धारित दरों से अधिक रेट पर बिक्री करता है या वस्तुओं का अनावश्यक रूप से स्टोर करता है तो उनके खिलाफ कानूनी कारईवाई अमल में लाई जाए। जिले में महंगाई पर पूरी तरह से नियंत्रण रहना चाहिए। इस संबंध में व्यापरियों व आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई करने वाले विक्रेताओं की बैठक बुलाकर उन्हें जरूरी दिशा-निर्देश दिए जाएं। जिले में जागरुकता कार्यक्रम भी चलाए जाए ताकि लोगों को लॉकडाउन की परिस्थितियों के मद्देनजर जरूरी दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करवाई जाए। जिले में बेड व ऑक्सीजन की उपलब्धता का निरंतर ऑडिट होना चाहिए।

सावधानी से गाइडलाइन का करें पालन

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को कोविड-19 की परिस्थितियों को समझते हुए बहुत ही सावधानी से रहना होगा तथा सभी गाइडलाइन व प्रोटोकोल की अनुपालना गंभीरता के साथ करनी होगी, ताकि संक्रमण को नियंत्रित रखा जा सके। अगर लोग सावधानी बरतेंगे तो निश्चित रूप से कोरोना का जल्द हराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन की सप्लाई पूरी करने के बाद अब वैंटीलेटर की संख्या बढ़ाई जा रही है तथा अगर किसी जगह पर वैंटीलेटर का उपयोग नहीं हो पा रहा है तो ऐसे वैंटीलेटर को जरूरत वाले स्थानों पर भेजा जाएगा, ताकि अधिक से अधिक मरीजों को जरूरी सुविधा मिल सके। इस अवसर पर पुरातत्व एवं संग्राहलय व श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री अनूप धानक, विधायक पलवल दीपक मंगला, विधायक हथीन प्रवीण डागर, अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंदरू, जिला नगर आयुक्त मोनिका गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त सतेंद्र दूहन, एसडीएम हथीन वकील अहमद, एसडीएम होडल लक्ष्मी नारायण, सिविल सर्जन डा. ब्रह्मदीप, जिला अध्यक्ष भाजपा चरण सिंह तेवतिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चार दिन बाद लगनी शुरू हुई कोविड वैक्सीन

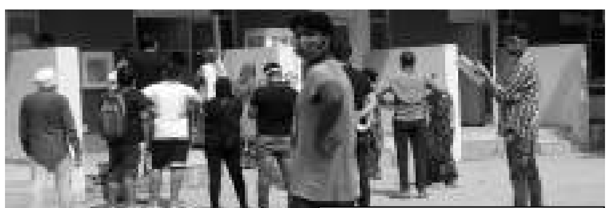

सोहना। नागरिक अस्पताल में चार दिन के बाद कोविड वैक्सीनेशन शुरू किया गया। पंजीकरण कराने वालों को ही वैक्सीन लगाई गई। पहली और दूसरा बार टीका लगवाने से पहले अब ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। नागरिक अस्पताल में 28 अप्रैल के बाद सोमवार से कोविड टीकाकरण शुरू किया गया। कोविड टीका लगवाने वालों की लाइन सुबह नौ बजे से ही लगनी शुरू को गई। सोमवार को टीका लगवाने के लिए लाइन में लगे लोगों में से 60 फीसदी लोगों ने पंजीकरण नहीं कराया था। इस कारण उन्हें टीका नहीं लगाया गया।

एक दिन में 100 को लगेगा टीका: कोविड टीका सेंटर पर अब एक दिन में 100 लोगों को ही लगेगा। पहले 100 लोगों को पंजीकरण के बाद अन्य का पंजीकरण 24 घंटे के बाद ही होगा। नागरिक अस्पताल में लोग अपना पंजीकरण करने का प्रयास करने में लगे हैं।

गुरुग्राम से सोहना पहुंचे टीका लगवाने : नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉ. नवल किशोर ने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण कराने के बाद उपभोक्ता का नंबर जिले के किसी भी सेंटर पर नंबर आ सकता है। सोमवार को गुरुग्राम से कोविड टीका लगवाने के लिए सोहना के नगारिक अस्पताल में पहुंचे थे। अब टीका लगवाने वाले को स्वयं ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा।

कोविड नियमों की अवेहलना करने पर एक आरोपी गिरफ्तार

पलवल। नाइट कर्फ्यू के दौरान धारा-144 व कोविड-19 के नियमों की धज्जियां उड़ाते एक युवक को कैंप थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जबकि आरोपी का दूसरा साथी रात के समय अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी राधेश्याम के अनुसार कोविड़-19 की दुसरी लहर के चलते सरकार द्वारा धारा-144 के साथ-साथ नाइट कर्फ्यू के आदेश जारी किए हुए हैं। 3 मई से दस मई तक एक सप्ताह का संपूर्ण लॉकडाउन लगाया हुआ है। रविवार रात्रि एएसआई नियाज मोहम्मद व हेड कांस्टेबल रणजीत न्यू कॉलोनी में गश्त पर मौजूद थे। उसी दौरान करीब एक बजे दो युवक सड़क पर घूमते दिखाई दिए जिनमें से एक युवक को मौके पर ही काबू कर लिया गया जबकि दूसरा युवक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गया।

सोहना के कूड़ा केंद्र पर लगी आग

आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है

24 घंटे में तीन स्थानों पर बुझाई गई आग

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

शहर के वार्ड-13 में बने कूड़ाकेन्द्र में लगी आग को दो घंटे में काबू किया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका। बीते 24 घंटों में तीन स्थानों पर लगी आग को काबू किया है।

सोमवार दोपहर बाद शहर के वार्ड-13 की पहाड़ कॉलोनी में अरावली पहाड़ी के साथ बने नगर परिषद के अस्थाई कूड़ा केन्द्र में आग लग गई। आग की सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की दमकल मौके पर पहुंच गई। अग्निशमन विभाग सेंटर के प्रभारी जयवीर भड़ाना ने बताया कि टीम के कर्मचारियों को आग पर काबू पाने में डेढ़ से दो घंटे का समय लगा। जिसमें तीन से चार दमकलों से पानी का छिड़काव किया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

सोमवार को सोहना के वार्ड-13 में बना अस्थाई कूड़ा केंद्र पर लगी आग को काबू करते दमकल कर्मी।

अभयपुर में लगी आग

रविवार दोपहर गांव अभयपुर और दमदमा के बीच जंगल की भूमि पर खड़े पेड़-पौधों में आग लगी। जिससे गर्मी के मौसम में सूखी झाड़ियों, छोटे पेड़, काबली कीकर की कटी हुई लकड़ियों में आग लग गई। आग तक पहुंचने में दमकल को रास्ता न होने के कारण बहुत ही मशक्कतों से पहुंचाया गया। सोमवार सुबह गांव सिलानी में पलवल-सोहना मार्ग के साथ पड़ा कूड़े-कचरे में आग लग गई। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने सोहना अग्निशमन विभाग और सदर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

लॉकडाउन के दौरान दुकानदारों ने अनोखे तरीके अपनाकर बेचा माल

तावडू। जिले में लोक डाउन लगते ही बाजार पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं। लेकिन तावडू में लोकडाउन के दौरान बाजार में दुकानदारों द्वारा अभी भी अनोखे तरीके अपनाकर प्रशासन को गुमराह कर गैर जरूरी कारोबार को अंजाम देकर अपना माल बेचा जा रहा है। सोमवार को जैसे ही लॉकडाउन की शुरुआत हुई तो तावडू शहर में सुबह के समय लॉकडाउन का उल्लंघन भी देखने को मिला। ज्यादातर फल सब्जी की रेहड़ियां आम दिनों की तरह बाजार में नजर आ रही थी। वहीं प्रशासन की आंखों में धूल झोकने का प्रयास करते हुए कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकान का शटर बंद कर काम करना शुरू कर दिया। नगर के पटौदी रोड पर सोमवार को शराब की एक दुकान में शराब बेचने का एक अनोखा तरीका देखने को मिला। जहां पर शराब विक्रेता द्वारा दुकान की शटर में एक छेद किया हुआ था। विक्रेता शटर को पूरी तरह बंद कर दुकान में ही मौजूद था। वह एक-एक कर ग्राहकों को शटर में किए गए छेद की मदद से शराब बेचकर बोतलें थमा रहा था। वहीं नगर के पटौदी रोड पर सैलून की दुकानों में भी यही हाल देखा गया। सुबह के समय बड़ी संख्या में सैलून की दुकान खुली हुई नजर आई जिनमें बड़ी संख्या में युवा मौजूद थे। पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान इन दुकानदारों द्वारा शटर को नीचा कर पूरे दिन कार्य को अंजाम दिया गया और प्रशासन की आंखों में खूब धूल झोकी गई। वही पत्रकारों के कैमरे के सामने शराब विक्रेता द्वारा सैलून की दुकान चलाने वालों ने दुकानों को पूरी तरह बंद कर दिया। जिले में कोरोना संक्रमण को बढ़ते हुए सरकार द्वारा लॉकडाउन लगाने का निर्णय लिया गया है, लेकिन तावडू क्षेत्र में लोग अभी भी कोराना जैसी महामारी को हल्के में ले रहे हैं। जो एक कभी भी अपना घातक रूप ले सकती है। आपको बता दें कि जिले के अंतर्गत नूंह शहर के बाद तावडू शहर में ही सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमित मरीजों का आंकड़ा अब तक रहा है। जो एक बेहद ही चिंता का विषय है। लेकिन तावडू में दुकानदारों द्वारा लालच में पर्दे के पीछे से अभी भी लॉक डाउन के उल्लंघन का खेल खेला जा रहा है।

स्लोगन लिख कर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का अभिवादन

फरीदाबाद। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में प्रेस संवाददाताओं, संपादकों और फोटोग्राफरों ने हमेशा घटनाओं के पीछे की सच्चाई के लिए अपनी प्रतिष्ठा और जीवन को जोखिम में डाला है। इस तरह के कार्यों के लिए स्वतंत्रता की एक डिग्री की आवश्यकता होती है जो लोकतांत्रिक देशों के गठन और मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा की गारंटी है। प्रत्येक वर्ष तीन मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस इसी उद्देश्य के लिए मनाया जाता है। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस, सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड और गाइड्स ने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एन एच तीन फरीदाबाद में ऑनलाइन प्रेस दिवस मनाया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने तीन मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के रूप में घोषित किया था। यह घोषणा 1991 में यूनेस्को के छब्बीसवें आम सम्मेलन सत्र में की गई एक सिफारिश के बाद हुई। यह घोषणा भी 1991 विंडहोक घोषणा के परिणामस्वरूप हुई जब अफ्रीकी पत्रकारों द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता के बारे में जिसे यूनेस्को द्वारा आयोजित एक सेमिनार में प्रस्तुत किया गया था 3 मई को संपन्न हुआ। जूनियर रेडक्रॉस और ब्रिगेड प्रभारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि विश्व प्रेस दिवस 2021 की थीम - एक सार्वजनिक सूचना के रूप में सूचना है अर्थात यूनिस्को ने वर्ष 2021 में विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की थीम लोगों के अच्छे के लिए सूचना उद्घोषित की है। यह विशेष रूप से प्रेस के लिए महत्वपूर्ण है, जो वैश्विक स्तर पर जानकारी के साथ पत्रकारों को सशक्त बनाने के लिए विश्व नागरिकता का प्रभावी ढंग से उपयोग और प्रसार करने के लिए प्रदान करता है। आज विद्यालय की बालिकाओं नेहा, हर्षिता, निशा, स्नेहा, अंकिता, जिया, अंजुम, प्रिया, खुशी, आरती और भूमिका ने प्राध्यापिका जसनीत कौर और प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा के मार्गदर्शन में प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक प्रेस में कार्यरत सभी मीडियाकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन के सम्मान में वर्चुअल सलोगन लिखे और उन्हें वर्तमान और भविष्य में निर्भीकता से अपने कार्य पर डटे रहने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

जरूरतमंदों के लिए मुनाफाखोरों के खिलाफ उठाएंगे आवाज

फरीदाबाद। कोरोना की दूसरी लहर ने पूरे देश को अपनी चपेट में ले लिया है और प्रत्येक दिन नए मामलों की संख्या चार लाख को पार कर गई है। विशेष रूप से महामारी की दूसरी लहर का जवाब देने के लिए दवाओं और टीकों समेत विभिन्न चिकित्सा उत्पादों को देश में सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराने की तत्काल आवश्यकता है। यद्यपि रेमेडिसवीर, फेविपवीर, कोवेक्सिन और कोविशील्ड का स्थानीय उत्पादन हो रहा है और कंपनियों ने स्वेच्छा से मूल्यों में कमी भी की है लेकिन समस्या की गंभीरता के कारण बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उपलब्ध मात्रा अत्यधिक अपर्याप्त है तथा मूल्य अत्यधिक है। स्वदेशी जागरण मंच के उत्तर क्षेत्र के संपर्क प्रमुख सतेन्द्र सौरोत ने कहा कि इस संदर्भ में, स्वदेशी जागरण मंच वैश्विक कॉरपोरेट बिल गेट्स के उस कथन का पुरजोर विरोध करता है, कि वे वैक्सीन फार्मूला, भारत और अन्य देशों के साथ साझा करने के खिलाफ हैं। यह सदी की भीषणतम महामारी के समय वैश्विक कॉरपोरेट जगत के अनैतिक और अनुचित लालच का उदाहरण है। इस समय देश को कम से कम 70 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण करने के लिए लगभग 195 करोड़ खुराक की आवश्यकता है। इसलिए राज्य सरकारों और निजी अस्पतालों के लिए घोषित कीमतों को कम किए जाने की तुरंत आवश्यकता है अन्यथा भारत में टीकाकरण की गति धीमी हो सकती है।

नहरी पानी पीने से इंकार कर रहे वार्ड-20-21 के बाशिंदे

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना के वार्ड-20-21 के निवासी अपनी ही गलतियों से गंदा पानी पीने के लिए मजबूर हो रहे हैं। पीने के पानी की एक-एक बूंद इकट्ठा करने के लिए महिलाएं दर-दर की ठोकरें खा रही हैं। वार्ड निवासी पेयजल सप्लाई को नहरी पानी से जोड़ने नहीं दे रहे हैं।

शहर के वार्ड 20-21 में पिछले छह माह से पेयजल सप्लाई का संकट छाया हुआ है। वार्ड में होने वाली पेयजल सप्लाई के पानी से पूर्ति नहीं हो पा रही है। क्योंकि पानी की सप्लाई वार्ड में लगे जनस्वास्थ्य विभाग के ट्यबवेल से होती है। एक मात्र ट्यबवेल से करीब 500 घरों में पानी की आपूर्ति नहीं होती है। जिसके कारण महिलाएं निजी घरों में लगे सबमर्सिबल पंपों से पानी लाने के लिए दर-दर भटकती हैं।

वार्ड 20-21 की महिलाएं निजी सबमर्सिबल पंप से पीने के लिए पानी भरती हुई।

क्या कहना है वार्ड की महिलाओं का

वार्ड निवासी कमलेश का कहना है कि नहरी पानी बदबूदार होता है। ट्यूबवेल का पानी मिट्टी देता है। जिससे स्थानीय निवासियों को प्रयाप्त मात्रा में पीने का पानी नहीं मिल रहा है। इतनी आबादी के बीच में एक मात्र ट्यूबवेल लगा है। जनस्वास्थ्य विभाग अधिकारियों को कई बार दूसरे ट्यूबवेल लगाने की मांग की गई है। यशोदा का कहना है कि पानी की सप्लाई 30 से 40 मिनट तक सही आती है। उसके बाद मिट्टी आने लगती है।

क्या कहते हैं अधिकारी : जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सइएन प्रेमसिंघल ने बताया कि शहर की 80 फीसदी आबादी नहरी पानी पी रही है। जिस ट्यूबवेल से वार्ड-20-21 में सप्लाई होती है। उसे वार्ड के निवासी जब चाहें अपने आप चला देते हैं। जिससे उसका पानी कम हो जाता है। जबकि नहरी पानी से सप्लाई को जोड़ने के लिए दो से तीन बार प्रयास किया है।

मकान में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

पलवल। गांव दीघौंट स्थित एक मकान से रात के समय चोर दस हजार रुपये, मोबाइल फोन और चार्जर चोरी कर ले गए। सदर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर गांव के ही तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

पुलिस जांच अधिकारी नेपाल के अनुसार गांव दीघौंट निवासी विकास ने शिकायत दर्ज कराई है कि 30 अप्रैल की रात वह परिवार के साथ घर में सोया हुआ था। रात के समय घर से दस हजार रुपये, एक मोबाइल फोन और चार्जर चोरी हो गया। पीड़ित ने शिकायत में कहा है कि इस चोरी की वारदात को अंजाम गांव निवासी भगती, कुलदीप व दीपक ने दिया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी भगती व कुलदीप को गांव से ही गिरफ्तार कर लिया। गहन पूछताछ के बाद आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन बरामद कर लिया। दोनों आरोपियों को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सीआरपीएफ कैंप कादरपुर में बनेगा सौ बेड का अस्थाई अस्पताल

सोहना। कादरपुर स्थित सीआरपीएफ कैंप में 100 बेड का अस्थाई अस्पताल बनाया जाएगा। जिसमें सीआरपीएफ के जवान, उनके परिजन और आसपास के ग्रामीण लोगों का उपचार किया जाएगा।

कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने और इसकी गति रोकने के लिए सीआरपीएफ के जवान और उनके परिजनों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए कादरपुर स्थित कैंप में 100 बेड का अस्थाई अस्पताल बनाया जाएगा। अस्थाई अस्पताल बनाने के लिए स्वास्थ विभाग की टीम ने सोमवार को सीआरपीएफ कैंप का दौरा किया। इस दौरान अस्पताल बनाने वाले स्थान सहित दाखिल होने वाले रोगियों को चिकित्सा सुविधा आसानी से उपलब्ध कराने के संसाधन देखे गए। यहां आने वाले रोगियों को शौचालय से लेकर उनके खान-पान की सुविधा। रोगियों को लाने व लेकर जाने की सुविधा और ऑक्सीजन उपलब्ध होने की सुविधा का बारीकी से टीम ने देखा।

ग्रामीणों का भी होगा उपचार

सीआरपीएफ कैंप से लगते आसपास के गांव कादरपुर, नया गांव, रिठौज, सहजावास, भोंडसी, उल्लावास आदि में कोरोना संक्रमित का भी अस्थाई अस्पताल में उपचार किया जाएगा।

सीआरपीएफ की ने की थी मांग

घंघोला एसएमओ डॉ. विकास स्वामी ने बताया कि सीआरपीएफ कैंप के उच्चाधिकारियों ने परिसर में कोरोना संक्रमित होने वाले जवान और उनके परिजनों को चिकित्सा सुविधा दिए जाने के लिए अस्थाई अस्पताल बनाने की मांग की थी। कैंप की तरफ से सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। सीआरपीएफ कैंप परिसर का सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निरीक्षण किया है। जल्दी ही अस्थाई अस्पताल चालू कर दिया जाएगा।

सम्पूर्ण लॉकडाउन : पहला दिन अफरा-तफरी का रहा

सोहना में सम्पूर्ण लॉकडाउन के पहले दिन 11 बजे के बाद बंद हुए बाजार

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

प्रदेश में लागू सम्पूर्ण लॉकडाउन का पहला दिन अफरा-तफरी से भरा रहा। सुबह 11 बजे तक बाजरा खुलने पर सामान खरीदारों की भीड़ रही। सबसे ज्यादा भीड़ सब्जी मंडी में रही।

सोमवार से 7 दिन के लिए प्रदेश में सम्पूर्ण लॉकडाउन के आदेश होने से सुबह बाजार में किराना, सब्जी, दूध, मेडिकल स्टोर, अस्पताल, फल आदि दुकानें सुबह 11 बजे तक खुलीं। घरों से अपना जरूरी सामान की खरीद करने निकले लोगों की भीड़ रही। किराना की दुकानें व सब्जी मंडी में भीड़ रही। सब्जी मंडी में लॉकडाउन के नियमों को तार-तार कर दिया। सामाजिक दूरी का पालन देखने को भी नहीं मिला। मंडी में सब्जी लेकर आने वाले किसानों से लेकर ग्रामीण क्षेत्र से आए दुकानदार और आढ़तियों ने निमय दरकिनार करते हुए अन्य दिनों की तरह अपने-अपने कार्य में मस्त रहे। सब्जी मंडी नियम से 10 बजे बंद कर दी गई, लेकिन सब्जी मंडी की भीड़ शहर में कोरोना को बढ़वा देने में बारूद का काम कर रही है।

लाइनों में बेचा सामान : किराना की दुकानों पर ग्राहकों को दुकानदारों ने लाइनों में खड़ा करके सामान दिया। वहीं ग्राहक भी सामाजिक दूरी के नियम का पालन करते नजर आए। किराना का सामान खरीदने वालों की चहल कदमी रही। ग्राहकों आज के बाद सात दिन तक सामान न मिलने की उम्मीद से घर के राशन का कोटा पूरा कर रहे थे।

11 बजे बाद बाजारों में पसरा सन्नाटा : सोमवार को जो दुकानें सुबह छह बजे खुली थी, वे दुकानदार 11 बजे तक दुकान का शटर डाल अपने घरों को चले गए। 11 बजे के बाद कच्चे सामान दूध, दही, हलवाई की दुकानें खुली रही। बाजारों में पूरे दिन सन्नाटा पसरा रहा।

तावडू शहर में हार्डवेयर की दुकान से ढाई लाख की चोरी

तावडू। शहर में एक हार्डवेयर स्टोर की दुकान से ढाई लाख रुपये चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित दुकान मालिक की शिकायत पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस ने मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अनिल कुमार निवासी वार्ड नंबर 12 तावडू ने बताया कि तावडू शहर में पुराना बस स्टैंड के नजदीक उनकी जिंदल हार्डवेयर स्टोर के नाम से दुकान है। उन्होंने बताया कि 26 अप्रैल की शाम को उन्होंने दुकान बंद की थी और मंगलवार को अवकाश होने के कारण बुधवार सुबह उन्होंने दुकान खोली तो उन्हें दुकान का शटर टूटा हुआ मिला।

हास्य दिवस : हंसने से छह गुना अधिक ऑक्सीजन मिलती है

पायनियर मसाचार सेवा। फरीदाबाद

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में विश्व हास्य दिवस पर एक विशेष वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया।

प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि विश्व हास्य दिवस को अस्तित्व में लाने का श्रेय योग आंदोलन के संस्थापक डॉक्टर मदन कटारिया को जाता है। 11 जनवरी 1998 को उन्होंने पहली बार विश्व हास्य दिवस मनाया था। इसके पीछे उनका उद्देश्य समाज के बढ़ते तनाव को कम करके उन्हें सुखी जीवन जीने की सीख देना था। मनचंदा ने बताया कि कोरोना काल में लोगों के चेहरों से हंसी कहीं गायब सी हो गई है। चेहरे पर चिंता की लकीरें खिंची हुई हैं। तनाव मानव जीवन का अभिन्न अंग जरूर है लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है कि हम रिएक्ट कैसे करते हैं। नकारात्मक ऊर्जा मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालती है, इसलिए सकारात्मक रहें। सकारात्मक रहेंगे तो इम्यूनिटी भी बेहतर रहेगी। कोरोना से बचाव को इम्यूनिटी अच्छी होना बहुत जरूरी है। मनचंदा ने कहा कि तनाव होने पर शरीर को आक्सीजन की अधिक जरूरत पड़ती है, जिससे फेफड़ों पर अधिक जोर पड़ता है। मेडिकल साइंस कहती है कि हंसने से हमारा ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहता है। इससे हम कई बीमारियों से बचे रह सकते हैं, जिससे हमारा इम्यून सिस्टम बेहतर बना रहेगा। कार्यक्रम में प्राध्यापिका जसनीत कौर और छात्रा श्वेता, नेहा, हर्षिता, निशा, स्नेहा, अंकिता, जिया, अंजुम, प्रिया, खुशी, आरती आदि मौजूद थे।

कोरोना की चेन तोड़ने के लिए लॉकडाउन जरूरी : मनोहर लाल

मुख्यमंत्री ने की मेडिकल कॉलेज नलहड़ का ऑक्सीजन कोटा बढ़ाने की घोषणा

ऑक्सीजन की उपलब्धता के लिए दो बीएसए प्लांट भी लगाए जाएंगे

दीपक कुमार। नूंह

मेडिकल कॉलेज नलहड़ पहुंचे मुख्यमंत्री मनोहरलाल।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को नूंह के शहीद हसन खान मेडिकल कॉलेज नलहड़ में स्वास्थ विभाग व जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ कोरोना के मामलों को लेकर बैठक की।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मेडिकल कॉलेज नलहड़ का ऑक्सीजन कोटा बढ़ाने का फैसला किया गया है। ऑक्सीजन का कोटा बढ़ने के बाद यहां पर अतिरिक्त बेड की व्यवस्था भी की जा सकेगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की उपलब्धता बनी रहे इसके लिए भी सरकार लगातार कदम उठा रही है। इसी के चलते दो बीएसए प्लांट भी यहां पर लगाए जाएंगे। इसी क्रम में यहां पर कंटेनर की व्यवस्था भी की जाएगी जिससे कि ऑक्सीजन को स्टोर किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी ऑक्सीजन की सप्लाई हिसार और पानीपत के अलावा बाहर के कई राज्यों से हो रही है और सरकार की प्राथमिकता यही है कि यह ऑक्सीजन सप्लाई की चेन ना टूटे। इसके लिए खाली टैंकर एयरलिफ्ट किए जा रहे हैं और भरे हुए ऑक्सीजन के टैंकर रेल के जरिए प्रदेश में पहुंच रहे हैं।

लोकडाउन के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकडाउन लगाना समय की आवश्यकता है हमें पता है कि लोगों को लोकडाउन से परेशानी होती है, लेकिन कोरोना की चेन तोड़ने के लिए लोकडाउन जरूरी है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जिस हिसाब से कोरोना के केस बढ़ रहे हैं उसी हिसाब से इलाज की भी आवश्यकता है और इसीलिए प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज में इंतजाम वो खुद देख रहे हैं। जहाज के द्वारा वापस पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि घरों से बाहर तभी निकलें जब कोई जरूरी काम हो और जब भी निकलें मास्क अवश्य पहन कर निकलें। उन्होंने कहा कि कोरोना को हम घर पर रहकर ही हरा सकते हैं। इस मौके पर प्रधान सचिव अशोक खेमका, उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा, पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनिया, सिविल सर्जन डॉ. सुरेंद्र यादव, मेडिकल कॉलेज की निदेशक डॉ. संगीता, उप-सिविल सर्जन डॉ. बसंत दुबे, एसडीएम संजीव कुमार, नायब तहसील अख्तर हुसैन सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

संक्रमण के फैलाव को रोकने में प्रशासन का सहयोग करें : उपायुक्त

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिला नूंह के मेडिकल कॉलेज में पिछले दिनों में छह नए केस व तावडू खंड के दिपालय चिल्ड्रन होम से सात मामले सामने आए हैं। इसलिए नल्हड डी-1, पांचवी मंजिल, बी-72, ब्लाक -4 गर्ल हॉस्टल, डी-2 कंटेनमेंट को कंटेनमेन्ट जोन के रूप में घोषित किया गया है।

जिलाधीश धीरेन्द्र खड़गटा ने आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया है। इनके साथ लगते क्षेत्रों को बफर जोन में शामिल किया गया है। जिलाधीश ने बताया कि खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी के नूंह व तावडू को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है तथा समय समय पर सरकार व जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेशों की पालना करवाना सुनिश्चित कराएंगे।

जिलाधीश ने बताया कोविड-19 प्रोटोकॉल के तहत कंटेनमेंट जोन को पूरे तरह सावधानी बरतने के आदेश दिए हैं ताकि कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। कन्टेनमेंट जोन को पूरी तरह सैनिटाइज करने, सभी संभावित के सैंपल लेने, आईएलआई खांसी, जुकाम, बुखार, सांस लेने में तकलीफ आदि के मरीजों के सैंपल लेने, डोर टू डोर थर्मल स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधीश ने कहा कि कंटेनमेंट जोन में सभी संबंधित विभागों की ड्यूटी आदेशित कर दी गई है जो आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई सुनिश्चित करेंगे। कंटेनमेंट व बफर जोन के ओवरऑल प्रभारी अधिकारी सम्बंधित एसडीएम होंगे। कंटेनमेंट व बफर जोन में उपरोक्त नियमों की अवहेलना करने का आरोपी आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 व आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत दंड का भागीदार होगा।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेसी नेता ने की कोरोना का टीका लगवाने की अपील

पुन्हाना। युवक कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक पंकज खरबंदा ने 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगो से कोरोना का टीका लगवाने की अपील की है। खरबंदा ने स्वयं टीका लगवाने के बाद कहा कि टीके का कोई शारीरिक दुष्प्रभाव नहीं है। टीका पूरी तरह सुरक्षित है। 18 साल से अधिक आयु वर्ग के लोग नजदीकी टीकाकरण केंद्र में जाकर टीका लगवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि टीका लगवाकर स्वयं को बचाए एवं दूसरों को भी बचाएं। उन्होंने कहा कि टीकाकरण केंद्र में मास्क लगाना, शारीरिक दूरी और हाथों की स्वच्छता जैसे निर्देशों का पालन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि सभी देशवासी स्वयं टीका लगवाएं और अपने आस-पड़ोस के लोगों को भी टीका लगवाने के लिए प्रेरित करें ताकि जिले, प्रदेश और देश में कोरोना वायरस के संक्रमण को प्रभावी रूप से रोका जा सके और हम सब स्वस्थ जीवन जी सकें। कोरोना टीकाकरण हम सब के लिए बेहद जरूरी है। हमें किसी भ्रम या गलत संदेश पर विश्वास किए बिना एक बात समझनी होगी कि संक्रमण से बचाव के लिए टीकाकरण ही एकमात्र उपाय है। मैंने टीका लगवाया है और मैं बिल्कुल ठीक हूं। उन्होंने कहा कि मेरा लोगों से आग्रह है कि वह अपनी बारी आने पर टीका अवश्य लगवाएं क्योंकि कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है। अब भी पूर्व की तरह संक्रमण का खतरा हर जगह बरकरार है। सिर्फ यह टीका ही हमें कोरोना से बचाव के लिए सुरक्षा प्रदान करता है।

आफताब ने मुख्यमंत्री से की ऑक्सीजन प्लांट की मांग

नूंह। नूंह विधायक व हरियाणा कांग्रेस विधायक दल उप नेता चौधरी आफताब अहमद ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल के मेवात आगमन पर एक पत्र भेजा जिसकी एक प्रति जिला उपायुक्त को भी दी गई है। इस पत्र में नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद ने मेवात इलाके में कोरोना के इलाज के लिए, जरूरी संसाधनों की मांग की है। पिछले पांच दिनों में दो बार नूंह विधायक आफताब अहमद मुख्यमंत्री मनोहर लाल से इस बाबत बात भी कर चुके हैं। चौधरी आफताब अहमद ने मांग की है कि कोरोना से लड़ाई जीतने के लिए शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज नूंह में ऑक्सीजन प्लांट लगाया जाए, ताकि ऑक्सीजन के आभाव में किसी भी मरीज की मौत नहीं हो। वहीं वेंटिलेटर व ऑक्सीजन बेड़ बढ़ाए जाएं, जीवन रक्षक दवाइयां भी पर्याप्त मात्रा में मुहैया कराई जाएं और अलाफिया अस्पताल में भी पर्याप्त ऑक्सीजन बेड, वेंटिलेटर मुहैया कराए जाएं। आफताब अहमद ने मांग कि जब तक प्लांट चालू नहीं हो जाता तब तक जिले में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मुहैया कराए जाएं इन्हें नूंह मेडिकल कॉलेज, अलाफिया अस्पताल, पुन्हाना अस्पताल, तावडू, हथीन, पिनंगवा, फिरोजपुर झिरका पीएचसी, सीएचसी में रखा जाए, ताकि मरीजों को ऑक्सीजन मिल सके। इस सभी सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड व वेंटिलेटर रखने की भी मांग की है। नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद ने मांग की है कि मेवात की सभी पीएचसी सीएचसी पर कोरोना की जरूरी दवाईयां रखी जाएं। उन्होंने मेवात, हथीन सहित में पर्याप्त वेक्सिनेशन पूरा करने, इसमें तेजी लाने व 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं को टीकाकरण की मांग की है। नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद ने उम्मीद जताई है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री इन कामों को जनहित में मंजूर करें ताकि लोगों की जान बचाई जा सके। बता दें कि नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद खुद कोरोना संक्रमित हो गए हैं और अपना इलाज करा रहे हैं लेकिन वो लगातार जिला उपायुक्त, मेडिकल कॉलेज निदेशक व मुख्यमंत्री से संवाद स्थापित किए हुए हैं। नूंह विधायक ने लोगों से लोक डाउन का ईमानदारी से पालन करने की अपील की है।

लॉकडाउन के उल्लंघन की खबर मिली तो एसडीएम ने संभाला मोर्चा

तावडू। नूंह जिले के तावडू शहर में लॉकडाउन के दौरान उल्लंघन की खबर मिलने पर एसडीएम खुद निरीक्षण करने पहुंचे गए। इस दौरान एसडीएम के निरीक्षण करने की खबर से सड़कों पर घूमते हुए लोग मकानों व गलियों छुपते नजर आए। वहीं एसडीएम ने एसडीएम डॉ. नरेश कुमार ने सोमवार को दोपहर के समय नगर के सोहना रोड पर कुछ वाहनों को रुकवा कर वाहन चालकों से पूछताछ शुरू कर दी। गैर जरूरी कार्य से आवागमन से करने वाले वाहन चालकों को एसडीएम ने सख्त लहजे में उनसे पूछताछ की, संतोषजनक जवाब नहीं देने पर उन्हें वापस जाने पर मजबूर कर दिया। इसके अलावा कई अन्य वाहन चालकों को कड़ी चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। एसडीएम ने बताया कि तावडू शहर में लॉकडाउन का उल्लंघन बिलकुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गैर जरूरी कार्य से बाहर निकलने वालों के खिलाफ प्रशासन की ओर से कार्रवाई की जाएगी। नगर के 15 वार्डों में नगर वासियों की जरूरत पूरी करने के लिए फल सब्जी की रेहड़ियां लगाने की अनुमति दी जाएगी। सड़क पर फल सब्जी की रेहड़ी लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अस्पताल खुले रहेंगे तो केमिस्ट की दुकानों को ऑड इवन के आधार पर खोलने की अनुमति होगी। इसके अलावा नगर में होटल संचालकों को भी सुबह-शाम समय के अनुसार खाना पैकिंग करने की अनुमति दी होगी। नगर में लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने वाले करने वालों के खिलाफ प्रशासन के आदेश पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के उद्देश्य से प्रशासन का सहयोग करें। लॉकडाउन का पूरी तरह पालन करें।

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए
कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)
9050976800
9416103259
ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

तावडू के युवा अधिवक्ता की कौराना से मौत

गणमान्य लोगों ने जताया शोक ।

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

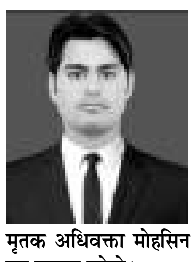

मृतक अधिवक्ता मोहसिन का फाइल फोटो।

सोमवार सुबह तावडू शहर के एक युवा अधिवक्ता की कोरोना से मौत हो गई। युवा अधिवक्ता की मौत की पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने शोक जताया है। मृतक मोहसिन के नाना एवं पूर्व सरपंच छोटू मियां निवासी जफराबाद ने बताया कि मोहसिन को लगभग 2 हफ्ता पहले बुखार आया था।

वहीं सांस लेने में भी दिक्कत महसूस हुई थी। जिसके बाद उन्हें नूह शहीद हसन खां मेवाती मेडिकल कॉलेज नलहड़ में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जहां पर उनकी कोविड रीपोर्ट पॉजिटिव बताई गई। जिसके बाद वह अस्पताल में उपचाराधीन थे। उन्होंने बताया कि अस्पताल में उनकी हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती रही। सोमवार सुबह उपचार के दौरान मोहसिन किनमौत हो गई। मोहसिन नूह बार में युवा वकील थे। उनकी मौत की खबर सुनते ही वरिष्ठ अधिवक्ता रमजान चौधरी, युवा नेता आसिम शिकारपुर, बशीर सरपंच, फखरुद्दीन सरपंच आदि ने शोक जताया।

वही उनके ननिहाल गांव जाफराबाद में इस युवा अधिवक्ता की मौत की खबर सुनते ही मातम छा गया।देर शाम कोविड नियमों के मुताबिक उनके ननिहाल जफराबाद में उनका उनको सुपुर्द ए खाक कर दिया गया।

कोविड वेक्सीनेशन वैन गांवों में टीकाकरण के लिए रवाना

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

डॉक्टर बसंत दुबे डिप्टी सिविल सर्जन नूंह।

कोरोना महामारी पर कंट्रोल पाने के लिए, स्वास्थ्य विभाग ने पूरी ताकत झोंक दी है। कोरोना वैक्सीनेशन को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य विभाग नूंह ने कोविड वेक्सिनेशन वैन को सोमवार को रवाना कर दिया।

कोविड वैन को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के हाथों से हरी झंडी दिखाकर नल्हड़ मेडिकल कॉलेज से रवाना करना था, लेकिन मुख्यमंत्री के पास समय का अभाव होने की वजह से वह उसे हरी झंडी नहीं दिखा सके। सीएम के जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने उसे गांव के लिए रवाना कर दिया। इस वैन की खासियत यह है कि इसमें वैक्सीन रखने, स्टाफ के बैठने से लेकर इंटरनेट की पूरी सुविधा है। जहां मरीजों का रजिस्ट्रेशन करने के साथ-साथ वैक्सीनेशन करने की पूरी व्यवस्था है। सबसे खास बात यह है कि पहले वैन उन गांवों में जाएगी जहां इंटरनेट स्पीड अच्छी खासी है। डॉ बसंत दुबे डिप्टी सिविल सर्जन ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि फिलहाल नूंह खंड के गांवों में इस वेक्सिनेशन वैन को भेजा जा रहा है। उन गांवों में इंटरनेट की सुविधा बेहतर है। उन्होंने कहा कि इससे वैक्सीन अभियान को बढ़ावा मिलेगा और लोग अपने गांव में ही कोरोना कि वैक्सीन आसानी से लगवा पाएंगे। कुल मिलाकर सरकारी अस्पतालों के बजाय गांव-गांव जाकर भी स्वास्थ विभाग वैन की मदद से टीके लगाने का काम करेगा।

मेवात को मिली आठ हजार डोज

मेवात जिले को 18 वर्ष आयु से ऊपर के लोगों को कोरोना वैक्सीन का टीका लगवाने के लिए आठ हजार डोज मिल चुकी हैं। स्वास्थ्य विभाग नूंह ने एक मई से ही अठारह प्लस उम्र के लोगों को कोरोना वैक्सीन का टीका लगाना शुरू कर दिया है। इसके अलावा अगर 45 साल से अधिक उम्र के लोगों की बात करें तो उनके लिए अलग से वैक्सीन का स्टॉक मेवात को केंद्र सरकार की तरफ से दिया जाएगा। यह जानकारी डिप्टी सिविल सर्जन एवं जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. बसन्त दुबे ने पत्रकारों को बातचीत के दौरान दी। डॉ. दुबे ने बताया कि एक मई से ही मेवात जिले में कोरोना वैक्सीन के टीके लगने शुरू हो गए थे। आगे टीके लगाने की रफ्तार को बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा की जल्दी ही स्वास्थ्य विभाग को कोरोना वैक्सीन की अगली खेप मिलेगी। डिप्टी सीएमओ ने कहा कि लोग ज्यादा से ज्यादा कोरोना वैक्सीन का टीका लगवाने का काम करें, तभी जाकर कोरोना को तेजी से मेवात से भगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी सरकारी पीएचसी, सीएचसी आदि में कोरोना वैक्सीन का टीका मुफ्त में लगाया जा रहा है। मेवात को कोवैक्सीन और कोविशिल्ड कंपनी की वैक्सीन की खेप उपलब्ध हुई है।

जिले में 10 मई तक लॉकडाउन : डीसी

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

देश और प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य सरकार के निर्देशानुसार उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन धीरेन्द्र खड़गटा ने 3 मई से 10 मई 2021 तक जिला नूंह में सम्पूर्ण लॉकडाउन लगाने के आदेश जारी किए हैं।

जिलाधीश द्वारा जारी आदेशों के तहत जिला में सभी नागरिक घरों में ही रहें। किसी भी नागरिक को इस अवधि में पैदल या किसी वाहन से सड़क पर या सार्वजनिक स्थान पर घूमने की अनुमति नहीं होगी। निर्देशों में जिन व्यक्तियों और सेवाओं को छूट दी गई है उनमें ऐसे लोग जो लॉ एंड आर्डर या आपात सेवाओं में तैनात होंगे। इनमें म्यूनिसिपल सेवाएं, पुलिस, सेना, सीएपीएफ के वर्दीधारी कर्मचारी, स्वास्थ्य, बिजली, अग्नि शमन, मीडियाकर्मी, कोविड-19 के अंतर्गत काम कर रहे सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। इस अवधि के दौरान पहचान पत्र दिखाकर इन्हें आने-जाने में छूट मिल सकेगी। इसके अलावा किसी परीक्षा में शामिल होने के लिए या परीक्षा में ड्यूटी आदि पर जाने वाले लोगो को भी एडमिट कार्ड, पहचान पत्र दिखाकर आने-जाने में छूट रहेगी। आवश्यक वस्तुओं के निर्माण में लगे लोगों पर भी आने-जाने में कोई रोक नहीं होगी। जिला के अंदर व बाहर आवश्यक वस्तुओं को ले जा रहे वाहनों पर भी कोई रोक नहीं होगी। ऐसे कार्यों में लगे वाहनों को पास उपलब्ध कराए जाएंगे। ये पास लोडिंग और अंलोडिंग के स्थानों की वैरीफिकेशन के बाद जारी होंगे। जिलाधीश ने बताया कि नागरिक अस्पताल, पशु अस्पताल, सभी संबंधित मेडिकल सेवाएं, मैन्युफेक्चरिंग और वितरण यूनिटस को भी छूट रहेगी।

यह सुविधा सरकारी और निजी क्षेत्र के लिए लागू होगी इनमें डिस्पेंसरी, कैमिस्ट, फार्मेसी, जन औषधि केंद्र सहित और मेडिकल उपकरण की दुकानें, लेबोरेट्री, फार्मा रिसर्च लैब, क्लिनिक, नर्सिंग होम, एंबुलेंस आदि को काम करने की छूट रहेगी। सभी स्वास्थ्यकर्मियों, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, अस्पताल की सहायता के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए आवागमन की अनुमति रहेगी। इसके अलावा, जिन अन्य आवश्यक वाणिज्यक एवं निजी सेवाओं को छूट रहेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती घर से लापता

तावडू। शहर से संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवती का घर से लापता होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। देवी कुमारी निवासी भीमनगर तावडू ने बताया कि 24 अप्रैल को उनकी बेटी अपनी बड़ी बहन की ससुराल गांव अल्लीका जिला पलवल के लिए सुबह 11:30 बजे के करीब घर से रवाना हुई थी, लेकिन वह अपनी बड़ी बहन की ससुराल नहीं पहुंची। जिसके बाद उन्होंने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, लेकिन बेटी के बारे में कोई सुराग नहीं मिला। तावडू शहर पुलिस ने पीड़िता देवी कुमारी शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिले में कोरोना के 193 नए मामले, एक की मौत

नूंह। जिले में कोरोना की रफ्तार कम होने का नाम नहीं ले रही है। आए दिन कोरोना के नए मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। सोमवार को जिले में एक साथ कोरोना के 193 नए मामले आए इससे पूर्व शनिवार को एक दिन में 105 नए मामले आए। हालांकि इस बीच 91 लोग स्वस्थ भी हुए जोकि लोगों के लिए काफी राहत भरा रहा।

इस दौरान कोरोना से मालब निवासी एक 78 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत भी हुई। उक्त महिला ने 10 अप्रैल रेवाड़ी के विराट अस्पताल में अपनी आरटीपीसीआर की जांच कराई इसके बाद 26 अप्रैल को वहीं पर महिला ने दम तोड़ दिया। सोमवार को जिले में 193 नए मामलों में जिले के नूंह खंड में 71, इंडरी 2, तावडू 73, पुन्हाना 10, पिनगवां 2, नगीना 15 व फिरोजपुर झिरका में 20 नए मामले आए। अब जिले में कोरोना का 532 एक्टिव मरीज है। जिले में एक्टिव संक्रमित की यह संख्या पहली बार यहां तक पहुंची है। जिले में अभी 2193 लोगों की रिपोर्ट आना बाकि है। अभी भी जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा हर दिन लगभग 800 मरीजों की जांच की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह सैंपल आरटीपीसीआर एवं रैपिड एंटीजन टेस्टिंग किट द्वारा लिए जा रहे हैं। अब तक 235536 लोगों के सैंपल लैब में भेजे जा चुके हैं जिनमें से 229846 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है।

पायनियर पाठकों के लिए
यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं
• तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
• विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
• आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
• कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
• मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
• पाहुजा,पलवल मीनार गेट
• त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
• हितेश सेक्टर 29, 9910533103

बुरा क्या और होगा वक़्त जो इंसान पर गुज़रा
अनाथों की तरह जैसे दिया है तँत्र ने ठुकरा
असल मुद्दों को पहले की तरह ही छोड़कर फिर से
इशारों पर करेगा मीडिया सरकार के मुजरा

आवश्यक सेवाओं को बहाल रखा जाएगा : रीगन कुमार

सेनायत खां। फिरोज पुर झिरका

सम्पूर्ण लॉकडाउन के चलते शहर बीच अम्बेडकर चौक पर पसरा सन्नाटा।

उपमंडल अधिकारी फिरोजपुर झिरका रीगन कुमार ने बताया कि कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण देखते हुए हरियाणा सरकार ने तीन से 10 मई तक सम्पूर्ण लॉकडाउन लगाते हुए आवश्यक सेवाओं को चालू रखने के नई गाइडलाइन जारी की है।

रीगन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि बाजार व शहरों में सभी दुकान बंद रखी जाएंगी, उन्होंने कहा कि सड़कों पर दौड़ने वाले अनावश्यक वाहनों पर पूर्ण रूप से पाबन्दी रहेगी, रीगन कुमार ने कहा कि कोरोना नियमों के अनुसार सभी लोग अपने घरों पर रहे, मास्क का पूर्ण रूप से प्रयोग करें, सामाजिक दूरी बना कर रखें और सैनेटाइज का भी ख्याल रखें। रीगन कुमार ने कहा कि लोगों के लिए सरकार ने आवश्यक सुविधाएं शुरू रखने के लिए निर्धारित समय के अनुसार किराना, फल, सब्जी, दूध, जानवरों के चारे की दुकान, मीठ, मछली की दुकानों को खोलने की अनुमति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि बिजली, नगर पालिका, जनस्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन आदि सरकारी विभागों की सेवाओं को बहाल रखा गया है उन्होंने कहा कि किसी भी तरह सरकार के नियम तोड़ने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर का मुकाबला करने के लिए सरकार की गाइड लाइनों को अपने ऊपर लागू करें। सभी जनहित की सेवाओं को चलाने वाले अपने विभाग से पास बनवाना जरूरी है। होटल, रेस्टोरेंट होम डिलीवरी के लिए निर्धारित समय तक खुले रखे जाएंगे।

उन्होंने कहा कि आज देश बुरे दौर से गुजर रहा है इसलिए, अपने व अपने परिवार को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए सरकार के आदेशों का अनुपालन करना अति आवश्यक है। नियमों को नजरअंदाज करने वालों के प्रशासन की ओर से मुकदमे दर्ज करने की कराई की जाएगी।

लॉकडाउन का असर

सोमवार से सम्पूर्ण लाकडाउन के चलते बाजार पूरी तरह बंद रहा, शहर के बीच हमेशा गुलजार रहने वाला अम्बेडकर चौक पर पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा। वाहनों की आवजाही पूरी तरह बंद रही। सड़कों पर लाकडाउन का पालन करने के लिए चारों ओर पुलिस कर्मी तैनात नजर आए। यहां तक कि आवश्यक सेवाओं में शामिल फल, सब्जी किराना की दुकानें बंद रहीं

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

कोरोना का संकट

खराब हुई छवि

कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर में भारत की छवि को भारी धक्का लगा है। समय आ गया है कि हम दुनिया को अपनी असली शक्ति दिखा दें। विदेशी मीडिया ने कोविड-19 को सनसनी की तरह पेश कर हमें दुनिया अश्पृश्य जैसा बना दिया है। महामारी फैलने के कारण नई दिल्ली से हवाई संपर्क तोड़ लिए गए हैं और भारत इस समय ऐसी चुनौती का सामना कर रहा है जैसी स्वतंत्रता के बाद बहुत कम आई है। किसी महामारी, विदेशी आक्रमण या घरेलू अव्यवस्था के कारण आर्थिक मंदी का कुछ समय सामना करना एक बात है, लेकिन इस आयाम की विभीषिका का सामना करना एकदम अलग है। बढ़ते मामलों और मौतों के कारण स्वाभाविक रूप से विदेशी मीडिया ने अपना फोकस ट्रंप युग की समाप्ति के बाद अमेरिका में मची अफरातफरी के बाद अब भारत पर कर लिया है। ट्रंप अपने कार्यकाल में खबरों की भूखी मीडिया को काफी मसाला देते रहते थे, पर अब महामारी पर नियंत्रण के बाद व्हाइट हाउस पर मीडिया का ज्यादा ध्यान नहीं है और वैश्विक खबरिया मीडिया ने अपना ध्यान तेज घटनाक्रम वाले भारत की ओर मोड़ दिया है। फुटपाथों पर मर रहे मरीजों, कुत्तों के श्मसान में अंतिम संस्कार, अस्पतालों में बिस्तरों व आक्सीजन सिलिंडरों की कमी तथा ब्लैक मार्केट में 10 गुना दाम पर बिक रहे रेमेडेसेविर इंजेक्शनों की दु:खद खबरों ने मीडिया में जगह बना ली है। कुछ राज्यों द्वारा सोशल मीडिया पर सूचना साझा करने के खिलाफ तुगलकी आदेशों से मामला और खराब हो गया है। महाकुंभ और विधानसभा चुनावों ने विदेशी मीडिया को धर्म और राजनीति का एक काकटेल परोस दिया है।

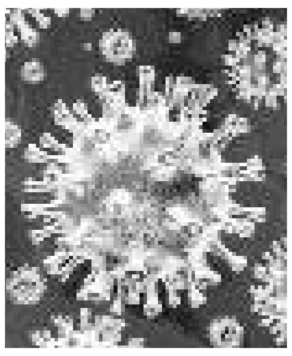

संदेहवादी विदेशी मीडिया कवरेज को पूर्वाग्रही व षडयंत्र से प्रेरित कह सकते हैं, पर तथ्य यह है कि पश्चिमी मीडिया अपनी प्रकृति से साधारण चीजों को सनसनीखेज तरीके से पेश करता है। ऐसे में वे यह अवसर क्यों छोड़ेंगे जहां सभी प्रकार की चीजें हैं। इसके परिणामस्वरूप दर्जनों देशों ने भारत से संपर्क काट लिए हैं और अपने नागरिकों को घर लौटने के लिए कहा है। बिगड़ते स्वास्थ्य ढांचे और अराजकता के कारण भारत को आज अश्पृश्य देश की तरह देखा जा रहा है। यह वही देश है जो कोरोना-पूर्व के दिनों में दुनिया की महाशक्तियों के लिए चुनौती के रूप में उभरा था। लेकिन कोरोना ने जल्दी ही इस छवि को एकदम उलट दिया है। विदेशी मीडिया में हो रही बहस में ज्यादातर ध्यान सुशासन के कथित अभाव पर दिया जा रहा है, वहीं इस तथ्य को अनदेखा किया गया है कि सड़कों पर चलने वाले लोग भी वायरस के प्रसार के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं।

यह स्पष्ट है कि हम भारतीय प्रोटोकालों और निर्देशों का पालन तभी करते हैं जब इनको दंडात्मक उपायों के माध्यम से हमारे ऊपर थोप दिया जाता है। ऐसे में यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण है कि हमारे नेताओं ने भी आत्मानुशासन का उदाहरण नहीं पेश किया है। लेकिन इसमें कुछ भी नया नहीं है। भारत इस समय एक गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है, जिसमें नेताओं और आम जनता को एकसाथ आ कर उपयुक्त कदम उठाने चाहिए तथा यह छवि बदलने का प्रयास करना चाहिए। विश्व समुदाय को सही संदेश देने के लिए मजबूत राजनीतिक एकता स्थापित करना अत्यधिक दूरगामी कदम होगा। समय आ गया है कि सभी पार्टियों को समझना होगा कि देश उनके राजनीतिक लक्ष्यों से बड़ा है। वे और केवल वे ही जनता को लामबंद कर सकते हैं कि दुनिया में हमारी खराब हो रही छवि ठीक करने की दिशा में उचित कदम उठाए जाएं।

छोटी फर्मों को प्रोत्साहन देना आवश्यक

न केवल छोटी फर्मों को धन मुहैया कराने के लिए बल्कि वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन में उनकी मदद करने अनुकूल नीतियां बनाने की आवश्यकता है।

हिमा बिंदू कोटा
(लेखिका एमिटी विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं)

किसी भी व्यवसाय की जीवन रेखा वित्त है। धन का आवंटन और उपयोग - तकनीकी रूप से पूंजी बजट के रूप में जाना जाता है - किसी भी व्यवसाय के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक निर्णयों में से एक है। लेकिन क्या यह निर्णय बड़ी कंपनियों की तुलना में छोटी कंपनियों के लिए अलग है? बड़े उद्यमों की तुलना में छोटे उद्यमों में पूंजी का आवंटन अक्सर अधिक महत्वपूर्ण होता है - पूंजी बाजारों तक उनकी कमी को देखते हुए - क्योंकि गलती को ठीक करने के लिए आवश्यक धन उपलब्ध नहीं हो सकता है। इसके अलावा, बड़ी कंपनियां कई परियोजनाओं के लिए पूंजी आवंटित करती हैं, इसलिए एक में गलती दूसरों में सफलता से ऑफसेट हो सकती है।

जबकि पूंजी निवेश छोटी फर्मों के लिए एक प्रासंगिक क्षेत्र है, पिछले चार दशकों के दौरान किए गए अधिकांश अध्ययनों में बड़े उद्यमों के पूंजीगत बजट निर्णयों पर ध्यान केंद्रित किया गया है और छोटे संगठनों के लिए समान सबूत मौजूद नहीं हैं। इसलिए, छोटे व्यवसायों के पूंजी बजट प्रथाओं के बारे में बहुत कम जाना जाता है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं में छोटी कंपनियों के अनुपात और महत्व को देखते हुए और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संसाधनों के अधिक कुशल उपयोग के लिए उनकी निरंतर प्रेरणा के लिए, छोटी कंपनियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली विधियों पर जानकारी की निश्चित आवश्यकता होती है ताकि उनकी दुर्लभ पूंजी जमा और आवंटित की जा सके।

लघु और मध्यम उद्यम (एसएमई) क्षेत्र किसी भी बढ़ती अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसे विकास के इंजन के रूप में पहचाना जाता है - लगभग 70 प्रतिशत रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान। इस क्षेत्र के योगदान को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से देखा जा सकता है, जो दर्शाता है कि यह विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 6.11 प्रतिशत और सेवाओं से सकल घरेलू उत्पाद में 24.6 प्रतिशत योगदान देता है। इसके अलावा, भारत से कुल निर्यात में इसकी 45 प्रतिशत हिस्सेदारी है और लगभग 120 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करता है। यह 8,000 से अधिक विविध उत्पादों का विनिर्माण करता है, जिसमें कम-तकनीकी वस्तुओं से लेकर तकनीकी रूप से उन्नत वाले भी शामिल हैं। विश्व स्तर पर, दुनिया के सभी उद्यमों का 99.7 प्रतिशत एसएमई है और शेष 0.3 प्रतिशत बड़े पैमाने पर उद्यम हैं। भारत में एसएमई क्षेत्र में सभी औद्योगिक इकाइयों का 95 प्रतिशत हिस्सा है। चूंकि यह क्षेत्र किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर रूप से महत्वपूर्ण है, इसके अस्तित्व के लिए उचित वित्तीय प्रबंधन का अत्यधिक महत्व है। यह एक ज्ञात तथ्य है कि वित्तीय समस्याएं अक्सर छोटे व्यवसायों की विफलता का एक प्रमुख कारण होती हैं। दो प्रमुख समस्याएं, अंडरकैपिटलाइजेशन और बाहरी वित्त सहायता प्राप्त करने में कठिनाई, अक्सर खराब वित्तीय प्रबंधन से संबंधित होती हैं। गरीब और कुछ मामलों में पारंपरिक ऋण देने के स्रोतों से लाभ उठाने के लिए उचित वित्तीय रिकॉर्ड रखने वाली छोटी फर्मों की कमी है क्योंकि ये व्यवसाय उनकी वित्तीय व्यवहार्यता को प्रदर्शित नहीं कर सकते हैं। स्टार्ट-अप चरण में कई एसएमई, एक व्यवसाय के संचालन की लागत को कम करते हैं और इस प्रकार नकदी प्रवाह और आवश्यक परिचालन पूंजी की मात्रा का प्रबंधन करने में विफल होते हैं। कई अध्ययनों ने एसएमई प्रदर्शन और विशिष्ट वित्तीय प्रथाओं के बीच सहयोग के अस्तित्व को स्थापित करने का प्रयास किया है। सबूत बताते हैं कि एसएमई द्वारा सफल वित्तीय प्रदर्शन का वित्तीय मामलों के प्रभावी प्रबंधन, जैसे कि नियोजन, वित्तीय रिकॉर्डों का रखरखाव, बाहरी वित्त प्राप्त करना, पेशेवर वित्त सलाह और अन्य कारकों के साथ एक सकारात्मक जुड़ाव है।

पूंजी बजट सिद्धांत कुछ मान्यताओं पर आधारित है जैसे सभी सकारात्मक शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) परियोजनाओं में निवेश करके और नकारात्मक एनपीवी वाले लोगों को अस्वीकार करके शेयरधारकों के धन को अधिकतम करना; और संपूर्ण वित्तीय बाजारों तक पहुंच, यह सभी मूल्य वर्धित परियोजनाओं को वित्त करने की अनुमति देता है। हालांकि, छोटी कंपनियों के लिए इन धारणाओं की प्रयोज्यता संदिग्ध हो सकती है। पृथक्करण सिद्धांत, जिसमें कहा गया है कि निवेश के निर्णयों को शेयरधारकों के स्वाद और वरीयताओं से स्वतंत्र किया जा सकता है, बारीकी से आयोजित और छोटे व्यवसायों के लिए नहीं है। एनपीवी तकनीक के तहत, अगर एनपीवी सकारात्मक है, तो यह स्वीकार कर लिया जाता है, अगर नकदी बहिर्वाह भविष्य के नकदी प्रवाह के मौजूदा मूल्यों से कम है, जो पूंजी की फर्म की लागत पर छूट देता है। हालांकि, चूंकि छोटी फर्मों के शेयर आसानी से बाजार में नहीं आते हैं, इसलिए छोटे व्यवसायों में बाजार निर्धारित छूट दरें अनुचित हैं। बड़ी और छोटी कंपनियों के लिए पूंजीगत बजट के बीच सबसे महत्वपूर्ण अंतर यह है कि पूर्व के निर्णयों में स्टॉकहोल्डर्स के दृष्टिकोण से स्वतंत्र रूप से किया जा सकता है, लेकिन बाद में, यह आवश्यक है कि मालिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल हों। छोटी कंपनियों को पूंजी बाजार से धन जुटाने में भी कठिनाई होती है। वास्तव में, इक्विटी और दीर्घकालिक फंडों की कमी देश में एसएमई के विकास को रोकती है। इसके अलावा, अनुसंधान से पता चलता है कि छोटी कंपनियां अपनी सूचना-अपारदर्शिता और मजबूत बैंकिंग संबंधों की कमी के कारण बैंक ऋणों का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं। इसके अलावा, कुछ छोटे उद्यमों के लिए, सार्वजनिक मुद्दे के माध्यम से धन जुटाना असंभव है और दूसरों के लिए यह निषेधात्मक रूप से महंगा हो सकता है। उपर्युक्त नकदी की कमी छोटे उद्यमों को किसी भी संभावित आकर्षक निवेश अवसर के लिए पर्याप्त नकदी संतुलन बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करती है। यद्यपि एसएमई क्षेत्र समग्र अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख तरीके से योगदान देता है, पिछले चार दशकों में वित्तीय अनुसंधान ने खुद को बड़े संगठनों द्वारा पसंद की जाने वाली पूंजी बजट तकनीकों को समझने तक सीमित कर दिया है और एनपीवी, आंतरिक दर वापसी (आईआरआर) जैसे परिष्कृत उपकरणों के उपयोग का अध्ययन किया है।), लाभप्रदता सूचकांक (पीआई) और पेबैक जैसे आसान उपकरण। भारत में 333 छोटी फर्मों पर किए गए एक शोध में, यह स्पष्ट हो गया कि देश में छोटे व्यवसाय पूंजी निवेश सिद्धांत द्वारा अनुशंसित लोगों की तुलना में संभावित निवेश का विश्लेषण करने के लिए कम परिष्कृत तरीकों को नियुक्त करते हैं। विशेष रूप से, सर्वेक्षण के परिणाम बताते हैं कि ये फर्म कैश फील, पेबैक अवधि और रिटर्न की लेखांकन दर की तुलना में कम कैश डिस्काउंट फ्लो (डीसीएफ) विश्लेषण का उपयोग करती हैं।

हालांकि 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं के पास पेशेवर डिग्री है, वे आर्थिक रूप से साक्षर नहीं हो सकते हैं और उनकी छोटी प्रबंधन टीम एक पूंजी बजट विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त सक्षम नहीं हो सकती है। इसके अतिरिक्त, डीसीएफ तकनीकों को लागू करने के लिए एक बाहरी सलाहकार को नियुक्त करना छोटी कंपनियों के लिए महंगा साबित हो सकता है। चूंकि पूंजी परियोजनाएं आकार में अपेक्षाकृत छोटी होती हैं, इसलिए उनका विश्लेषण करने की लागत को बनाए रखना किफायती नहीं हो सकता है। इससे पता चलता है कि छोटी परियोजनाओं के साथ छोटी फर्मों को समझ में आ सकता है जब वे कम परिष्कृत तकनीकों पर या मालिकों के सहज एहसास पर निर्भर करते हैं। चूंकि छोटी फर्में बुनियादी अस्तित्व से संबंधित हैं, वे नकदी-उन्मुख होते हैं और इसलिए पेबैक तरीकों पर जोर दे सकते हैं।

छोटे व्यवसाय के मालिक भी तत्काल भविष्य से परे पूर्वानुमान बनाने में सहज नहीं हैं क्योंकि वे नकदी प्रवाह और पूंजी बजट में अधिक अनिश्चितता का सामना करते हैं। शिक्षा, सरकार की नीतियों और वास्तविक व्यापारिक दुनिया के बीच एक अंतर मौजूद है। पारंपरिक व्यावसायिक शिक्षा ज्यादातर बड़ी फर्मों के वित्तीय प्रबंधन पर केंद्रित है। हालांकि, प्रमुख ध्यान अब छोटे व्यवसायों के वित्तीय प्रबंधन में स्थानांतरित करना है। इसके अलावा, अनुकूल नीतियों को न केवल छोटी फर्मों को धन प्रदान करने के लिए, बल्कि उन्हें धन के प्रबंधन में मदद करने के लिए भी तैयार किया जाना है।

नेपाल सरकार की दिशाहीन नीतियां

ऋषि गुप्ता
(लेखक जेएनयू में शोधार्थी हैं)

नेपाली राजनीति का एक सामान्य तत्व राजनीतिक दृष्टिकोण से अनिश्चित होना तथा उसका अनुमानों से परे काम करना है। उसके ये कदम राष्ट्रीय कल्याण से बहुत दूर हैं तथा उन्होंने देश की राजनयिक पहल को नुकसान पहुंचाया है। केपी ओली नीत वर्तमान सरकार न घरेलू मामलों पर ध्यान दे पा रही है और न उसने देश की विदेश नीति मजबूत करने की चिन्ता की है। इस समय नेपाल में कोविड-19 के मामले भी बढ़ रहे हैं और वह भारत या चीन से मिलने वाली वैक्सीनों का ठीक से प्रबंधन नहीं कर पा रहा है। नेपाल इस समय राजनयिक अलगाव का सामना कर रहा है। नई दिल्ली में होने वाले रायसीना डायलाग, चीन में बीओएओ फोरम बैठक तथा अमेरिका में जलवायु परिवर्तन पर हुए सम्मेलन में नेपाल की अनुपस्थिति से यह बहस तेज हो गई है कि क्या नेपाल सरकार विदेश नीति के मामले में गंभीर है। हालांकि, अभी नेपाल भारत को ज्यादा सहयोग का आश्वासन देने में विफल रहा है, पर लगता है कि चीन भी रणनीतिक हितों के मामले में ओली सरकार पर आंखें मूंद कर विश्वास करने पर पुन: विचार कर रहा है। दूसरी ओर अमेरिका भी ओली से इसलिए नाराज है कि उन्होंने मिलीनियम चैलेंज कोआपरेशन-एमसीसी में शामिल होने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई क्योंकि चीन इसे एक सैनिक मंच मानता है, जबकि इससे नेपाल को सस्ते व हरित परिवहन, बिजली, क्षेत्रीय सुरक्षा, शांति व विकास के नए रास्ते मिल सकते हैं।

नेपाल गंभीर जलवायु परिवर्तन चुनौतियों का सामना कर रहा है। 2015 में भूकंप से आई भयानक विभीषिका के साथ ही माउंट एवरेस्ट पर पड़ने वाले प्रभाव, जंगलों में लगने वाली आग, हवा की गुणवत्ता खराब होने तथा देश में स्वच्छ जल सप्लाई में कमी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां नेपाल को अंतरराष्ट्रीय सहायता की आवश्यकता है। अमेरिका की बाइडेन सरकार ने जलवायु परिवर्तन तथा पेरिस घोषणा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि की है।

हालिया जलवायु शिखर सम्मेलन इस दिशा में नई शुरुआत है। नेपाल को इस सम्मेलन में आमंत्रित करना अपरिहार्य था, पर एमसीसी पर ठीक राजनयिक व्यवहार न करने वाली आत्मकेन्द्रित ओली सरकार ने नेपाल की बात रखना ठीक नहीं समझा। अमेरिका ने अक्सर नेपाल से एमसीसी को प्राथमिकता देने को कहा है, लेकिन नेपाल की सभी कम्युनिस्ट सरकारों ने इसे अमेरिका बनाम चीन जैसा मामला बना दिया है। सरकार ने घोषणा की थी कि सागरमाथ संवाद या एवरेस्ट संवाद बहुपक्षीय संवाद मंच होगा जिसकी प्रतिबद्धता प्रमुख वैश्विक, क्षेत्रीय व राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर विचार करना होगी। पहले संवाद का आयोजन 2-4 अप्रैल को होना था, पर इसे महामारी के कारण टाल दिया गया। हालांकि, नेपाल ने इसमें होने वाली चर्चा में भाग लेने के लिए अमेरिका, भारत व चीन को आमंत्रित किया है, पर नेपाल द्वारा जलवायु सम्मेलन में भाग न लेने से वाशिंगटन में नेपाल के बारे में बेचैनी बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि नेपाल ने जलवायु परिवर्तन को 2016 में घोषित अपनी पहली राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में 'राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे' की तरह पेश किया है। यह नीति इस उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय फंड प्राप्त करने की इच्छा प्रकट करती है। ओली ने इस बात के सारे प्रयास किए हैं कि भारत के साथ खराब हुए संबंधों को ठीक किया जाए। निकटतम पड़ोसी के रूप में भारत हमेशा सभी संकटों में नेपाल के साथ खड़ा हुआ है। भारत ने पहाड़ियों से माओवादी छापामार समूहों को हटाने तथा उन्हें संवाद के लिए मजबूर करने का काम किया था जिसका परिणाम अंतत: नेपाल में लोकतंत्र की स्थापना के रूप में सामने आया। इसके बावजूद नेपाल की सभी पूर्व सरकारों तथा ओली नीत सरकार ने राजनीतिक लाभ उठाने के लिए भारत द्वारा व्यक्त सद्भावना का दुरुपयोग किया। जब भारत ने नेपाल को कोविड-19 के खिलाफ संघर्ष में सहायता की, उसी समय ओली चीन को खुश करने के लिए भारत के साथ सीमा समस्या भड़का रहे थे। एक जिम्मेदार पड़ोसी के रूप में नेपाल को भारत के साथ सीमा मुद्दों पर चर्चा के लिए राजनयिक माध्यमों का प्रयोग करना चाहिए था, पर उसने इसके बजाय भारत को राक्षस की तरह पेश करने का प्रयास किया।

नेपाली प्रधानमंत्री भले ही भारत के साथ तथाकथित 'शांतिपूर्ण इरादों' की बात करते हुए चीन के साथ सहयोग को बढ़ावा दें तथा नेपाल के घरेलू मामलों के माइक्रोमैनेजमेंट का प्रयास करें, लेकिन इन सारी चीजों के बावजूद बीजिंग ओली से खुश नहीं है। उसने 2019 में नेपाल में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को आमंत्रित करवा कर तथा अनेक समझौतों पर हस्ताक्षर कर एक शातिर चाल खेली है।

हालांकि, चीन को शी की यात्रा के समय इच्छित चीज नहीं मिली। बीजिंग काठमांडू के साथ प्रत्यावर्तन संधि करना चाहता था। इससे चीन को तिब्बती शरणार्थियों के 'फ्री तिब्बत' आंदोलन पर लगाम लगाने का ज्यादा मौका मिल जाता और वह नेपाल में रह रहे तिब्बती शरणार्थियों का प्रत्यावर्तन करवा लेता। लेकिन यूएनएचसीआर व मानवाधिकार संगठनों के अंतरराष्ट्रीय दबाव तथा देश में विपक्ष के बढ़ते दबाव के कारण अंतिम समय इस संधि पर वार्ता को टाल दिया गया। चीन को यह बात पसंद नहीं आई। संयुक्त बयान में चीन ने आशा प्रकट की थी कि जल्द ही यह संधि हो जाएगी। हालांकि, ओली नीत कम्युनिस्ट सरकार ने भले ही चीनी हितों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया हो, पर बीजिंग अपनी तिब्बत नीति को देखते हुए प्रत्यावर्तन संधि से कम किसी चीज के लिए तैयार नहीं है।

राजनीति और राजनय एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और सिक्का बनाते समय उन पर समान रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। लेकिन नेपाल में व्यक्तिगत और पार्टी हितों को राष्ट्रीय हितों पर प्राथमिकता दी गई है। ओली जैसे नेताओं ने भारत के साथ 'विशेष संबंधों' का लाभ चुनावी लाभ के लिए उठाया और चीनी हितों के लिए राजनयिक स्वायत्तता का बलिदान कर दिया। नेपाल चारों ओर भूमि से घिरा देश है और उसे भारत तथा अन्य मित्र देशों की सहायता की आवश्यकता है, पर उसका राजनयिक व्यवहार संकुचित दृष्टिकोण वाला रहा है। भारत और अमेरिका के साथ संबंध नेपाल को चीन के साथ संतुलन बनाने में सहायता कर सकते हैं। लेकिन नेपाल की राजनीति और राजनेता अविश्वसनीय बने हुए हैं। इस कारण नेपाली जनता को भविष्य तय करने का काम अपने हाथ में लेना होगा।

आप की बात

भारत-जापान संबंध

हाल ही में जापान के प्रधानमंत्री और भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने उच्च प्रौद्योगिकी कौशल विकास और कोविड-19 बीमारी से लड़ने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसमें महामारी से उत्पन्न चुनौतियों को दूर करने के लिए भारत जापान सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला गया यह हमारे लिए एक बहुत अच्छी खबर है इससे दोनों देशों के संबंधों को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही साथ दोनों देशों के बीच 5त्र सबमरीन केबल औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को और मजबूत करने के साथ ही अन्य विकास परियोजनाओं के विविधीकरण में भी यही सहयोग की संभावनाएं है। इसके साथ ही भारत और जापान के बीच बहुत सारे भागीदारी समझौते हुए हैं जिससे कि दोनों देशों को अपनी अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में स्थिति मजबूत करने में सहायक है और भारत को वह हर क्षेत्र में तरक्की प्रदान योग्य हैं। हमारे लिए एक बहुत अच्छी खबर है। अधिक सहयोग और सहभागिता दोनों देशों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। भारत और जापान दोनों ही उभरती अर्थव्यवस्था है और दोनों को अपने समावेशी विकास की ओर ध्यान देना होगा इसके लिए भारत जापान संबंधों में मजबूती एक बहुत ही अच्छी बात है।

- सुदर्शन सोराड़ी

वाहन ध्यान से चलाएं

बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में लापरवाही के कारण जान माल की हानि होती है, जिसे कई वर्षों से रोकने हेतु प्रयत्न किये गए मगर दुर्घटनाएं कम नहीं हुई। सड़क पर चलते हुए या गाड़ी चलाते हुए मोबाइल पर बात कर रहे लोगो की आए दिन दुर्घटना की खबर पढ़ने को आती है। अधिकांश लोग वाहन चलाते समय चालक अपने मोबाइल को कान और कंधे के बीच दबाकर बातचीत करते हुए वाहन चलाते है उनका ध्यान बातचीत पर ही ज्यादा रहता ही। पीछे हार्न देने वाले की भी वो सुनते नहीं ऐसे में दुर्घटना संभव है। शराब पीकर के वाहन न चलाएं ,सर पर हेलमेट अवश्य पहने चाहे थोड़ी दूर जाना हो तब भी। इसके अलावा यातायात के नियमों का पालन अवश्य करें। तहसील स्तर और जिला स्तर पर जहां यातायात का दबाव ज्यादा हो वहां पर मुख्य चौराहों पर यातायात सिग्नल अवश्य लगाए जाना चाहिए। ताकि यातायात व्यवस्थित हो सकें। मोबाइल एवं स्वयं की सुरक्षा के साथ दूसरों का भी ख्याल रखे। परिवार के लोग आप के घर आने की राह देख रहे हैं। सुरक्षित चलें ,लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के लिए निर्धारित गति से ज्यादा गति में वाहन चलाना ,एवं यातायात के नियमों का पालन नही करने से दुर्घटनाएं होती हैं।

- संजय वर्मा

स्पुतनिक वरदान

देश में कोरोना संक्रमण के आंकड़े गतिमान अवस्था मे होते जा रहे है। कोरोना से त्रस्त जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है। इस बीच रूसी वैक्सीन स्पुतनिक -वी की पहली खेप भारत मे मिलने से पुन: वेक्सीनेशन गतिमान अवस्था मे आएगा। भारत मे इस कोरोना काल मे 3 वैक्सीन को मौजूदगी से निश्चित ही कोरोना संक्रमण महामारी में नियंत्रण के आसार नजर आएंगे। भारत मे रूस के राजदूत ने कहा कि स्पुतनिक कोरोना के नए स्ट्रेन पर भी प्रभावी है। बहुत अच्छी और राहत भरी पहल है कि कोरोना में स्पूतनिक वरदान साबित होगी। वैसे देश मे कोरोना संक्रमण महामारी को परास्त करने के लिए एडी से चोटी तक कि जोर आजमाइश की जा रही है। निश्चित ही कोरोना को जल्द से जल्द परास्त किया जाएगा। बस कमी है लोगो की समझदारी की वो अगर कुछ समय अपने आप को साध ले ,बेवजह घर से बाहर नही निकले , मास्क की ,औऱ दो गज दूरी की अनिवार्यता को समझ ले तो हम अतिशीघ्र ही कोरोना से मुक्त हो सकते हैं।

- योगेश जोशी

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

उत्तर प्रदेश में जो हो रहा है वह मानवता के विरुद्ध अपराध से कम नहीं है और मुख्य चुनाव अधिकारी भी साथ में शामिल हैं।

- प्रियंका गांधी
कांग्रेस नेता

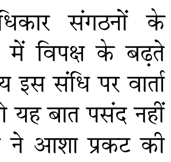

संकट के पिछले बीते दौर में भारत ने अन्य देशों की मदद करने के मामले में विशालहृदयता का परिचय दिया है और अब भारत की समस्या खत्म करने में सहयोग देने की जिम्मेदारी अन्य देशों की है।

- एंथनी एस फॉसी
अमेरिकी मुख्य चिकित्सा सलाहकार

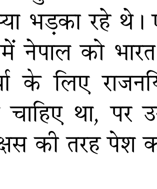

अपने साहस एवं वंचितों की सेवा करने के लिए किए जाने वाले प्रयासों के चलते गुरु तेग बहादुर जी सारे विश्व में सम्मान के पात्र हैं। उन्होंने तानाशाही एवं अन्याय के विरुद्ध झुकने से इनकार कर दिया।

- नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

लॉकडाउन का दुष्प्रभाव: घर जाने लगे प्रवासी मजदूर

सोनीपत रेलवे स्टेशन पर दिख रही बड़ी संख्या में भीड़

रणबीर रोहिल्ला। सोनीपत

प्रदेश भर में सात दिन के पूर्ण लॉकडाउन के बाद असर दिखना शुरू हो गया है। प्रवासी मजदूर अपने घरों की तरफ पलायन करना शुरू कर गए हैं। हरियाणा के सोनीपत रेलवे स्टेशन पर काफी संख्या में मजदूर ट्रेन का इंतजार करते हुए नजर आए। मजदूरों को पिछले साल की तरह पैदल जाने का डर सता रहा है, इसीलिए मजदूरों ने पलायन शुरू कर दिया है।

हरियाणा की प्रदेश सरकार ने वीकेंड लॉकडाउन की घोषणा शुक्रवार को की थी।

उसके बाद सोमवार की सुबह पांच बजे वीकेंड लॉकडाउन समाप्त होने से पहले ही प्रदेश की सरकार ने सात दिन का सम्पूर्ण लॉकडाउन करने की घोषणा कर दी।

लॉकडाउन के पहले दिन सोनीपत के रेलवे स्टेशन पर मजदूरों का पलायन देखा गया। जहां राई, कुंडली समेत अलग-अलग क्षेत्रों से मजदूर अपने परिवारों के संग अपना सामान लेकर अपने गांव जाना शुरू हो गए

अपने गांव जाने के लिए सोनीपत रेलवे स्टेशन पर बच्चों के साथ पहुंचे प्रवासी मजदूर।

हैं। आप तस्वीरों में देख सकते हैं मजदूरों के सिर पर सामान की गठरी है। साथ छोटे-छोटे बच्चे हैं। कोरोना का डर उन्हें अपने घर जाने

एक मजदूर बोला वीकेंड की कहकर बढ़ा दिए सात दिन

को मजबूर कर रहा है। मजदूरों का डर जायज भी है, क्योंकि पिछले साल का लॉकडाउन मजदूर भूल नहीं पाये हैं। मजदूर सोनीपत रेलवे स्टेशन पर पूरे परिवार को साथ लेकर ट्रेन का इंतजार करते नजर आ रहे हैं। हालांकि कई मजदूरों से बातचीत करने की कोशिश की गई, लेकिन मजदूर बोलने को तैयार नहीं थे। एक मजदूर ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि सरकार ने कहा था कि लॉकडाउन नहीं लगेगा, लेकिन पहले साप्ताहंत लॉकडाउन लगाया गया, फिर सात दिन का पूर्ण लॉकडाउन लगाया गया है, ऐसे में क्या पता सरकार इसे आगे तक बढ़ा दे। अगर ऐसा हुआ तो उनके परिवार के सदस्यों पर काफी परेशानी का बोझ पड़ जाएगा। इसीलिए समय रहते हुए लॉकडाउन के पहले दिन ही मजदूर अलग-अलग माध्यमों से पलायन करते नजर आए।

चालीस लाख की राशि से स्थापित होगा ऑक्सीजन प्लांट: खेलमंत्री

खेल एवं युवा मामले के मंत्री लगवा रहे 45 सिलेंडर की क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट

नए प्लांट से 100 बेडों पर मरीजों को की जा सकेगी ऑक्सीजन की आपूर्ति

गुरजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

हरियाणा के खेल एवं युवा मामले मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि कोरोना की स्थिति से निपटने के लिए बहुत जल्द पिहोवा के सरकारी अस्पताल की अरुणाय रोड पर बन रही नई बिल्डिंग में 45 सिलेंडर की कैपेसिटी वाला ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया जाएगा।

लगभग 40 लाख रुपये से अधिक की लागत से तैयार होने वाले इस प्लांट की सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। नए प्लांट से लगभग 45 सिलेंडर

अस्पताल के निरीक्षण के बाद खेल मंत्री संदीप सिंह और अन्य लोग।

ऑक्सीजन का उत्पादन किया जा सकेगा। इससे 100 बेडिड अस्पताल में मरीजों को ऑक्सीजन की सप्लाई नियमित रूप से दी जा सकेगी।

खेलमंत्री के निजी कोष से इस आक्सीजन प्लांट को स्थापित करवाया जाएगा। खेलमंत्री संदीप सिंह सोमवार को पिहोवा अस्पताल की नई बिल्डिंग का निरीक्षण करने के उपरांत अधिकारियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने निर्माण से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि तीन सप्ताह में अस्पताल के दो फ्लोर बिल्कुल तैयार होने चाहिए, ताकि यहां मरीजों का इलाज शुरू किया जा सके।

इसके अलावा पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को बिल्डिंग जल्द तैयार करने और यहां के रास्ते आदि दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए। साथ ही पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ड्यूटी ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने पर भी लगाई गई। खेलमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ऑक्सीजन का कोटा के 161 मीट्रिक टन था। जिसे तीन दिन पहले बढ़ाकर 232 मीट्रिक टन किया गया था और अब इसे बढ़ाकर 257 मीट्रिक टन कर दिया गया है। खेलमंत्री संदीप सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिहोवा एवं कोविड पीड़ितों के लिए निर्धारित किए गए सरस्वती मिशन अस्पताल का दौरा करके तैयारियों का जायजा लिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 18 साल से अधिक आयु के युवाओं को वैक्सीन लगाने का काम तेज गति से जारी है।

समाचारों का महत्व तभी तक जब तक पत्रकार दबाव में न हों

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी।

जर्नलिस्ट क्लब भिवानी ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर उन पत्रकारों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने सच्चाई के लिए अपनी जान दे दी। क्लब के प्रधान ईश्वर धामु ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता का आज का दिन ऐसे पत्रकारों को समर्पित है, जो स्वतंत्र मीडिया के समर्थन में व्यक्तिगत और नैतिक रूप से समर्थन में हैं।

उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की महासभा ने दिसंबर 1993 में विश्व प्रेस दिवस की घोषणा की। तब से, 3 मई को दुनिया भर में विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि समाचारों का महत्व उसी तक सीमित है कि पत्रकार पर कोई दबाव न हो। अन्यथा समाचार और पत्रकार दोनों ही अपना मूल्य खो देते हैं। धामु ने कहा कि विचारणीय प्रश्न यह है कि कोविड-19 के इस महामारी के दौर में स्थानीय स्तर के समाचार पत्रों को कैसे बचाया जा सकता है? उन्होने कहा कि मीडिया के सामने सामयिक चुनौतियां,

जर्नलिस्ट क्लब के प्रधान ने पत्रकारों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा

इंटरनेट कम्पनियों कि गला काट व्यवसायिक प्रतियोगिता, मीडिया की स्वतंत्रता, पत्रकारों की कार्य स्थितियों में सुधार जैसे विषय पर विचार किए जाने की आवश्यकता है। यह दुनिया भर के सभी देशों के लिए तत्कालिक हालातों में सबसे महत्वपूर्ण विषय है। ऐस तत्कालिक कारण बदलती संचार प्रणाली को पहचानने में भी मदद करता है जो हमारे स्वास्थ्य, हमारे मानव अधिकारों, लोकतंत्र और सतत विकास को प्रभावित कर रही है। धामु ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता के लिए दुनियाभर में अलग अलग स्तर पर प्रयास हो रहे हैं, परन्मु फिर भी चीन, उत्तर कोरिया, वियतनाम, सीरिया और ईरान जैसे देश हैं, जहां प्रेस की स्वतंत्रता अभी भी सीमित है। उन्होने कहा कि आज पत्रकारिता के व्यवसायिकता के हर स्तर पर इस बारे चिंतन की अवश्यकता है।

शुगर मिल के कर्मचारियों को बांटे मास्क और सैनेटाइजर

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

शुगर मिल के प्रबंध निदेशक सुरेन्द्र दून के कहा कि बढ़ते कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए शुगर मील के कर्मचारियों को मास्क व सैनेटाइजर बांटे। उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कोरोना महामारी से लड़ने के लिए सभी लोगों के सहयोग की आवश्यकता है। इसलिए हमें सरकार व स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी सभी हिदायतों का पालन करना चाहिए।

दून ने कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि शुगर मील में काम करते समय सभी मास्क का प्रयोग करने के साथ-साथ सामाजिक दूरी का पालन करें। उन्होंने कहा कि दिन में कार्य करते समय कई बार अपने हाथों को सैनेटाइजर या साबुन से धोएं, ताकि आप

शुगर मिल कर्मचारियों को मास्क और सैनेटाइजर देते निदेशक सुरेन्द्र दून।

खुद में कोरोना संक्रमण से बचे रहें। दूसरे कर्मचारी भी इसके संक्रमण से बच सकें। प्रबंध निदेशक ने कहा कि अगर किसी कर्मचारी को खांसी, जुखाम या बुखार की शिकायत होती है तो वह अपना कोरोना का टेस्ट अवश्य करवाएं। किसी व्यक्ति में भी ये लक्षण दिखाई दे तो उन्हें भी कोरोना टेस्ट करवाने के लिए जागरूक करें।

लॉकडाउन: पैदल या वाहन से घूमने की अनुमति नहीं

जिला में सम्पूर्ण लॉकडाउन लगाने के आदेश जारी

होम डिलिवरी के लिए खुले रहेंगे रेस्टोरेंट और होटल

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

देश और प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य सरकार के निर्देशानुसार उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन श्याम लाल पूनिया ने 03 मई से 10 मई 2021 तक जिला में सम्पूर्ण लॉकडाउन लगाने के आदेश जारी किए हैं।

जिलाधीश द्वारा जारी आदेशों के तहत जिला में सभी नागरिक घरों में ही रहें। किसी भी नागरिक को इस अवधि में पैदल या किसी वाहन से सड़क पर या सार्वजनिक स्थान पर घूमने की अनुमति नहीं होगी। इन निर्देशों में जिन व्यक्तियों और सेवाओं को छूट दी गई है। उनमें ऐसे लोग जो लॉ एंड आर्डर या आपात सेवाओं में तैनात होंगे। इन सेवाओं में म्यूनिसिपल सेवाएं, पुलिस, सेना, सीएपीएफ के वर्दीधारी कर्मचारी, स्वास्थ्य, बिजली, अग्निशमन, मीडियाकर्मी, कोविड-19 के अंतर्गत काम कर रहे सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। इस अवधि के दौरान पहचान पत्र दिखाकर इन्हें आने-जाने में छूट मिल सकेगी। इसके अलावा किसी परीक्षा में शामिल होने के लिए या परीक्षा में ड्यूटी आदि पर जाने वाले लोगों को भी एडमिट कार्ड, पहचान पत्र दिखाकर आने-जाने में छूट रहेगी। आवश्यक वस्तुओं के निर्माण में लगे लोगों पर भी आने-जाने में कोई रोक नहीं होगी। जिला के अंदर व बाहर आवश्यक वस्तुओं को ले जा रहे वाहनों पर भी कोई रोक नहीं होगी। ऐसे कार्यों में लगे वाहनों को पास उपलब्ध करवाए जाएंगे। ये पास लोडिंग व अंलोडिंग के स्थानों की वैरीफिकेशन के बाद जारी होंगे। जिलाधीश ने बताया कि नागरिक अस्पताल, पशु अस्पताल, सभी संबंधित मैडिकल सेवाएं, मेन्युफैक्चरिंग और वितरण यूनिटस को भी छूट रहेगी। यह सुविधा सरकारी और निजी क्षेत्र के लिए लागू होगी इनमें डिस्पेंसरी, कैमिस्ट, फार्मेसी, जन औषधि केंद्र सहित और मेडिकल उपकरण की दुकानें, लैबोरेट्री, फार्मा रिसर्च लैब, क्लिनिक, नर्सिंग होम, एंबुलेंस आदि को काम करने की छूट रहेगी। सभी स्वास्थ्यकर्मियों, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, अस्पताल की सहायता के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए आवागमन की अनुमति रहेगी। इसके अलावा, जिन अन्य आवश्यक वाणिज्यक एवं निजि सेवाओं को छूट रहेगी, उनमें टेली कम्यूनिकेशन, इंटरनेट सेवाएं, प्रसारण एवं केबल सेवाएं आईटी और आईटी संबंधी सेवाओं के अलावा, ई-कॉर्मस के माध्यम से आवश्क वस्तुओं की डिलीवरी को छूट रहेगी।

कोरोना योद्धा को अंग वस्त्र देकर चेयरमैन ने किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

गांव काछवा के प्राइमरी हेल्थ सेंटर में यस वुई कैन के चेयरमैन संजय बत्रा ने कॉविड वैक्सीन का इंजेक्शन लगवाया। डॉ सिद्धिदा स्वामी देखरेख में कोरोना वैक्सीन करवाने आये लोगों को कोरोना से बचाव की जानकारी दी।

इसके लिए टीकाकरण में सहयोग कर रहे स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रवेश शर्मा के साथ टीम वर्क में कार्य कर रहे रचना देवी एएनएम, निशा सेठी, रामपाल शर्मा आईए, संदीप कुमार एलटी, यतिन कुमार वार्ड बॉय व सभी हैल्थ स्टाफ की सराहना करते हुए संजय बत्रा ने बताया की स्वास्थ्य विभाग कोरोना महामारी में जिम्मेदारी के साथ अपनी

यस वुई कैन के चेयरमैन ने डा. सिद्धिदा स्वामी और प्रवेश शर्मा को दिया सम्मान

अग्रिणी भूमिका निभा रहा है जैसे, टीकाकरण करना, ऑनलाइन करना, कोरोना के टेस्ट करना, फार्मेसी में दवाइयां देनी, लोगों में टीकाकरण के प्रति जागरुक करना व साथ ही 18 प्लस को टीकाकरण करवाने के लिए पर्याप्त जानकारी देना बहुत ही अच्छे से कार्य कर रहे है। यस वुई कैन के चेयरमैन संजय बत्रा ने डॉ सूर्य सिद्धिदा स्वामी व प्रवेश शर्मा के कार्य को देखते हुए जिस तरह दोनों अपनी टीम के साथ वैक्सीन करवाने आए लोगों का सहयोग कर रहे थे संजय बत्रा ने दोनों को कोरोना योद्धा बताते हुए डॉक्टर सिद्धिदा स्वामी व प्रवेश शर्मा को अंग वस्त्र दे कर सम्मानित किया

डॉ सिद्धिदा स्वामी ने बताया कि फ्रंट लाइन वारियर्स व 45 वर्ष से ऊपर व सभी सीनियर सिटीजन को मुफ्त लगाई जा रही है। उन्होंने सभी युवा व सीनियर सिटीजन (बुजुर्गों) से अपील कि की इस वैक्सीनेशन ड्राइव में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले। संजय बत्रा ने जानकारी देते हुए बताया की कोविड-19 के तहत देश विदेश में फैली भयंकर महामारी से बचने के लिए सभी ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना, मास्क पहनना, बिना वजह घर से बाहर न जाना, भीड़भाड़ वाली जगह पर जाने से बचने की आदि की सलाह दी।

लॉकडाउन: फील्ड में पत्रकारों पर न लागू हो मान्यता की शर्त : धामू

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

जर्नलिस्ट क्लब भिवानी ने कोविड-19 के लॉकडाऊन समय में बाहर निकलने के लिए पत्रकारों के लिए शर्त बदल कर अखबार या चैनल के आई-कार्ड को मान्यता देने की मांग की है। जबकि सरकार ने लॉकडाऊन समय में केवल मान्यता प्राप्त पत्रकारों को ही बाहर निकलने की छूट दी है।

क्लब के प्रधान ईश्वर धामू ने कहा है कि जो पत्रकार फील्ड में जाकर काम करते हैं, उनमें अधिकांश पत्रकारों को सरकारी मान्यता नहीं मिली हुई है। इसकी वजह ये है कि अखबार और चैनल के मालिक और सम्पादक अपने पत्रकार को मान्यता दिलाने की प्रक्रिया को पूरा करने में सहयोग नहीं करते हैं। जबकि

जिला लोक सम्पर्क विभाग फील्ड में कार्य करने वालों को जारी करे पास

जमीनी स्तर पर वे पत्रकार ही अधिकांशतया काम करते हैं, जिनके पास मान्यता तो दूर अपने अखबार या चैनल को आई-कार्ड तक भी नहीं होता है। ऐसे में हमारी मांग है कि सरकार कोविड-19 के लॉकडाऊन समय में पत्रकारों के लिए निर्धारित किए गए नियमों में छूट दे। उनके लिए सरकार जिला लोक सम्पर्क अधिकारी से पास जारी करवाएं जाएं। इन्ही पास के आधार पर पत्रकारों को लॉकडाऊन में काम करने की छूट मिले।

लंबित दो महीने का वेतनमान जारी करें

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अनुबंधित शिक्षकों ने कुलपति सोमनाथ सचदेवा को ई-मेल के माध्यम से बीती मार्च व अप्रैल महीने का वेतनमान जारी करने की प्रार्थना की है।

इसके साथ ही अनुबंधित शिक्षक अपने दो माह से रुके वेतनमान को लेकर कुलसचिव डॉ संजीव कुमार से भी मिलने पहुंचे, लेकिन उनकी व्यवस्ताओं के कारण उनसे मुलाकात नहीं हो पाई। अनुबंधित शिक्षकों ने संयुक्त रूप से कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रशासन से आग्रह कि वे पिछले दो महीने का वेतनमान जल्द से जल्द जारी करें क्योंकि वेतनमान नहीं मिलने से उनकी आर्थिक हालात बद से बदतर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रशासन हमारी दयनीय हालातों को समझे क्योंकि उन्हें जो मासिक वेतनमान दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भिवानी में लॉकडाउन की घोषणा हुई 10 मई तक

भिवानी। कोविड के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश भर में आगामी 10 मई तक लॉकडाउन की घोषणा कर दी गई है। इस अवधि के दौरान व्यक्तियों की आवाजाही पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाएं 24 घण्टे खुली रहेंगी। आवश्यक वस्तुओं व किरयाने की दुकानों को शाम 6 बजे तक खुलने की मंजूरी रहेगी। जिलाधीश एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन राहुल नरवाल के आदेशानुसार इस दौरान सभी शिक्षण, ट्रेनिंग व कोचिंग संस्थान बन्द रहेंगे। सिनेमा हॉल, मॉल, शॉपिंग काम्प्लेक्स, जिम, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, स्विमिंग पूल, एंटरटेनमेंट पार्क, बार, थिएटर, असेंबली हाल आदि भी बंद रहेंगे। सभी धार्मिक स्थान, पूजा की जगह और धार्मिक असेंबली पर भी पूरी तरह से पाबन्दी रहेगी। दाह संस्कार के दौरान 20 से अधिक व्यक्तियों को इकट्ठा होने की इजाजत नहीं होगी। होटल व रेस्टॉरेंट, ईटिंग ज्वॉइंट को शाम 10 बजे तक खुलने की इजाजत होगी परन्तु वहां पर खाने की सिर्फ होम डिलीवरी की मंजूरी होगी।

उपभोक्ताओं को जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित हो

भिवानी। उपायुक्त राहुल नरवाल ने लॉकडाउन के दौरान उपभोक्ताओं को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उपायुक्त दैनिक रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उपभोक्ताओं को समय पर करने के उद्देश्य से अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति दुकानदार उचित मूल्य पर ही उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। अगर कोई भी दुकानदार उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता करने में संलिप्त पाया गया तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाए। डीसी ने कहा कि जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक समय-समय पर बाजार में निरीक्षण करें। अगर कोई भी दुकानदार किसी भी प्रकार की कोताही करने में संलिप्त पाया जाता है तो उसके विरुद्ध निर्धारित मापदंडों के अनुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की उपभोक्ताओं के समक्ष किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आनी चाहिए। उपायुक्त ने बताया कि लॉकडाउन के दृष्टिगत अंत्योदय सरल केंद्र से संबंधित सभी प्रकार की सेवाएं स्थगित कर दी गई है। इस प्रकार की सभी सेवाएं अगले आदेशों तक बंद रहेंगी।

योग से हो सकता है हर बीमारी का इलाज: महंत गिरी

भिवानी। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सरकार ने प्रदेश भर में 7 दिन के लॉकडाऊन की घोषणा की है, जिससे लोग अपने घरों में रहे तथा कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ा सकें। इसी के तहत सरकार ने लोगों से घरों में रहकर स्वस्थ रहने की अपील की है। अब उसी कड़ी में सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी आश्रम के पीठाधीश्वर अंतर्राष्ट्रीय श्रीमहंत जूना अखाड़ा डाक्टर अशोक गिरी महाराज ने आम नागरिकों से अपील की है कि प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए लॉकडाऊन की नियमों की पालना करें। जिससे कि कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी एक बार फिर से विकराल रूप ले चुकी है, जिसके चलते देश भर में रोजाना हजारों लोग काल का ग्रास बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के नियमों की पालना करके ही इस कोरोना महामारी पर विजय पाई जा सकती हैं। इसीलिए नागरिक लॉकडाऊन अवधि के दौरान घर पर ही रहे, ज्यादा जरूरी हो तो मास्क पहनकर घर से बाहर निकले, दो गज की दूरी के नियम का पालन तथा साथ ही घर में रहकर योग करें। उन्होंने कहा कि योग के द्वारा किसी भी प्रकार की बीमारी पर जीत हासिल की जा सकती हैं। योग करने से हमारे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे शरीर हर प्रकार की बीमारी से लड़ने के काबिल हो जाता हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी बीमारी का मुख्य कारण व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना है, इसीलिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए रोजाना अवश्य योग करना चाहिए। श्रीमहंत ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर बहुत ही जानलेवा साबित हो रही हैं। कोरोना वायरस आज हमारे बीच में साक्षात काल बनकर खड़ा है। इसलिए मास्क पहनें और सामाजिक दूरी की पालना करते रहें।

सरकार के षड़यंत्र का शिकार हुए पीटीआई: विरेंद्र जाखड़

भिवानी। अपनी बहाली की मांग को लेकर पीटीआई का धरना लगातार 323 दिनों से चल रहा है। आज सोमवार को धरने की अध्यक्षता करते हुए विरेंद्र जाखड़ ने कहा कि सरकार को आज इस महामारी के समय में भी किसी की चिंता नहीं है। पीटीआई एक तरफ नौकरी जाने की मार झेल रहे हैं तो दूसरी तरफ कोरोना जैसी महामारी की मार झेल रहे हैं। इस सरकार की करनी और कथनी में दिन-रात का अंतर हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है पीटीआई। प्रदेश के मुखिया ने पीटीआई का चूल्हा न बुझने देने का आश्वासन दिया था, मगर अब पीटीआई का चूल्हा बुझ चुका है, लेकिन सीएम मिलने तक का समय नहीं दे रहे और समय देते है तो पीटीआई इंतजार करते रहे हैं और सीएम चुपके से निकल जाते हैं। शारीरिक शिक्षक संघ के जिला महासचिव विनोद पिंकू ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार अपनी हठधर्मिता छोड़ पीटीआई को जल्द नियुक्ति दे।

डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने प्लेटलेट्स दान कर बचाई जान

कुरुक्षेत्र। पार्थ ब्लड बैंक से राम संजीवन ने सूचना दी कि ए पॉजिटिव के प्लेटलेट्स की एक व्यक्ति के लिए आवश्यकता है। सूचना मिलते ही राष्ट्रपति पुलिस पदक से सुशोभित एवं राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ. अशोक कुमार वर्मा पार्थ ब्लड बैंक पहुंचे और प्लेटलेट्स दान किए। डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि कोरोना की महामारी में रक्त कोषों में रक्त की भारी कमी चल रही है। इसकी आपूर्ति के लिए सभी को आगे आना चाहिए और कोविड से ठीक हो चुके लोगों को चाहिए कि कोरोना से ग्रस्त लोगों के लिए वे प्लाज्मा दान करने के लिए भी आगे आएं। उन्होंने कहा कि रक्तदान, प्लेटलेट्स और प्लाजमा दान करने से मानव के शरीर पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता है। वे आज तक स्वयं 63 बार प्लेटलेट्स और 139 बार रक्तदान कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार 4 मई को लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल के रक्त कोष में प्रात: 9 बजे से 1 बजे के मध्य स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। रक्तदान के इच्छुक व्यक्ति को चाहिए कि वह रात्रि में पूरी नींद लें। किसी प्रकार का नशा न करें, यदि कोरोना का टीका लगवाया है तो 28 दिन पूर्ण हो चुके हों।

अच्छी पहल: हर्षदीप ने अपने स्तर पर मंगवाए पांच ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर

अपील की, सामाजिक संगठन और सम्पन्न व्यक्ति भी ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर मंगवाएं

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

भाजपा के स्थानीय निकाय के जिला प्रधान हर्षदीप डुडेजा पार्षद ने कोरोना की महामारी के इस समय में संक्रमितों के लिए ऑक्सीजन के सिलेंडरों की निरंतर चली आ रही कमी की आपूर्ति के लिए पांच ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर मंगवाए हैं।

उन्होंने बताया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ और जिला अध्यक्ष शंकर धूपड़ की प्रेरणा

से उन्होंने ये ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर मंगवाए हैं। उन्होंने जानकारी दी कि इन ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर का आर्डर करनाल के सांसद संजय भाटिया के

भाजपा के स्थानीय निकाय के जिला प्रधान हर्षदीप डुडेजा पार्षद ने दी मिशाल

माध्यम से आयात कंपनी को दिया गया है, जो अमेरिका से कंसेंट्रेटर मंगवा रही है। पार्षद डुडेजा ने कहा कि उन्होने ऑक्सीजन के अभाव से मरीजों की हालातों को महसूस किया है। आज का समय आगे बढ़कर स्वेच्छा से सेवा करने का मौका है। उन्होंने अपील की है कि सामाजिक संगठन और सम्पन्न व्यक्ति कोरोना संक्रमितों की सेवा करने के लिए ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर अपने स्तर पर मंगवाएं। भिवानी में अगर बीस संगठन और सम्पन्न व्यक्ति आगे आकर ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर मंगवाते हैं तो शहर में ऑक्सीजन की समस्या रहेगी ही नहीं रहेगी। उन्होंने मार्मिक अपील करते हुए कहा है कि आज समय की मांग है कि हम सामाजिक दूसरे मुद्दों को भूल कर कोरोना संक्रमितों के लिए आगे आएं। संक्रमितों को दवा और इंजेक्शन उपलब्ध करवाएं, ताकि किसी की जान को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि सब मिल कर ही हम कोरोना को हरा सकेंगे। हर्षदीप डुडेजा ने बताया कि सरकार ने मेडिकल ऑक्सीजन, ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर, फ्लोमीटर, रेगूलेटर, अगले तीन महीनों तक माफ किया है। इससे मरीजों को राहत मिलेगी।

लॉकडाउन: जेजेपी ने मदद के लिए उतारा जननायक सेवा दल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान लगे लॉकडाउन में प्रदेशवासियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए जननायक जनता पार्टी ने बड़ा कदम उठाते हुए राज्य के सभी 22 जिलों में आम लोगों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर्स जारी कर दिए हैं।

पार्टी द्वारा जेजेपी के प्रदेश प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला के नेतृत्व में प्रत्येक जिले में अलग-

अलग टीमों का गठन किया गया है, इनमें इनसो व जेजेपी के सैकड़ों

दिग्विजय चौटाला के नेतृत्व में सभी जिलों में बनाई टीमें, हेल्पलाइन नंबर्स भी जारी

पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रदेशवासियों की सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

दिग्विजय चौटाला ने कहा कि कोरोना महामारी में एक सप्ताह के लॉकडाउन के दौरान अगर किसी प्रदेशवासी को ऑक्सीजन, बेड, प्लाज्मा, मास्क, सेनेटाइजर, राशन तथा आवश्यक वस्तुओं से संबंधित समस्याएं आती है तो वे तुरंत अपने जिले अनुसार जेजेपी द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर्स पर संपर्क कर सकता है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को पार्टी स्तर, सरकार एवं प्रशासन की मदद से शीघ्र अतिशीघ्र राहत पहुंचाते हुए सहायता मुहैया करवाई जाएगी। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि इनके अलावा पार्टी ने सभी जिलों में अलग-अलग टीमें गठित की हैं।

केंद्र सरकार ने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर किया जीएसटी मुक्त

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने केंद्र द्वारा ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के आयात व खरीद को जीएसटी मुक्त करने पर केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया हैं।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि इस संबंध में उन्होंने रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिख कर आग्रह किया था कि आमजन

दुष्यंत चौटाला ने केंद्रीय वित्त मंत्री को लिखा था पत्र

तक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर सस्ते दामों पर उपलब्ध करवाने के लिए इसके आयात व खरीद को जीएसटी मुक्त किया जाए, जिस पर केंद्र ने जल्द संज्ञान लेते हुए जनता को बड़ी राहत पहुंचाने वाला कदम उठाया हैं।

संक्षिप्त समाचार

400 साला प्रकाश शताब्दी पर सिक्के जारी करेगी हरियाणा कमेटी: जत्थेदार दादूवाल

सिरसा। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की तरफ से श्रीगुरु तेग बहादुर महाराज के चार सौ साला प्रकाश शताब्दी को धूमधाम से मनाया जाएगा। यह बात हरियाणा कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल ने प्रेस बयान जारी करके बताया। उन्होंने कहा कि औरंगजेब की तरफ से किये जा रहे जुल्म का विरोध करते अपना बलिदान दिया और हिंदु धर्म की रक्षा की। श्री गुरु तेग बहादुर महाराज की इस शताब्दी को समर्पित गुरुद्वारा साहब पातशाही 6वीं और 9वीं चीका, गुरुद्वारा ड्युढी साहब पातशाही 9वीं कुरुक्षेत्र, गुरुद्वारा थड़ा साहिब पातशाही 9वीं झींवर हेड़ी, गुरुद्वारा श्री गुरु ग्रंथसर दादू साहिब सिरसा में समागम किये गए हैं। अब एक मई को प्रकाश पर्व के दिन से शुरू हुए समागमों की लड़ी पूरा साल जारी रहेगी। जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल ने कहा कि हरियाणा सिक्ख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अंतर्गत आते सभी गुरुद्वारों में श्री अखंड पाठ साहिब और गुरमति समागम किये जाएंगे। 400 साला शताब्दी को अलग ढंग के साथ मनाते हुए सभी गुरुद्वारों में मेडिकल कैंप लगाए जाएंगे। जिसमें अलग-अलग बीमारियों के प्रसिद्ध डाक्टर लोगों के स्वास्थ्य की जांच करेंगे। जरूरतमंदों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित की जाएंगी। जत्थेदार दादूवाल ने कहा कि हरियाणा सिक्ख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की तरफ से धन गुरू तेग बहादुर महाराज के चार सौ साला प्रकाश दिहाड़े को श्रद्धा भावना के साथ मनाते हुए सोने-चांदी के ऐतिहासिक यादगारी सिक्के भी जारी किये जाएंगे।

कृषि संबंधित प्रतिष्ठानों को खुलवाने के लिए सौंपा ज्ञापन

सिरसा। लॉकडाउन में किसानों से संबंधित दुकानों को खुलवाने के लिए सिरसा जिला के सभी किसानों की ओर से किसान प्रतिनिधियों ने उपायुक्त के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि सिरसा जिला के सभी किसान, मजदूरों की जरूरतों के मद्देनजर बीज, खाद व बिजाई आदि से संबंधित प्रतिष्ठान खोलने की इजाजत दी जाए। भारतीय किसान एकता के प्रदेशाध्यक्ष लखविंद्र सिंह ने कहा कि बिजाई व कटाई का समय है इसलिए किसान को कोई भी दिक्कत न आए, ऐसा प्रशासन सुनिश्चित करें। ज्ञापन सौंपने वालों में गुरप्रीत सिंह, मैक्स साहुवाला, गुरमीत सिंह नकौड़ा, गुरी सेखों, अरविंद्र रोड़ी, बलजिंद्र सिंह वैदवाला भी मौजूद थे।

कोविड-19: राज्यमंत्री और एसीएस ने परखीं व्यवस्थाएं

होम क्वारंटाइन को दें एक शीट, जिस पर वे अपनी शारीरिक स्थिति दर्ज कर सकें

अस्पतालों में अंदर की जो स्थिति को बाहर डिसप्ले पर दर्शाकर कराएं आंकलन

पीएल वर्मा। कैथल

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि कोरोना के संकट काल में जो व्यक्ति इस महामारी से संक्रमित होकर अस्पताल में दाखिल है, उन सभी की डाक्टर नियमित रूप से जांच करते रहें। उन्हें स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के बारे में अवगत करवाते रहें। समय-समय पर डॉक्टर उनसे संवाद करें, ताकि उनका मनोबल बढ़े।

जो व्यक्ति होम क्वारंटाइन में रह रहे हैं। उन्हें स्वास्थ्य विभाग एक शीट दें, जिस पर वे समय-समय पर अपनी शारीरिक स्थिति का ब्यौरा लिख सके ताकि उसी के अनुरूप उन्हें दवाईयां इत्यादि दी जा सकें। राज्यमंत्री कमलेश ढांडा तथा जिला के प्रशासनिक प्रभारी एसीएस पीके दास ने ये निर्देश लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में कोविड-19 के दृष्टिगत अधिकारियों को बैठक में दिए।

राज्यमंत्री कमलेश ढांडा अधिकारियों से जानकारी हासिल करते हुए और कोविड सेंटर की जांच करते हुए एसीएस।

राज्यमंत्री और एसीएस पहुंचे डेडिकेटिड कोविड हैल्थ सेंटर

राज्यमंत्री कमलेश ढांडा व एसीएस पीके पास ने कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते प्रभाव के कारण भविष्य हेतू बनाए जा रहे डेडिकेटिड कोविड हैल्थ सेंटर का दौरा किया। इस मौके पर उपायुक्त सुजान सिंह ने भविष्य में अगर अतिरिक्त बैड की आवश्यकता पड़ती है, उसके लिए हिंदू गर्ल्ज स्कूल का हॉल, छोटू राम इंडोर स्टेडियम तथा एचसीटीएम के भवन में ये सैंटर बनाए जाएंगे। छोटू राम स्टेडियम में 100 से अधिक बैडों की व्यवस्था कर दी गई है। इसके साथ-साथ अन्य स्थानों पर बैड व अन्य इंतजामों के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

उन्होंने जिला में स्वास्थ्य सेवाओं के चलते किए गए इंतजामों की फीडबैक ली। राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि जिला का कोई भी व्यक्ति कोरोना से संबंधित टोल फ्री नंबरों पर कॉल करता है तो तुरंत उसकी हर संभव मदद की जाए। जिला में 24 घंटों के लिए टोल फ्री नंबर स्थापित किए गए हैं, संबंधित व्यक्तियों से बात करने उपरांत उन्हें वापस कॉल भी करें।

अस्पतालों में कुछ इस तरह की व्यवस्थाएं बनाएं कि अंदर की जो स्थिति है, वो बाहर डिस्पले होती रहे, ताकि मरीजों के परिजनों को स्थिति का आंकलन होता रहे। कोविड वार्ड में जाना संभव नहीं है, क्योंकि इससे संक्रमित होने का खतरा होता है। इसलिए बाहर से परिजन अपने संबंधित व्यक्ति को देख पाएंगे।

इन नंबरों पर जानकारी के लिए करें संपर्क

कोविड-19 से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए हेल्प लाइन नंबर 1950, 98963-17010, 99969-37500, 01746-224240 तथा 224235 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके साथ-साथ पुलिस हैल्प लाईन नंबर 100, एंबुलैंस नंबर 108 पर संपर्क किया जा सकता है।

सरकारी राशन की होम डिलिवरी सुनिश्चित हो: एसीएस

जिला के प्रशासनिक अधिकारी एवं एसीएस पीके दास ने जिला की स्वास्थ्य सेवाओं की फीडबैक लेते हुए कहा कि लॉकडाउन हम सबके हित के लिए लगाया गया है, जरूरी चीजों से जुड़ी सभी दुकानदार के मालिक स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन करें। दुकान पर भीड़ नहीं होने दें और दुकान के आगे उचित दूरी पर खड़ा होने के निशान बनाएं। सरकारी राशन की होम डिलिवरी संबंधित विभाग करना सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की अफवाएं नही फैलने दें, जो लोग बाहर से आ रहे हैं, उन क्षेत्रों के संबंधित व्यक्ति उनकी सूचना तुरंत दें। होम क्वारंटाइन में जो व्यक्ति रह रहे हैं और उनकी हालत स्थिर है, उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है।

जरूरत पड़ने पर बनेंगे अस्थाई कोविड देखभाल केंद्र

उपायुक्त सुजान सिंह ने जिला में कोविड-19 से निपटने के लिए किए गए सभी इंतजामों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अलग-अलग क्षेत्रों के लिए उच्चाधिकारियों की डयूटियां लगाई हैं, जिला का ऑक्सीजन के कोटे की निर्बाध सप्लाई जारी है, जैसे ही सिलेंडर खत्म होते हैं तो उन्हें भरने की व्यवस्था की गई है। इसके लिए नोडल अधिकारी भी लगाए गए हैं। भविष्य को देखते हुए अगर अतिरिक्त बैड की जरूरत पड़ती है तो उसके लिए हिंदू गर्ल्ज स्कूल के हॉल, छोटू राम इंडोर स्टेडियम, एचसीटीएम मेडिकल कॉलेज भवन को चयनित कर आवश्यक सुविधाएं अभी से जुटाई जा रही हैं।

अगर 15 दिनों में कृषि कानून वापस करें नहीं तो आंदोलन होगा और तेज: बैनीवाल

बैठक में भाग लेते हुए संयुक्त किसान मोर्चे के पदाधिकारी ।

पीएल वर्मा। कैथल

पश्चिम बंगाल व अन्य राज्यों में हुए विधान सभा चुनावों में भाजपा सरकार को मिली करारी हार भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अहंकार, घमंड, बंगाल के साथ भेदभाव, किसानों पर थौंपे गए कृषि के तीनों काले कानून एवं देश की जनता के साथ की गई वायदा खिलाफी का परिणाम है।

ये आरोप किसान संयुक्त मोर्चा जिला कैथल के नेता भरत सिंह बैनीवाल व अनिल गुर्जर नम्बरदार बलवंति ने किसान संयुक्त मोर्चे की बैठक को संबोधित करते हुए मोदी सरकार पर लगाए। बैठक की अध्यक्षता भरत सिंह बैनीवाल ने की। उन्होंने बताया कि वर्तमान चुनावों में भाजपा व उसके सहयोगी दलों की हुई करारी हार से गरीब, मजदूर, किसानों छोटे व्यापारियों, कर्मचारियों, छात्रों, दलितों, पिछड़े वर्ग एवं समाज के हर तबके में खुशी की लहर दौड़ गई जगह-जगह मिठाइयां बांटी जा रही हैं, दिए जलाए गए व जश्न मनाए जा रहे हैं। जिसके लिए किसान संयुक्त मोर्चा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल की जनता व प्रत्येक कार्यकर्ता का आभार व्यक्त किया है। बैठक को संबोधित करते हुए सोहन सिंह पुनिया व ईश्वर सिंह गिल प्यौदा ने मोदी सरकार को चेतावनी दी कि यदि सरकार ने तुरंत कृषि के तीनों काले कानून रद् नहीं किए और किसानों की अन्य मांगें नहीं मानी तो आने वाले समय में भाजपा व उसकी सहयोगी पार्टी जजपा का देश व प्रदेश से सफाया हो जाएगा। बैठक में केन्द्रीय किसान संयुक्त मोर्चे से मांग की गई कि यदि मोदी सरकार 15 दिनों तक तीनों कृषि कानून वापस नहीं लेती तो आंदोलन को ओर तेज करने पर तुरंत विचार किया जाए। बैठक में किसानों से अनुरोध किया गया की सीजन का समापन हो चुका है। अत: बार्डरों व टोल प्लाजों पर दिए जा रहे धरनों पर भीड़ बढाई जाए ताकि मोदी सरकार की नींद हराम की जाए।

रात्रि कर्फ्यू के दौरान चार को किया गिरफ्तार

सोनीपत। थाना गन्नौर की पुलिस ने कोरोना संक्रमण के चलते रात्रि कर्फ्यू के दौरान सरकारी आदेशों की अवहेलना करने की विभिन्न घटनाओं में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी सन्दीप निवासी पुगथला, प्रेमचन्द पुत्र रामनारायण निवासी गन्नौर, धीरज निवासी सबौली व अरूण निवासी नाथूपुर जिला सोनीपत के रहने वाला है।

पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि थाना गन्नौर टीम ने इन्हें कोरोना संक्रमण के चलते रात्रि कर्फ्यू में सरकारी आदेशों की अवहेलना करने की घटना में शामिल आरोपी संदीप निवासी पुगथला को गिरफ्तार किया है। दूसरी घटना में थाना गन्नौर की पुलिस ने रात्रि कर्फ्यू के दौरान सरकारी आदेशों की अवहेलना करने की घटना में शामिल प्रेमचन्द निवासी गन्नौर को गिरफ्तार किया है।

18 प्लस वालों को कोरोना रोधी वैक्सीन लगना शुरू

पायनियर समाचार सेवा। सिरसा

स्वास्थ्य विभाग ने 18 से 44 वर्ष वाले लाभार्थियों को कोरोनारोधी वैक्सीन लगाने की प्रक्रिया कालांवाली के सीएचसी में सोमवार को शुरू की गई। कोरोनारोधी वैक्सीन लगवाने को लेकर सीएचसी में प्रात: ही लोगों की लाइन लग गई। शहर में मात्र सीएचसी में ही कोरोनारोधी वैक्सीन लगाए जाने के कारण पर्ची कटवाने के लिए लंबी लाइन लग गई।

वैक्सीन लगवाने के लिए पहुंचे लोगों ने बताया कि उन्होंने वैक्सीन लगवाने के लिए पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा रखा है परंतु इसके बावजूद उन्हें पांच रुपये की पर्ची कटवाने के लिए लाइन में लगना पड

रहा है। जोकि कोविड 19 के नियमों के बिलकुल गलत है। लोगों ने कहा कि एक तरफ सरकार भीड को रोकने का हर संभव प्रयास कर रही है वहीं दूसरी तरफ मात्र पांच रुपये के लिए भीड एकत्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन को ही मान्य करना चाहिए या फिर रजिस्ट्रेशन के दौरान ही ऑन लाइन ही पांच की रसीद काटनी चाहिए ताकि कोरोना महामारी के चलते लोगों को अस्पताल में लंबी लाइन में न लगना पड़े।

विधायक अमित सिहाग ने तुरंत कोविड केयर सेंटर शुरू करने की रखी मांग

पायनियर समाचार सेवा। सिरसा

डबवाली में बढ़ते हुए करोना के आंकड़ों को देखते हुए हलका डबवाली के विधायक अमित सिहाग ने स्वास्थ मंत्री अनिल विज को ट्वीट कर और सीएमओ सिरसा से फोन पर बात कर डबवाली के सामान्य अस्पताल में तुरंत कोविड केयर सेंटर शुरू करने की मांग की है।

विधायक सिहाग ने मांग करते हुए कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि डबवाली में 100 बेड का अस्पताल होने के बावजूद अभी तक डबवाली में बढ़ रहे करोना के मामलों के बाद भी अभी तक यहां कोविड केयर सेंटर नहीं खोला गया है। जिसके कारण करोना संक्रमित मरीजों को डबवाली से 60 किलोमीटर तो हल्का डबवाली के गांव चौटाला से 90 किलोमीटर दूर सिरसा रेफर कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इतनी दूरी के कारण जहां आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। दूसरी ओर संक्रमित व्यक्ति की जान को भी खतरा हो सकता है। उन्होंने तुरंत प्रभाव से डबवाली में कम से कम 10 से 15 बेड का कोविड केयर सेंटर शुरु करने की मांग की। सीएमओ सिरसा ने विधायक से चर्चा के दौरान बताया कि कोविड की गाइडलाइन के अनुसार कोविड केयर सेंटर बनाने के लिए अस्पताल में संक्रमित व्यक्ति के आने जाने के लिए अलग रास्ता होना चाहिए ताकि संक्रमण का खतरा न रहे। डबवाली अस्पताल में आने जाने का केवल एक रास्ता होने के कारण बाधा उत्पन्न हो सकती है। इस पर अमित सिहाग ने सुझाव देते हुए कहा कि डबवाली के सामान्य अस्पताल में दो बिल्डिंग बनी हुई है। पुरानी बिल्डिंग की पिछली तरफ से रास्ता खोला जा सकता है।

विधायक ने कहा कि उनकी जानकारी में आया है कि डबवाली से कई विशेषज्ञ डॉक्टरों को अन्य जगहों पर डेपुटेशन पर स्थानांतरित किया गया है।

सीएमओ सिरसा ने विधायक की मांग को जल्द पूरा करवाने का दिया आश्वासन

कोरोना वॉरियर्स को डेरा प्रेमियों ने किया सैल्यूट

ड्यूटी पर तैनात पुलिसवालों को बांटी स्वास्थ्यवर्धक किटें

पायनियर समाचार सेवा। सिरसा

कोरोना काल में फ्रंट लाइन पर आकर कार्य करने वाले कोरोना वॉरियर्स के लिए डेरा प्रेमियों ने एक नई पहल करते हुए 50 पुलिस कर्मचारियों को स्वास्थ्यवर्धक किटें बांटीं। उनके हौंसले को सैल्यूट किया। बता दें कि 29 अप्रैल को डेरा प्रमुख राम रहीम ने अपने पत्र के माध्यम से डेरा प्रेमियों से आह्वान किया था कि वे कोरोना वॉरियर्स डॉक्टर, नर्स, पुलिस व एंबुलेंस के ड्राइवरों को किन्नू, संतरा, नींबू पानी व फ्रूट बांटें। जहां भी कोरोना वॉरियर्स दिखें। उन्हें सैल्यूट करें व उनका पूरा सहयोग करें।

सिरसा में पुलिस कर्मचारियों को सैल्यूट करते डेरा के सेवादार।

जानकारी अनुसार, डेरा प्रेमियों ने सोमवार को सिरसा शहर में कोरोना वॉरियर्स को सैल्यूट करने की पहलकदमी करते हुए स्वास्थ्य से जुड़ी आवश्यक दवाइयां जैसे विटामिन सी जिंक, मल्टी विटामिन, बी-काम्पलैस कैप्स्यूल के साथ-साथ केला, कीवी, सेब व मौसमी फ्रूट को एक किट का रूप देते हुए 50 किटें वितरित की गईं।

इस बारे में जानकारी देते हुए मास्टर बनवारी लाल इन्सां ने बताया कि डेरा सच्चा सौदा उन कोरोना वॉरियर्स को दिल से सैल्यूट करता है, जो आज फ्रंट लाइन पर रहकर लोगों को कोरोना से बचाने के लिए दिन-रात कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत चोपटा रोड, हिसार रोड व बरनाला रोड के अलावा शहर के अंबेडकर चौक, सांगवान चौक, परशुराम चौक, गोलडिग्गी चौक पर तैनात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वास्थ्यवर्धक किटें बांटी गई, साथ ही गर्मी के मौसम को देखते हुए उन्हें बोतलबंद पानी भी मुहैया करवाया गया।

वहीं सड़क से गुजरने वाली एंबुलेंस के ड्राइवरों को भी यह किटें दी गई। इस दौरान शाह सतनाम जी ग्रीन एस वैल्फेयर फोर्स विंग के सेवादार मलकीत इन्सां, राजकुमार इन्सां, विक्की, महेंद्रपाल, नवजीत खैरा, मनोज, बलिहार, पवन, गुरप्रीत सिंह, सुरेंद्र पाल, हैप्पी आदि ने भरपूर सहयोग दिया।

बिना मास्क घूमने वाले 281 व्यक्तियों के काटे चालान

सोनीपत। पुलिस ने लॉकडाउन के चलते अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से बचाने के लिए बिना मास्क घूमने वालों के चालान किए गए।

साथ में मास्क भी वितरित किए गए। पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि लॉकडाउन के चलते मास्क लगाएं, सुरक्षित रहें और आर्थिक नुकसान से बचें। पुलिस द्वारा अलग-अलग थाना क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर नाके लगाकर बिना मास्क घूमने वाले 281 व्यक्तियों के चालान किए गए हैं। इसी के साथ उनसे मौके पर ही जुर्माना वसूल किया गया। मास्क भी वितरित किए गए। कोरोना वायरस से बचाव के लिए मास्क पहनना व सामाजिक दूरी का पालन करना जरूरी है। घर में रहे, सुरक्षित रहे और लॉकडाउन का पालन करें।

गाइडलाइन की कमी और लापरवाह अफसरों के चलते बाजारों में भीड़

पायनियर समाचार सेवा। सिरसा।

कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने के मद्देनजर प्रदेश सरकार के आदेशानुसार शनिवार व रविवार को किए गए वीकेंड लॉकडाउन के बाद सरकार ने चाहे आगामी सात दिनों के लिए पूर्ण रूप से लॉकडाउन लगाने की घोषणा कर दी परंतु लॉकडाउन को लेकर कोई गाइडलाइन जारी न करने के चलते सोमवार को कालांवाली की सब्जी मंडी व अन्य बाजारों में भीड़ देखी गई। प्रशासनिक अधिकारी भी कहीं नजर नहीं आए।

दुकानदारों को लॉकडाउन को लेकर कोई गाइडलाइन जारी न होने पर किराना के दुकानदारों ने दुकानें खोलकर सामान की बिक्री शुरू कर दी। जिसके चलते दुकानों पर भीड जमा होने लगी, इसी तरह सब्जी मंडी व रेलवे फाटक पर भीड जमा होने लगी। हालांकि जिला प्रशासन ने शाम को गाइडलाइन जारी की। शनिवार व रविवार को किए गए वीकेंट लॉकडाउन पूर्ण रूप से सफल होने के बाद सरकार द्वारा एक सप्ताह का पूर्ण रूप से लॉकडाउन लगाने की घोषणा की गई।

सिरसा के कालवांवाली में लगी सब्जी की रेहडियां का चालान करते पुलिसकर्मी।

कोविड-19 कोरोना के 1100 नये पॉजिटिव केस मिले

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कहा कि जिला में सोमवार को सायंकाल तक कोविड-19 कोरोना वायरस के 1100 नये पॉजिटिव केस पाये गये हैं। जिनके जुड़ाव से जिला में कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामलों का कुल आंकड़ा बढ़कर 33483 हो गया है।

उपायुक्त ने ये जानकारी जिला स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर दी। उपायुक्त पूनिया ने कहा कि कोरोना से 02 मरीजों की मृत्यु दर्ज की गई है। जिसके जुड़ाव से अब जिला में कोरोना से होने वाले लोगों की मृत्यु का आंकड़ा 150 पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि आज 775 कोरोना मरीजों को ठीक होने के उपरांत डिस्चार्ज कर दिया गया है।

कोरोना वायरस से जिला में हुई दो कोरोना मरीजों की मृत्यु

कोरोना से जिला में हुई दो कोरोना मरीजों की मृत्यु

कोविड-19 कोरोना वायरस से जिला में सोमवार को जिला में दो कोरोना मरीजों की मृत्यु दर्ज की गई। पहली 68 वर्षीय मृतक महिला संतोष बड़ा जैन मंदिर सोनीपत तथा दूसरा 45 वर्षीय मृतक प्रदीप गांव सेरसा का निवासी था। इन दो कोरोना मरीजों की मृत्यु के साथ ही जिला में कोरोना मृतकों का कुल आंकड़ा बढ़कर 150 हो गया है।

हरियाणा पुलिस ने अवैध हथियार पकड़ने को चलाया आपरेशन

पुलिस ने आपरेशन के दौरान 7.5 लाख रुपये का इनामी मोस्ट वांटेड गैंगस्टर सुबे गुज्जर किया काबू

दो सप्ताह में हथियार बरामद, 185 मामले दर्ज

216 पीओ और 23 बेल जंपर्स भी किए काबू

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा पुलिस अवैध हथियार तस्करों पर नकेल कसने में कामयाब रही है। पुलिस के 15 दिनों के एक विशेष अभियान के दौरान राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से 136 देसी पिस्तौल, 41 देसी कट्टा, दो रिवाल्वर, 228 कारतूस, 12 मैगजीन, 19 चाकू और एक तलवार जब्त की है।

पुलिस महानिदेशक मनोज यादव ने सोमवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के दौरान अवैध हथियार तस्करों व अन्य व्यक्तियों के खिलाफ कुल 185 मामले दर्ज किए गए हैं। प्रदेश में अवैध हथियारों को धकेलने की नाकाम कोशिश करने वाले तस्करों को पकड़ने में पुलिस को काफी सफलता मिली है।

डीजीपी ने कहा संगठित अपराध को जड़ से खत्म करने में प्रयासरत एसटीएफ ने एक मई को मोस्ट वांटेड खूंखार गैंगस्टर सुबे गुज्जर को भी गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तारी पर 7.5 लाख रुपये का इनाम था। इस भगौड़े अपराधी की हरियाणा और अन्य पड़ोसी राज्यों की पुलिस को काफी लंबे समय से तलाश थी। उन्होंने एसटीएफ और अन्य पुलिस टीमों को भी बधाई दी। जो सक्रिय रूप से विभिन्न कुख्यात और खूंखार अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने में कार्यरत हैं।

446 पीओ और बेल जंपर्स भी किए काबू

पुलिस महानिदेशक ने बताया कि पुलिस ने विशेष अभियान के दौरान 216 उद्घोषित अपराधियों (पीओ) और 230 बेल जंपर्स को भी काबू करने में सफलता हासिल की है। है। सर्वाधिक 30 पीओ गुरुग्राम से, 20 करनाल से और 18 पीओ को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया है। इस अवधि में स्टेट क्राइम ब्यूरो ने भी 42 पीओ को सलाखों के पीछे पहुंचाने में कामयाबी हासिल की है।

उप्र पंचायत चुनाव में नेता प्रतिपक्ष समेत अनेक दिग्गजों के रिश्तेदार तक हारे

कई विधायक सांसद और नेता प्रतिपक्ष के समर्थित पंचायत चुनाव प्रत्याशियों को देखना पड़ा हार का मुंह

पायनियर समाचार सेवा। बलिया

उत्तर प्रदेश में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता राम गोविंद चौधरी के बेटे सहित अनेक सूरमाओं के रिश्तेदारों को पराजय का सामना करना पड़ा है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सपा के वरिष्ठ नेता राम गोविंद चौधरी के बेटे रंजीत चौधरी जिला पंचायत के वार्ड संख्या-16 से पराजित हो गए हैं। वह तीसरे स्थान पर रहे। भाजपा के बिल्थरारोड क्षेत्र के विधायक धनन्जय कन्नौजिया की मां सर्यकुमारी देवी नगरा क्षेत्र पंचायत के वार्ड संख्या 19 से चुनाव हार गई हैं। इसके अलावा भाजपा के पूर्व सांसद हरिनारायण राजभर के बेटे अटल राजभर जिला पंचायत के वार्ड संख्या 24 से, सपा नेता व पूर्व मंत्री शारदा नन्द अंचल के पौत्र विनय प्रकाश अंचल जिला पंचायत के वार्ड संख्या 27 से तथा भाजपा के गोरक्षनाथ प्रांत के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र यादव जिला पंचायत के वार्ड संख्या 10 से चुनाव हार गए हैं। भाजपा नेता व पूर्व सांसद बब्बन राजभर के भाई लल्लन राजभर सीयर क्षेत्र पंचायत के गजियापुर ग्राम पंचायत से प्रधान पद का तथा भाजपा सांसद नीरज शेखर के निकट सम्बन्धी आलोक सिंह सीयर क्षेत्र पंचायत के मझौवा से क्षेत्र पंचायत सदस्य का चुनाव हार गए हैं।

अलबत्ता बसपा नेता एवं पूर्व मंत्री अम्बिका चौधरी के पुत्र आनन्द चौधरी जिला पंचायत के वार्ड संख्या 44 से चुनाव जीत गए हैं। गौरतलब है कि पिछले महीने चार चरणों में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की मतगणना दो मई को की गई थी।

चुनाव परिणाम आते ही कोरोना कर्फ्यू बढ़ा दो दिन और

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने सप्ताहांत पर लगाए गए कोरोना कर्फ्यू की अवधि सोमवार को दो और दिनों के लिए बढ़ा दी। सूचना विभाग के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने भाषा को बताया कि सरकार ने पिछले शुक्रवार रात आठ बजे से मंगलवार सुबह सात बजे तक लागू किए गए कोरोना कर्फ्यू को सोमवार को दो और दिनों के लिए बढ़ा दिया है। अब यह कर्फ्यू छह मई सुबह सात बजे तक लागू रहेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल यह व्यवस्था इसी हफ्ते के लिए की गई है। सहगल ने बताया कि राज्य सरकार ने फैसला प्रदेश में कोरोना संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के अपने प्रयासों के तहत लिया है

पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम ने दिखाया कि मोदी-शाह नहीं हैं अजेय : शिवसेना

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अजेय नहीं हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया कि जिन राज्यों (पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और केरल) और केंद्रशासित प्रदेश (पुदुचेरी) में हाल में चुनाव हुए, उनमें से सभी की निगाहें पश्चिम बंगाल पर थीं।

पार्टी ने कहा, कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के बजाए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत पूरी केंद्र सरकार (मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी को हराने के लिए पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार में लगी थी। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में लगातार तीसरी बार तृणमूल कांग्रेस को रविवार को जीत दिलाई। मराठी समाचार पत्र ने कहा, परिणाम से साबित होता है कि पूरा तंत्र और सभी प्रौद्योगिकियां पास होने के बावजूद मोदी-शाह अजेय नहीं हैं।

शिवसेना ने पश्चिम बंगाल चुनाव नहीं लड़ा था, लेकिन बनर्जी को समर्थन दिया था। उसने आरोप लगाया कि भाजपा ने बनर्जी को हराने के लिए धन, शक्ति और सरकारी तंत्र का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम का

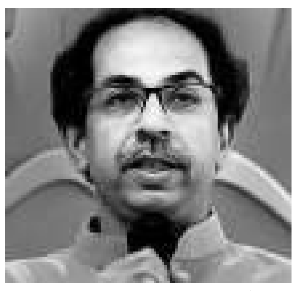

एक पंक्ति में विश्लेषण यह है कि भाजपा हार गई और कोरोना वायरस जीत गया। शिवसेना ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जीत हासिल करने के एकमात्र लक्ष्य के साथ मोदी और शाह चुनाव प्रचार में उतरे तथा उन्होंने कोविड-19 संबंधी सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए बड़ी रैलियां एवं रोडशो किए।

उन्होंने कहा कि मद्रास उच्च न्यायालय ने कोविड-19 की ताजा लहर के लिए निर्वाचन आयोग को दोषी ठहराया है। शिवसेना ने सवाल किया कि चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन की जिम्मेदारी कौन लेगा। उसने कहा कि असम और पुदुचेरी को छोड़कर भाजपा ने (अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में) अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। संपादकीय में कहा गया है, पश्चिम बंगाल के लोगों की प्रशंसा की जानी चाहिए कि वे कृत्रिम लहर के झांसे में नहीं आए और अपनी प्रतिष्ठा के लिए एकजुट होकर खड़े रहे। देश को बंगाल से सीखना चाहिए।

पार्टी बदलकर भाजपा में शामिल होने वाले अधिकतर उम्मीदवारों को मिली हार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए अधिकतर उम्मीदवारों को विधानसभा चुनाव में हार का मुंह देखना पड़ा। हालांकि शुभेंदु अधिकारी समेत तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल हुए कुछ उम्मीदवारों ने अपने तृणमूल प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर प्रदर्शन किया। अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नजदीकी मुकाबले में हराया, लेकिन राज्य के पूर्व मंत्री राजीव बनर्जी, सिंगुर से पूर्व विधायक रवींद्रनाथ भट्टाचार्य, अभिनेता रुद्रनील घोष और हावड़ा के पूर्व महापौर रथिन चक्रवर्ती चुनाव हार गए। इस साल की शुरुआत में पार्टी बदलने वाले बनर्जी राजीव दोमजुर विधानसभा सीट से चुनाव हार गए। इससे पहले वह लगातार दो बार चुनाव जीते थे। वह तृणमूल के कल्याण घोष से 42,620 मतों से हार गए। चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद तृणमूल छोड़ने वाले भट्टाचार्य को सिंगुर से सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार बेचाराम मन्ना ने करीब 26,000 वोट से शिकस्त दी। भाजपा उम्मीदवार इस सीट से पुनर्मतदान की मांग कर रहे हैं। टाटा की छोटी कार परियोजना को हटाने के लिए किसानों के आंदोलन के बाद हुगली जिले का सिंगुर भारतीय राजनीति के नक्शे पर अंकित हो गया था। सिंगुर और नंदीग्राम ने 34 साल के वाम मोर्चे के शासन के आधार को हिलाकर रख दिया था।

पश्चिम बंगाल में अहंकार, धन बल और विभाजनकारी एजेंडे की हुई हार : सिब्बल

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की प्रचंड जीत की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि अहंकार, धन बल और विभाजनकारी एजेंडे की हार हुई है। सिब्बल ने ट्वीट किया, पश्चिम बंगाल में अहंकार, ताकत, धन बल, राजनीति के लिए जय श्रीराम के इस्तेमाल, विभाजनकारी एजेंडे और निर्वाचन आयोग की हार हुई है। सिब्बल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तारीफ करते हुए कहा कि इनके सामने वह खड़ी हुईं और जीतीं। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध ताजा आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस 210 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है और तीन पर आगे है, जबकि भाजपा ने 77 सीटें जीती हैं। राज्य में 292 सीटों पर चुनाव हुआ था।

भाजपा, तृणमूल के बीच रहा कांटे का मुकाबला

पश्चिम बंगाल: सात सीटों पर 1000 से कम मतों से हुई हार

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सात सीटें ऐसी रहीं जहां सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच कांटे का मुकाबला हुआ और जीत-हार का अंतर एक हजार से कम मतों का रहा। इनमें एक सीट तो ऐसी रही जहां 57 मतों से जीत-हार का फैसला हुआ।

चार राज्यों और केंद्र शासित पुदुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव के मतगणना के दौरान कांटे के मुकाबले के लिए सबसे अधिक चर्चा में पश्चिम बंगाल का नंदीग्राम रहा जहां मुकाबला ममता बनर्जी और उनके पूर्व सिपहसालार शुभेंदु अधिकारी के बीच था। इस सीट पर अधिकारी ने ममता को 1,956 मतों से पराजित किया लेकिन इससे भी कड़ा मुकाबला दिनहाटा, बलरामपुर, दंतन, कुल्टी, तमलुक, जलपाईगुड़ी और घाटाल में रहा जहां जीत-हार का अंतर 57 से लेकर 966 मतों का रहा।

सबसे कड़ा और नजदीकी मुकाबला कूचबिहार के दिनहाटा विधानसभा क्षेत्र में हुआ जहां मुकाबला भाजपा के सांसद निषिथ पारामाणिक और तृणमूल कांग्रेस के उदयन गुहा के बीच था। इस मुकाबले में बाजी पारामाणिक के हाथ लगी। उन्होंने गुहा को 57 मतों के अंतर से पराजित किया। इस मुकाबले में पारामाणिक को 1,16,035 मत मिले जबकि गुहा को 1,15,978 मत मिले। पारामाणिक पहले तृणमूल कांग्रेस में थे लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले वह भाजपा में शामिल हो गए थे और उन्होंने कूचबिहार से लोकसभा का चुनाव भी जीता दिनहाटा के बाद पुरुलिया जिले के बलरामपुर में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों के बीच कांटे का मुकाबला देखने को मिला। इस विधानसभा सीट पर भाजपा के बनेश्वर महतो ने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार व निवर्तमान विधायक शांतिराम महतो को 423 मतों से पराजित किया। बनेश्वर महतो को 89,521 मत मिले जबकि शांतिराम महतो को 89,098 मत मिले। इसी प्रकार का मुकाबला पश्चिम मेदिनीपुर जिले के दंतन विधानसभा सीट पर देखने को मुकाबला। यहां तृणमूल कांग्रेस के विक्रम चंद्र प्रधान ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के शक्तिपद नायक को 623 मतों से पराजित किया। प्रधान को 95,209 मत मिले जबकि नायक को 94,586 मत मिले। पश्चिम बर्द्धमान जिले की कुल्टी सीट पर जीत-हार का अंतर 679 मतों का रहा। यहां भाजपा के अजय कुमार पोद्दार ने तृणमूल कांग्रेस के उज्ज्वल चटर्जी को पराजित किया। पोद्दार को कुल 81,112 मत मिले जबकि चटर्जी को 80,433 मत मिले। पूर्वी मेदिनीपुर जिले के तमलुक विधानसभा सीट पर भी भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन बाजी अंततः तृणमूल कांग्रेस के सौमेन महापात्रा के हाथ लगी।

एक सीट तो ऐसी रही जहां 57 मतों से दोनों के बीच हुई जीत-हार

संक्षिप्त समाचार

द्रमुक विधायकों की बैठक की अध्यक्षता करेंगे स्टालिन

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने सोमवार को घोषणा की कि पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक यहां मंगलवार को होगी। जिसमें पार्टी प्रमुख एम के स्टालिन को विधायक दल का नेता चुना जा सकता है। दस साल विपक्ष में बैठने के बाद द्रमुक ने स्टालिन के नेतृत्व में सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में हराया। स्टालिन अब मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने की तैयारी कर रहे हैं। पार्टी महासचिव दुरईमुरुगन ने एक बयान में कहा, अरिवलयम स्थित कलाइगनर अरंगम (द्रमुक मुख्यालय) में पार्टी अध्यक्ष स्टालिन के नेतृत्व में चार मई को शाम छह बजे नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक होगी। उन्होंने कहा कि सभी नवनिर्वाचित विधायकों के लिए इस बैठक में शामिल होना अनिवार्य है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए छह अप्रैल को मतदान हुआ था। रविवार को शुरू हुई मतगणना सोमवार को भी जारी है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, द्रमुक ने 126 सीट जीत ली हैं और वह सात सीटों पर आगे है तमिलनाडु विधानसभा में 234 सीटें हैं और बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत होती है।

कन्याकुमारी लोस सीट पर कांग्रेस का कब्जा बरकरार

चेन्नई। कांग्रेस ने तमिलनाडु की कन्याकुमारी लोकसभा सीट के उपचुनाव में जीत हासिल करते हुए इस सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। कांग्रेस उम्मीदवार विजय वसंत ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार पोन राधाकृष्णन को 1,37,950 मतों के अंतर से पराजित किया। पिछले साल कांग्रेस सांसद एच वसंत कुमार के निधन के कारण यहां उपचुनाव हुआ। वसंत कुमार का निधन कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से हुआ था। वसंत कुमार के पुत्र विजय वसंत को कांग्रेस ने इस उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया था। भाजपा की ओर से राधाकृष्णन को टिकट दिया गया जो 2014 में कन्याकुमारी से चुनाव जीते थे। कांग्रेस उम्मीदवार विजय वसंत को 52.5 फीसदी वोट मिले तो भाजपा उम्मीदवार को 39.92 फीसदी वोट से ही संतोष करना पड़ा। जीत के बाद विजय वसंत ने जनता का आभार प्रकट किया और लोगों से कोरोना महामारी के मद्देनजर जश्न नहीं मनाने की अपील की।

उत्तरी कमान संभालेगी जम्मू कश्मीर व लद्दाख के पूर्व सैनिकों

उधमपुर। देश में कोविड-19 के बदतर होते हालात के मद्देनजर भारतीय सेना की उत्तरी कमान जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अपने पूर्व कर्मियों और उनके परिवारों का ख्याल रखने के लिए एक मजबूत व्यवस्था की स्थापना कर रही है एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि उत्तरी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल वाई के जोशी ने व्यवस्था के गठन के लिए जरूरी निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारियों का एक नेटवर्क स्थापित किया जाएगा ताकि पूर्व कर्मियों और उनके परिवारों को सक्रियता से चिकित्सकीय सहायता और उचित देखभाल मिल सके प्रवक्ता ने कहा कि जोर इस कथन पर है प्रत्येक को सब के लिए और सब को प्रत्येक के लिए काम करना चाहिए, लिहाजा कोविड-19 की दूसरी लहर के खिलाफ लड़ाई में कामयाबी हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयास अहम हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तरी कमान की रणनीति यह है कि प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाए और मरीजों को समय पर चिकित्सा प्रक्रिया मिले जो गंभीर हो गए हैं।

अशोक लेलैंड ने कोरोना संक्रमण के चलते घटाया उत्पादन

नई दिल्ली। हिंदुजा समूह की फ्लैगशिप कंपनी अशोक लेलैंड ने सोमवार को कहा कि उसने देश में कोरोना वायरस के संक्रमण की दूसरी लहर के कारण मांग में आई भारी कमी को देखते हुए अपने सभी संयंत्रों में उत्पादन को घटाने का निर्णय किया है। समूह ने कहा कि उसने मांग की स्थिति की समीक्षा के बाद उत्पादन घटाने का निर्णय लिया है। हालांकि, मौजूदा मांग को पूरा किया जा रहा है ताकि आपूर्ति में कोई बाधा न आए। कंपनी इस दौरान रक्षा वाहनों की आवश्यकता को पूरा करने का काम भी जारी रखेगी। अशोक लेलैंड ने कहा, हमारे सभी उत्पादों की मांग में अस्थाई रूप से प्रभावित होने की उम्मीद है। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने सभी संयंत्रों के संचालन को कम करने का निर्णय किया है। मई में केवल सात से पंद्रह दिनों के लिए ही काम चलने की उम्मीद है। जैसे ही कोरोना से स्थिति बेहतर होगी, हम उसी के अनुसार संचालन को लेकर निर्णय लेंगे। गौरतलब है कि देश में कोरोना के बढ़ते मामलों से प्रतिदिन बिगड़ती स्थिति के कारण ऑटो क्षेत्र से जुड़ी कई कंपनियों ने कुछ दिनों के लिए, उत्पादन रोक दिया है या फिर मांग के अनुरूप उत्पादन को घटा दिया है।

सुजुकी बाइक की बिक्री अप्रैल में 77,849 ईकाई रही

नई दिल्ली। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने सोमवार को कहा कि अप्रैल 2021 में उसकी बिक्री 77,849 इकाई रही। जो मार्च 2021 में बेची गई 69,990 इकाइयों के मुकाबले 11 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल अप्रैल महीने में कोरोना वायरस के चलते लागू देशव्यापी लॉकडाउन के चलते उसकी बिक्री बुरी तरह प्रभावित हुई थी। एसएमआईपीएल ने कहा कि इस साल अप्रैल में उसकी घरेलू बिक्री 63,879 इकाई रही, जबकि 13,970 इकाइयों का निर्यात किया गया कंपनी के प्रबंध निदेशक कोइचिरो हीरा ने कहा, यह बेहद संतोषजनक है कि हमने अप्रैल 2019 के मुकाबले अप्रैल 2021 में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बावजूद हमने घरेलू बिक्री में 12 प्रतिशत की वृद्धि और निर्यात में 57.5 प्रतिशत की असाधारण वृद्धि हासिल की।

खोसला ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए दान देंगे एक करोड़ डॉलर

ह्यूस्टन। भारतीय मूल के अमेरिकी अरबपति कारोबारी विनोद खोसला भारत में अस्पतालों को चिकित्सकीय ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए एक करोड़ डॉलर की राशि दान करेंगे। भारत में कोविड-19 के मामलों में लगातार वृद्धि के मद्देनजर सन माइक्रोसिस्टम्स के सह-संस्थापक खोसला भारतीय अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए लगातार मदद कर रहे हैं। उन्होंने रविवार को ट्वीट किया कि लोगों के जीवन को बचाने की आवश्यकता है क्योंकि और देरी करने से अब और लोगों की मौत होगी। खोसला ने कहा, भारत को देने के लिए यह पर्याप्त नहीं है।

सैनेटाइजर पीने से दो लोगों की मौत, दो अन्य हुए बीमार

एजेंसी। रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सैनिटाइजर पीने से दो लोगों की मौत हो गई है तथा दो अन्य बीमार हैं। रायपुर जिले के पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यहां बताया कि शहर के गोल बाजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत राजीव आवास में सैनिटाइजर पीने से 40 वर्षीय राजू छुरा और विजय कुमार चौहान की मौत हो गई है तथा अनिल छेड़या और चंदन तिवारी बीमार हो गए हैं।

बीमारों को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि जिले में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण चल रहे लॉकडाउन के दौरान शराब की दुकानें बंद है। शराब नहीं मिलने से चारों लोगों ने नशे के लिए सैनिटाइजर पी लिया। बाद में जब उनकी हालत बिगड़ी तब उनके परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में बीमार दो लोगों का इलाज किया जा रहा है। दोनों की हालत स्थिर है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा आगे जांच की जा रही है।

पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के सांबा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर की गोलीबारी

एजेंसी। जम्मू

पाकिस्तानी रेंजर्स ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पास गोलीबारी करके संघर्षविराम समझौते का उल्लंघन किया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक प्रवक्ता ने बताया कि दोनों देशों के बीच शांति बनाए रखने के लिए इस साल 25 फरवरी को नया समझौता हुआ था। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान ने पहली बार संघर्षविराम समझौते का उल्लंघन किया है।

बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक एन एस जामवाल ने यहां पीटीआई भाषा से कहा, पाकिस्तान रेंजर्स ने रामगढ़ क्षेत्र में तड़के सवा छह बजे अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास बिना उकसावे के गोलीबारी की। गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ है। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तानी बलों ने बाड़ के पास गश्त कर रहे दल पर बिना उकसावे के गोलीबारी की।

भारत और पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा के पास और अन्य सेक्टरों में संघर्ष विराम के लिए फरवरी को हुए समझौते का सख्ती से पालन करने पर सहमति जताई थी। दोनों देशों ने पहले 2003 में भी संघर्षविराम समझौता किया था, लेकिन इसका पालन नहीं किया गया।

नेपाल के प्रधानमंत्री 10 मई को पेश करेंगे विश्वास मत प्रस्ताव

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल में संकट का सामना कर रहे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सत्ता में बने रहने के प्रयास के तहत 10 मई को संसद में विश्वास प्रस्ताव पेश करेंगे। एक आधिकारिक बयान में रविवार को बताया गया कि राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने सरकार के विश्वास मत हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री ओली की अनुशंसा पर 10 मई को संसद का सत्र आहूत किया है।

विश्वास मत हासिल करने के लिए 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में ओली (69) को कम से कम 136 वोट चाहिए क्योंकि चार सदस्य अभी निलंबित हैं। नेपाली मीडिया की खबरों के मुताबिक, रविवार को मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान ओली ने कहा कि सत्ता बरकरार रखने के लिए संसद में विश्वास मत जीतने का प्रयास करेंगे।

पिछले साल प्रतिनिधि सभा को भंग करने के प्रधानमंत्री के विवादास्पद निर्णय के बाद देश में शुरू राजनीतिक गतिरोध के बीच ओली ने यह फैसला किया है। कानून, न्याय और संसदीय कार्य मंत्री लीला नाथ श्रेष्ठ ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि प्रधानमंत्री 10 मई को विश्वास मत प्रस्ताव पेश करेंगे। यह केवल एक दिन का सत्र होगा। श्रेष्ठ ने कहा कि ओली ठप पड़ी राजनीतिक प्रक्रिया को आगे ले जाना चाहते हैं। सरकार को यकीन है कि वह विश्वास मत जीत लेगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तो गठबंधन सरकार बनाने की प्रक्रिया होगी। प्रधानमंत्री ओली ने यह फैसला ऐसे वक्त किया है जब नेपाल कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर का सामना कर रहा है। नेपाल में रविवार को कोविड-19 के अब तक के सर्वाधिक 7,137 नए मामले सामने आए। देश में संक्रमितों की संख्या 329,000 हो गई है जबकि मृतक संख्या 3325 हो गई है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने भारत से लौटे नागरिकों पर प्रतिबंधों का बचाव किया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने भारत से अपने वतन लौटने की कोशिश करने वाले ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों पर रोक लगाने और जेल की सजा तथा जुर्माने का प्रावधान करने वाले फैसले का सोमवार को बचाव करते हुए कहा कि यह फैसला देश के सर्वोत्तम हित में है और यह कोरोना वायरस की तीसरी लहर को रोकेगा। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने इतिहास में पहली बार, अपने उन नागरिकों के देश लौटने पर हाल में रोक लगा दी है।

कोविड-19 वैक्सीन की शीघ्र मंजूरी के लिए भारत सरकार के साथ बातचीत जारी: फाइजर

एजेंसी। नई दिल्ली

वैश्विक दवा कंपनी फाइजर के चेयरमैन और सीईओ अल्बर्ट बूर्ला ने सोमवार को कहा कि कंपनी अपनी फाइजर-बायोएंटेक वैक्सीन को भारत में जल्द उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार के साथ बातचीत कर रही है, ताकि उसे तेजी से मंजूरी मिल सके।

फाइजर ने इससे पहले अप्रैल में कहा था कि उसने भारत में सरकारी टीकाकरण कार्यक्रम के लिए अपनी वैक्सीन को लाभ-रहित मूल्य पर उपलब्ध कराने की पेशकश की है, और वह भारत में वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध है।

बूर्ला ने कहा, फाइजर इस बात से अवगत है कि महामारी को खत्म करने के लिए वैक्सीन की उपलब्धता महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्य से हमारी वैक्सीन भारत में पंजीकृत नहीं है, हालांकि हमने महीनों पहले आवेदन दिया था।

उन्होंने कहा, हम इस समय भारत सरकार के साथ अपनी फाइजर बायोएनटेक वैक्सीन को देश में उपलब्ध कराने के लिए तेजी से मंजूरी देने पर चर्चा कर रहे हैं।

आपात स्थिति में प्रयोग के लिए ऑक्सीजन के भंडार सुरक्षित रखे केंद्र : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र को आपातकालीन प्रयोगों के लिए राज्यों के साथ मिलकर ऑक्सीजन का एक सुरक्षित भंडार रखने और भंडार स्थानों के विकेंद्रीकरण का निर्देश दिया है ताकि सामान्य आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की स्थिति में ये प्रयोग के लिए तत्काल उपलब्ध हों।

न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति रविंद्र भट की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि अगले चार दिनों में आपातकालीन भंडार तैयार कर लिए जाने चाहिए। इन्हें हर दिन भरा जाना चाहिए। यह राज्यों को चिकित्सीय ऑक्सीजन आपूर्ति के मौजूदा आवंटन के साथ-साथ चलना चाहिए। पीठ ने कहा, हम केंद्र सरकार को राज्यों के साथ मिलकर आपातकालीन स्थितियों में प्रयोग के लिए ऑक्सीजन का सुरक्षित भंडार तैयार करने का निर्देश देते हैं ताकि अप्रत्याशित परिस्थितियों में भी आपूर्ति श्रृंखलाएं काम करती रहें। आपातकालीन भंडारों की जगह विकेंद्रीकृत होना चाहिए जिससे कि किसी भी कारण से किसी भी अस्पताल में सामान्य आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने पर यह तत्काल उपलब्ध हो सके।

न्यायालय ने कहा, ऑक्सीजन आपूर्ति की जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालने से लोगों के जीवन को जोखिम

इसने कहा, आपातकालीन भंडार अगले चार दिनों में तैयार कर लिया जाना चाहिए। आपात भंडारों को भरने के काम पर प्रत्येक राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश के साथ सक्रिय रूप से विचार-विमर्श कर डिजिटल नियंत्रण कक्ष के माध्यम से हर वक्त किया जाना चाहिए। यह हर दिन किए जाने वाले आवंटन के अतिरिक्त होगा। यह गौर करते हुए कि दिल्ली में जमीनी स्थिति हृदयविदारक है, शीर्ष अदालत ने केंद्र को यह भी निर्देश दिया कि राष्ट्रीय राजधानी में ऑक्सीजन आपूर्ति की कमी को तीन मई से पहले दूर कर लिया जाना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि ऑक्सीजन आपूर्ति की जिम्मेदारी एक-दूसरे के ऊपर डालने की जंग में नागरिकों के जीवन को जोखिम में नहीं डाला जा सकता है।

पीठ ने कहा, राष्ट्रीय संकट के वक्त नागरिकों के जीवन को बचाना सर्वोपरि है और यह जिम्मेदारी केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार दोनों की है कि वे एक-दूसरे के साथ सहयोग कर सुनिश्चित करें कि स्थिति को सुलझाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। अस्पतालों में इलाज के मुद्दे पर, शीर्ष अदालत ने केंद्र को दो हफ्तों के भीतर कोविड-19 की दूसरी लहर के मद्देनजर अस्पतालों में भर्ती को लेकर एक राष्ट्रीय नीति बनाने का निर्देश दिया।

पीठ ने कहा, केंद्र सरकार की तरफ से ऐसी नीति बनाए जाने तक, किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में स्थानीय आवास प्रमाण-पत्र या पहचान-पत्र के अभाव में भी किसी मरीज को अस्पताल में भर्ती करने या जरूरी दवा दिए जाने से मना नहीं किया जाना चाहिए। इसने केंद्र एवं राज्य सरकारों को यह सूचित करने का भी निर्देश दिया कि सोशल मीडिया पर जानकारी के लिए, किसी तरह की कार्रवाई किए जाने या किसी भी मंच पर मदद मांग रहे लोगों के उत्पीड़न के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पायनियर
हरियाणा, मंगलवार, 04 मई, 2021

नोएडा में तीन दिन में 4500 लोग संक्रमित

जनपद में सोमवार को 1446 और मिले नए मरीज, 13 लोगों की गई जान

पिछले 24 घंटे में 1712 लोग भी हुए ठीक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

तमाम प्रयासों के बावजूद गौतमबुद्धनगर में कोरोना संक्रमण का कहर जारी है। अब तक इसे रोकने में कोई खास सफलता नहीं मिली है। सोमवार शाम को जारी रिपोर्ट के मुताबिक जनपद में 1446 मरीजों की पुष्टि हुई है। साथ ही 13 लोगों की बीमारी की वजह से जान गई है। हालांकि ठीक होने वालों की संख्या नए मरीजों की संख्या से ज्यादा है।

विगत 24 घंटे में 1712 लोग कोरोना से ठीक होकर अस्पतालों से डिस्चार्ज हुए हैं। गौतमबुद्धनगर के जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि इस वक्त जिले में कुल 7982 सक्रिय मरीजों का विभिन्न अस्पतालों और क्वारंटीन सेंटर में इलाज चल रहा है। कोरोना की वजह से आज 13 लोगों की जान गई है। इसके साथ ही गौतमबुधनगर में कुल मृतकों की संख्या 250 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 1712 लोग बीमारी से ठीक होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं। अब तक जनपद में 37560 लोग कोरोना महामारी को मात दे चुके हैं और अब घर पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

अधिकारी ने बताया कि पिछले 1 महीने में जनपद में कोरोना वायरस संक्रमण बहुत तेजी से फैला है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इसे नियंत्रित करने की कोशिश में जुटा है। इसके लिए नाइट कर्फ्यू, वीकेंड कर्फ्यू और लॉकडाउन का सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ज्यादा से ज्यादा लोगों का टेस्ट किया जा रहा है ताकि सभी का इलाज किया जा सके। इसके अलावा टीकाकरण अभियान पर भी बल दिया जा रहा है।

जिले के लिए मई का महीना भी जानलेवा साबित हो रहा है। इस महीने के महज 3 दिनों में ही 4487 लोग कोरोना वायरस की चपेट में आ चुके हैं। अगर इसका औसत निकाला जाए तो करीब 1500 निवासी रोजाना कोरोना वायरस से संक्रमित हो रहे हैं। पिछले 3 दिनों में मौतों का आंकड़ा भी 12 और 13 के बीच में घूम रहा है। सिर्फ 3 दिनों में 30 लोगों से ज्यादा की मौत हो चुकी है। औसतन 12 मरीज रोज महामारी की वजह से दम तोड़ रहे हैं।

निगम टीम ने कोविड अस्पतालों का किया औचक निरीक्षण

गाजियाबाद। नगर स्वास्थ्य अधिकारी और उनकी टीम ने सोमवार को शहर के कोविड अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पतालों में अनेक प्रकार की अनियमितताएं पाई गई। जिसके चलते अस्पताल प्रबंधकों को न केवल फटकार लगाई गई बल्कि उनके खिलाफ जुर्माना लगाने के साथ-साथ कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए।

अस्पतालों के निरीक्षण के दौरान वहां कुल बेड की संख्या, उपलब्ध ऑक्सीजन बेड, आईसीयू बेड की संख्या ,मरीजों की संख्या ,उपयोग में लाई जाने वाली ऑक्सीजन सिलेंडर की संख्या व अन्य मेडिकल सुविधा हेतु निरीक्षण कर अस्पताल के प्रबंधकों से क्रॉस प्रश्नावली की गई। खास बात यह है कि इस दौरान लिक्रिस्टा अस्पताल के गेट पर फुल बेड का बोर्ड लगा हुआ पाया गया।

नोएडा छोड़ने को मजबूर हुए प्रवासी मजदूर

रोजी-रोटी का छाया संकट, गांव जाते हुए सुनाई आपबीती

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना का कहर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लॉकडाउन बढ़ाने की घोषणा कर दी है। जिसके बाद अब प्रवासी मजदूर अपने गांवों के लिए पलायन करने लगे हैं। योगी आदित्यनाथ के फैसले के बाद उत्तर प्रदेश की आर्थिक शहर गौतमबुद्धनगर से सोमवार को प्रवासी मजदूर घर जाते दिखाई दिए है। दिहाड़ी मजदूरों ने पलायन करना शुरू कर दिया है, जिले की सड़कों पर पूरी तरह सन्नाटा पसरा है। मजदूर लॉकडाउन बढ़ने के कारण पलायन करने को मजबूर हो गए हैं।

मुख्यमंत्री ने अपनी टीम के साथ बैठक करते हुए फैसला लिया है कि अब उत्तर प्रदेश में गुरूवार की सुबह 7 बजे तक लॉकडाउन लागू रहेगा। योगी आदित्यनाथ के इस फैसले के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रहने वाले मजदूरों के लिए घर वापस जाना मजबूरी बन गया है। भारी संख्या में दिहाड़ी मजदूर पलायन कर के अपने गांवों की ओर जा रहे है। शहर की सड़कें पूरी तरह खाली पड़ी है।

सोमवार को नोएडा के छलेरा गांव में रहने वाले करीब दो दर्जन से ज्यादा मजदूर अपने घर के लिए पलायन करते हुए दिखाई दिए है। एक मजदूर ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ काफी समय से नोएडा में रह रहे हैं। उनकी जवानी नोएडा में ही कटी है। वह दादरी मंडी में काम करते हैं, जिससे वो अपने परिवार का पालन पोषण करते है। लेकिन कोरोना काल के दौरान सरकार ने लॉकडाउन लगा दिया है। जिसकी वजह से वह नोएडा में रहते हुए रोजी रोटी नहीं कमा पा रहे है। इसलिए अब वह अपने परिवार के साथ वापस अपने गांव मध्यप्रदेश जा रहे है। नोएडा के सेक्टर-37 में स्थित प्रवासी मजदूर अपने घर के लिए रवाना होते दिखाई दिए। जब उनसे पूछा कि यह कहां जा रहे हैं तो मजदूरों ने बताया कि वह वापस अपने घर जा रहे हैं। उनका अब नोएडा में रहने का कोई फायदा नहीं है। एक मजदूर ने बताया कि वह करीब 5 सालों ने नोएडा के बाजारों में ठेली लगाकर अपने परिवार का जीवन यापन कर रहे थे। लेकिन अब नोएडा में उनकी रोटी रोटी नहीं चल सकती है। हालत लगातार खराब होती जा रही है। सारे रूपए खत्म होते जा रहे है। ऐसे समय में उनके पास वापस घर जाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है।

कारोबारी ने वीडियो अपलोड की और लटक गया फांसी पर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मृतक के पिता ने दर्ज कराई शिकायत

थाना सिहानी गेट इलाके में सोमवार को शीशा कारोबारी ने एक पहले वीडियो बनाकर फेसबुक पर अपलोड की और उसके बाद फांसी पर लटक गया। मौके पर उसकी मौत हो गयी। फेसबुक पर अपलोड की गई वीडियो में कारोबारी ने पूर्व प्रेमिका के चाचा और पिता को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है।

उसने आरोप लगाया है कि प्रेमिका को मैसेज कर खैरियत पूछने पर उसके पिता और चाचा ने फोन करके जान से मारने और केस दर्ज करवाने की धमकी दी। जिसके कारण वह अपनी जीवन लीला समाप्त कर रहा है। मामले की तहरीर मृतक के पिता ने थाना सिहानी गेट में दी है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है।

थाना सिहानी गेट इलाके के ग्राम बौंझा में रहने वाले 26 वर्षीय शीशा कारोबारी अंकित कश्यप नाम के एक युवक का एक युवती से फेसबुक पर दोस्ती होने के बाद उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस दौरान दोनों के बीच शादी करने के वादे भी हुए। लेकिन अचानक युवती के परिजनों ने उसकी शादी कहीं दूसरी जगह कर दी तो अंकित तभी से परेशान रहने लगा।

नोएडा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए पांचों लूटेरे। फोटो : दीपक यादव

शराब से भरे ट्रक को लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश

पुलिस की वर्दी पहनकर दिया वारदात को अंजाम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लाखों रुपए के साथ 5 बदमाश गिरफ्तार

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने रविवार को एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक ऐसे गैंग को दबोचा है। जिन्होंने पुलिस की वर्दी पहनकर अरुणाचल प्रदेश मार्क की एक हजार शराब की पेटी से भरे ट्रक को लूटा था। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से 2,79,000 रुपए नगद भी बरामद किए हैं।

अपर पुलिस उपायुक्त विशाल पांडे ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र के ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर 21 अप्रैल को 5 बदमाशों ने शराब से भरे एक ट्रक को रोका था। बदमाशों ने अपने आप को पुलिस का अधिकारी बताया और ट्रक को चेकिंग के नाम पर थाने ले जाने के लिए कहा था। पुलिस की वर्दी पहने एक अपराधी ट्रक में बैठ गया और अन्य अपराधियों ने ट्रक के चालक और परिचालक को अपनी कार में बैठा लिया था। विशाल पांडे ने बताया कि बदमाश शराब से भरे ट्रक को लेकर भाग गए। चालक और परिचालक को एक होटल के पास मारपीट करके छोड़ दिया।

मामले की जांच कर रही थाना दादरी पुलिस ने रविवार को एक सूचना के आधार पर मुजम्मिल पुत्र उम्मेद निवासी गाजियाबाद, तालिब पुत्र तहसील निवासी गाजियाबाद, रिहान पुत्र इस्तियाक निवासी गाजियाबाद, नवीन पुत्र देवेंद्र निवासी गौतमबुद्ध नगर और सागर पुत्र राकेश निवासी गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार किया है। लेकिन अभी इनके 5 साथी फरार है।

जिला जेल में बंद 23 कैदी हुए पॉजिटिव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

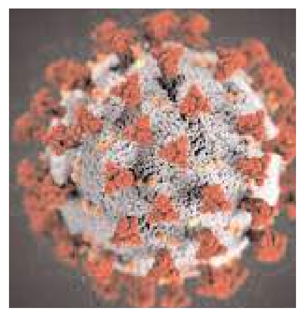

जेलर भी परिवार के साथ हुए संक्रमित

गौतमबुद्धनगर स्थित लुक्सर जेल के अंदर एक बार फिर कोरोना का कहर आ गया है। लुक्सर जेल में आने वाले नए कैदियों के लिए बनाई गई अस्थाई जेल में बंद 23 कैदी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। सभी कैदियों का उपचार ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इसके अलावा लुक्सर जेल के जेलर एके सिंह भी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। गंभीर हालत में उन्हें नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी पत्नी और बच्चे भी कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं।

लुक्सर जेल के सुपरिटेंडेंट बीएस मुकुंद ने बताया कि गौतमबुद्धनगर जिला जेल के अंदर बनाए गई अस्थाई जेल में बंद 23 कैदी जांच के दौरान कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जिनको इलाज के लिए ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। कैदियों की हालत स्थिर बनी हुई है। इसके अलावा लुक्सर जेल के जेलर एके सिंह अपने परिवार के साथ कोविड से संक्रमित हो गए हैं। एके सिंह को उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि उनकी पत्नी, बेटा और बेटी का घर पर उपचार किया जा रहा है। जेलर एके सिंह की हालत में अब कुछ सुधार है। जेल सुपरिंटेंडेंट ने बताया कि इन 23 कैदियों में कोरोना वायरस की पुष्टि के बाद जेल में बंद करीब 200 कैदियों का कोरोना टेस्ट कराया गया है, उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। कुछ कैदियों ने बुखार होने की शिकायत की है। उनका भी टेस्ट कराया गया है। जेल में सभी बंद कैदी सुरक्षित है, उनके परिवार को परेशान होने की जरूरत नहीं है।

सीएम ने पूर्व सांसद से फोन पर जाना क्षेत्र का हाल

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चार बार सांसद रहे रमेश चंद तोमर से बातचीत की और गाजियाबाद क्षेत्र का हाल जाना। पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर ने सोमवार को बताया कि मुख्यमंत्री का उनके पास फोन आया। मुख्यमंत्री ने पहले स्वास्थ्य संबंधित जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि पूरा परिवार को कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गया था लेकिन अब सब कुछ सही है। मुख्यमंत्री ने पूर्व सांसद को निर्देशित किया कि वह लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक करने के साथ जरूरतमंद की मदद करें।

संक्षिप्त समाचार

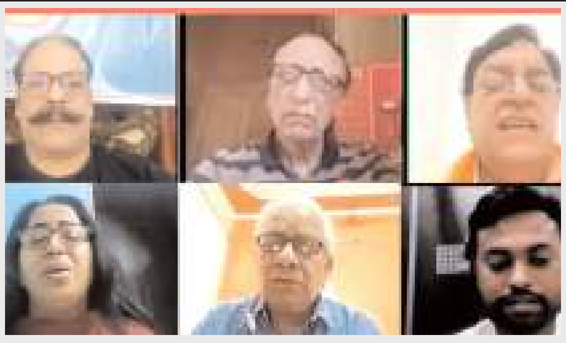

ऑनलाइन गोष्ठी में बोलते हुए वक्ता।

रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के उपाय पर गोष्ठी

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद द्वारा आयोजित गोष्ठी ऑनलाइन गूगल पर 'रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के उपाय' विषय पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न हुई। यह 212वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता योगाचार्य सेवक जगवानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज संपूर्ण विश्व में कोरोना महामारी का संकट छाया हुआ है भारत में दूसरी लहर में हमारे देशवासी अपने शरीर को त्यागने के लिए विवश हो चुके हैं, लेकिन जाने से पूर्व हमारा क्या कर्तव्य है इस पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि ईश्वर प्रदत्त उपहार प्राण शक्ति हमारे शरीर के अंदर है जो की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है हमारा इम्यून सिस्टम सही कार्य करता रहे। यदि इस उपहार का सही उपयोग करें तो हम इस महामारी से बचे रह सकते हैं ऐसे समय में प्रशासन द्वारा दी गई गाइडलाइन का पालन करना चाहिए।

अंतिम संस्कार के लिए दुकान से लकड़ी खरीदकर श्मशान भिजवाने के लिए ई रिक्शा पर लदी लकड़ियां।

अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियों का टोटा

गाजियाबाद। शहर के अधिकतर श्मशान घाटों में लगातार आ रहे अंतिम संस्कार के लिए शवों के कारण व्यवस्थाएं चरमराने लगी हैं। यहां तक कि लोगों को अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियां तक नहीं मिल पा रही हैं। इसकी वजह से अब लोग खुद बाजारों में जाकर लकड़ियां खरीद रहे हैं। शहर के डासना गेट, घंटाघर स्थित जहां लकड़ियों की दुकानें हैं, वहां आमतौर पर लोग भट्टियों या घरों में इस्तेमाल करने के लिए लकड़ी खरीदने आते हैं लेकिन जिले में जैसे-जैसे मौतों का सिलसिला बढ़ रहा है और श्मशान घाट में लकड़ियों की किल्लत हो रही है, उसे देखते हुए अब परिजन खुद से ही बाजारों से लकड़ियां खरीद कर अंतिम संस्कार करने के लिए पहुंच रहे हैं। श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के लिए लंबी वेटिंग हैं, उस पर अन्य सामान की व्यवस्था न होने से परिजनों को और भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

8 मई को निर्धारित राष्ट्रीय लोक अदालत स्थगित

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में कोरोना का खतरा लगातार बढ़ रहा है। रोजाना संक्रमितों की संख्या में जबरदस्त इजाफा हो रहा है। इसको देखते हुए 8 मई को निर्धारित राष्ट्रीय लोक अदालत स्थगित कर दी गई है। हालात सामान्य रहे तो अब यह 10 जुलाई को होगी। हालांकि आयोजन की तिथि घोषित करने से पहले कोविड की समीक्षा की जाएगी। उसके बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर के सचिव पूर्णकालिक विकास कुमार वर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनपद में कोरोना महामारी लगातार अपना दायरा बढ़ा रही है। इस जानलेवा संक्रमण से बचाव बेहद जरूरी है। इससे बचाव का कारगर उपाय सोशल डिस्टेंसिंग है। इसलिए 8 मई को निर्धारित राष्ट्रीय लोक अदालत स्थगित कर दी गई है।

कोरोना की भेंट चढ़े नोएडा के कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट

जनपद से प्रवासी मजदूरों के पलायन से रुका काम, होगी परियोजनाओं में देरी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना के कहर से दुनिया बेहाल है। खासकर इस जानलेवा वायरस की दूसरी लहर ने देश को तबाही का वो खौफनाक मंजर दिखाया है, जिसकी स्मृतियां शायद ही कभी मनो-मस्तिष्क से विस्मृत हों।

गौतमबुद्धनगर में यह वायरस रोजाना नए रिकॉर्ड बना रहा है। बीते दिन जनपद में 1500 से ज्यादा मरीज मिले थे। इसकी वजह से शहर में जारी कई महत्वूपर्ण प्रोजेक्ट पर काम रूक गया है। अब इन सभी परियोजनाओं को पूरा होने में 6 महीने से ज्यादा की देरी होगी। नई डेडलाइन तब से लागू होगी, जब इन पर काम फिर शुरू होगा। संभावना है कि जून से इन साइट्स पर मजदूर पहुंचेंगे और काम फिर चालू हो जाएगा।

दरअसल, कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए गौतमबुद्धनगर में रह रहे प्रवासी मजदूर अप्रैल के दूसरे हफ्ते से वापस लौटना शुरू हो गए थे। इसकी वजह से कई अहम प्रोजेक्ट की साइट्स पर मजदूरों की संख्या कम होती गई। अब यहां सिर्फ कुछ मजदूर बचे हैं। मगर कोरोना की वजह से काम में रफ्तार नहीं है। इसलिए अब ये सभी प्रोजेक्ट पूर्व निर्धारित समय सीमा में नहीं पूरे हो सकेंगे। सभी प्रोजेक्ट पर कोरोना वायरस का असर दिखाई दे रहा है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-96 में अंडरपास बनाने का काम शुरू था। यह पहले इसी साल सितंबर तक बनकर तैयार होना था। लेकिन अब इसमें 6 महीने की देरी हो सकती है। क्योंकि मजदूरों के अभाव में साइट पर निर्माण का कार्य बंद है। जबकि कोविड का खतरा बरकरार रहने तक प्रवासी मजदूर गौतमबुद्धनगर आने से कतराएंगे। इसलिए अब हालात सामान्य होने के बाद ही उनकी वापसी होगी।

पर्थला गोलचक्कर पर निर्माणाधीन सिग्नेचर ब्रिज भी दिसंबर 2021 तक शुरू होना प्रस्तावित था। लेकिन यह भी कोरोना की भेंट चढ़ गया। अब यह अगले साल 2022 में शुरू होगा। फिलहाल यहां काम पूरी तरह बंद है। क्योंकि कोरोना की वजह से मजदूर पलायन कर चुके हैं।

नोएडा पुलिस ने 500 वाहनों का किया चालान

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में कोरोना कर्फ्यू और कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन करना लोगों को भारी पड़ा रहा है। नोएडा पुलिस चप्पे.चप्पे पर तैनात है और हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है। बीते रविवार को लॉकडाउन तथा कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने पर पुलिस ने 508 वाहनों का चालान किया। उनसे 19,800 रुपये बतौर समन शुल्क वसूला गया। साथ ही नोएडा पुलिस ने 31 व्यक्तियों के खिलाफ धारा 188 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने बिना मास्क पहने घूम रहे 287 लोगों का भी चालान किया है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

नेहरू नगर में बना 50 ऑक्सीजन बेड का अस्पताल

सेवा भारती की पहल : कोरोना मरीजों को मिलेगी मुफ्त दवा और इलाज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

फाइल फोटो

कोरोना रोगियों के लिए एक बड़ी राहत वाली खबर आ रही है। नेहरू नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी संस्था सेवा भारती ने 50 बेड का एक कोविड आइसोलेशन स्वास्थ्य केंद्र बनाया है। यह सभी बेड ऑक्सीजन युक्त होंगे और यहां सभी रोगियों को भोजन और प्राथमिक दवाइयां भी मुफ्त उपलब्ध होंगी ।

सेवा भारती प्रमुख मनोज मित्तल ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र पर किसी भी प्रकार का कोई शुल्क रोगियों से नहीं लिया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने सेवा भारती के दो हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। इन नंबरों पर कोई भी पीड़ित या उनके परिजन संपर्क कर यहां दाखिला करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि महानगर में इसी तरह के लगभग आधा दर्जन स्वास्थ्य केंद्र खोले जाने की योजना है।

आपको बता दें कि जब भी देश में कोई आपदा आती है तो सेवा भारती के कार्यकर्ता मैदान में उतर जाते हैं। सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में यह स्वास्थ्य केंद्र एक बानगी है। सोमवार को परिसर को सबसे पहले सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने नगर निगम के कर्मचारियों के साथ सफाई अभियान चलाया उसके बाद यहां बैड आदि की व्यवस्था की और सभी बेड को ऑक्सीजन युक्त कर दिया गया है।

शनिवार को अभियान की शुरुआत करते हुए खोडा नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी केके भड़ाना।

आवास के लिए मिली जमीन को श्मशान के लिए किया दान

करैहड़ा गांव के रहने वाले सुशील निर्वाण की पहल की लोग जमकर कर रहे सराहना

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कोरोना काल मे एक तरफ जहां बेरहम और लालची लोग जमाखोरी व कालाबाजारी कर आपदा में अवसर ढूंढकर अनैतिक कमाई करने में लगे हैं तो दूसरी तरफ दयालू व दरियादिल लोगों की भारतीय समाज मे कमी नहीं है। ऐसे ही दरियादिल इंसान व सच्चा दानवीर हैं करहैड़ा गांव निवासी सुशील निर्वाण। जिन्होंने लोगों की परेशानी को देखते हुए परिवार से अपने हिस्से में आई 15 सौ गज जमीन शमशान घाट बनाने के लिए नगर निगम को दान दे दी। यह जमीन राजनगर एक्सटेंशन से लगी हुई है। जो बेशकीमती है। सुशील के इस नेक काम की सभी सम्प्रदाय के लोग प्रशंसा कर रहे हैं।

सुशील निर्वाण (बीच में)

सुशील निर्वाण का कहना है कि कोविड-19 संक्रमण बड़ी संख्या में लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रहा है और ना जाने कितने लोगों की इसके कारण जान भी जा रही है। जिसके बाद से एकाएक गाजियाबाद हिंडन नदी पर स्थित मोक्ष स्थली पर अंतिम संस्कार करने वाले शवों की लंबी कतार लगी हुई है। जिसके कारण मृतकों के परिजन बेहद परेशानी का सामना कर रहे हैं। लोगों को 10 से 12 घंटे का इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस संक्रमण से ग्रसित होने के बाद पहले लोग अस्पतालों के चक्कर काटने को मजबूर होते हैं और यदि उन मरीजों की मौत हो जाए तो अंतिम संस्कार के लिए भी भटकना पड़ रहा है। कई का तो समय से उनका अंतिम संस्कार नहीं हो पाता है। जो उनसे देखा नहीं गया और उन्होंने यह फैसला लिया कि उनके हिस्से में मकान बनाने के लिए अपनी पारिवारिक जगह नूरनगर इलाके में 1500 जमीन मिली थी। अब उन्होंने अपने परिवार वालों से वार्ता करने के बाद यह 1500 गज जमीन नगर निगम को श्मशान घाट बनाने के लिए दान कर दी है।

उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद उन्हें व उनके परिवार को आत्मिक शांति मिली है। सुशील निर्वाण ने कहा कि यह बेहद कठिन दौर है । इस कठिन दौर में आम लोगों को भी सरकार के ऊपर ही सब कुछ नहीं छोड़ना चाहिए । बल्कि सभी लोगों को इस दौर में जो जिस लायक है उसे पूरा सहयोग करना चाहिए, और यही सोच रखकर उन्होंने यह अपनी जमीन दान में दी है।

जमीन मिलने के बाद नगर निगम ने इस भूमि पर श्मशान बनाने की कवायद तेज कर दी है। इस शमशान के बनने के बाद हिंडन नदी कि मोक्ष स्थली पर दबाव कम होगा और लोगों को राहत मिलेगी।

जिला पंचायत सदस्य चुनाव में बसपा ने लहराया परचम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सपा-रालोद ने भी दिखाया दम

जिला पंचायत के चुनाव में सबसे अधिक सदस्य जीतकर बसपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। बसपा समर्थित 5 सदस्यों ने प्रतिद्वंदियों को कड़ी टक्कर देते हुए जीत हासिल कर पार्टी का परचम लहरा दिया तो वहीं रालोद और सपा के प्रत्याशियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। जीत का लगातार दम भरने वाली भाजपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

जानकारी के मुताबिक वार्ड एक से बसपा के अमरपाल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 675 वोटों से हराकर जीत हासिल की है तो वार्ड दो से भी बसपा प्रत्याशी आसिफ चौधरी ने 3 हजार, 526 वोटों से जीत दर्ज की है। वार्ड-3 पर भी बसपा प्रत्याशी अनिल गौतम ने 970 वोटों से जीत हासिल की है। वहीं वार्ड 5 से बसपा प्रत्याशी शौकेंद्र ने वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। शौकेंद्र ने 9 हजार, 232 वोटों से जीत दर्ज की जो सबसे अधिक मत प्रतिशत माना जा रहा है। बसपा की प्रिया सिंह ने वार्ड आठ से कम अंतरों से जीत हासिल की है। प्रिया सिंह को अपने प्रतिद्वंदी से 294 वोट अधिक मिले हैं। वहीं वार्ड- 4 से रालोद समर्थित दया ने 785 वोट से जीत दर्ज की है। वार्ड नौ से रालोद की बबली देवी को 2 हजार, 578 वोटों से जीत मिली है। वहीं वार्ड-14 से भाजपा समर्थित ईश्वर मावी की पुत्रवधु अंशु मावी ने 3300 वोटों से जीत हासिल की है।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुंबई इंडियन्स जीत का प्रबल दावेदार

एजेंसी। नई दिल्ली

लगातार दो जीत के साथ लय में लौटी गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स की टीम मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में अंतिम स्थान पर चल रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत की प्रबल दावेदार होगी। मुंबई ने अपने पिछले मैच में कीरोन पोलार्ड की तूफानी पारी की बदौलत फॉर्म में चल रहे चेन्नई सुपरकिंग्स को चार विकेट से हराया। दूसरी तरफ सनराइजर्स को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 55 रन की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा जो मौजूदा सत्र में टीम की सात मैचों में छठी हार है। टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है, जिसमें खराब फॉर्म से जूझ रहे डेविड वार्नर से कप्तानी केन विलियमसन को सौंप दी गई है। मुंबई के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (250 रन) और क्विंटन डिकॉक (155 रन) एक बार फिर पांच बार की चैंपियन टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने के अलावा अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में बदलना चाहेंगे।

मुंबई का आक्रामक मध्यक्रम पिछले दो मैचों में प्रभावी प्रदर्शन करने में सफ्ल रहा है, जो टीम प्रबंधन के लिए राहत की बात है। चेन्नई के खिलाफ 34 गेंद में नाबाद 87 रन की मैच विजेता पारी खेलने वाले पोलार्ड (168 रन) इस फॉर्म को बरकरार रखने उतरेंगे। कृणाल पंड्या (100 रन), हार्दिक पंड्या (52 रन) और सूर्यकुमार यादव (173 रन) विरोधी टीम को ध्वस्त करने में सक्षम हैं और एकजुट होकर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे। यह भी देखना होगा कि क्या मुंबई की टीम जेम्स नीशाम की जगह इशान किशन और जयंत यादव में से एक को मौका देती है या नहीं। नीशाम न तो बड़ी पारी खेल पाए हैं और न ही विकेट हासिल कर पाए हैं। मुंबई के गेंदबाजों को हालांकि चेन्नई के खिलाफ खराब प्रदर्शन को भुलाकर नई शुरुआत करनी होगी। जसप्रीत बुमराह (छह विकेट) और ट्रेंट बोल्ट (आठ विकेट) ने डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी की है और सनराइजर्स के बल्लेबाजों को परेशान करने में सक्षम हैं। लेग स्पिनर राहुल चाहर (11 विकेट) मुंबई के सबसे सफ्ल गेंदबाज हैं, लेकिन उन्हें कृणाल से सहयोग की जरूरत है जो सिर्फ तीन विकेट चटका पाए हैं। पोलार्ड ने भी पिछले मैच में दो महत्वपूर्ण विकेट चटकाए थे और पांचवें या छठे गेंदबाज की भूमिका निभा सकते हैं। सनराइजर्स की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। टीम अपने शीर्ष क्रम विशेषकर जॉनी बेयरस्टो (248 रन) पर काफी अधिक निर्भर है, लेकिन मध्यक्रम ने अधिकांश मौकों पर टीम को निराश किया है। रॉयल्स के खिलाफ टीम ने वार्नर को बाहर करके मनीष पांडे और बेयरस्टो से पारी का आगाज कराया, जबकि विलियमसन तीसरे नंबर पर आए। टीम अगर इसी क्रम को बरकरार रखती है तो इन तीनों को अधिकतर मौकों पर बड़े स्कोर बनाने होंगे। विजय शंकर (58 रन), केदार जाधव (40 रन), अब्दुल समद (36 रन) और मोहम्मद नबी (31 रन) को भी बल्ले से बेहतर योगदान देना होगा। स्टार लेग स्पिनर राशिद खान 10 विकेट के साथ टीम के सबसे सफ्ल गेंदबाज हैं, लेकिन तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार (तीन विकेट) और खलील अहमद (चार विकेट) उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। यह देखना होगा कि संदीप शर्मा को दोबारा मौका मिलता है या फिर सिद्धार्थ कौल को खिलाया जाता है।

टीमें

मुंबई इंडियंस: रोहित शर्मा (कप्तान), एडम मिल्ने, आदित्य तारे, अनमोलप्रीत सिंह, अनुकुल रॉय, अर्जुन तेंदुलकर, क्रिस लिन, धवल कुलकर्णी, हार्दिक पंड्या, इशान किशन, जेम्स नीशाम, जसप्रीत बुमराह, जयंत यादव, कीरोन पोलार्ड, कृणाल पंड्या, मार्को जेनसन, मोहसिन खान, नाथन कोल्टर नाइल, पीयूष चावला, क्विंटन डिकॉक, राहुल चाहर, सौरभ तिवारी, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट और युद्धवीर सिंह।

सनराइजर्स हैदराबाद: केन विलियमसन (कप्तान), डेविड वार्नर, जॉनी बेयरस्टो, मनीष पांडे, श्रीवत्स गोस्वामी, रिद्धिमान साहा, प्रियम गर्ग, विजय शंकर, अभिषेक शर्मा, अब्दुल समद, विराट सिंह, जेसन होल्डर, मोहम्मद नबी, राशिद खान, शाहबाज नदीम, भुवनेश्वर कुमार, संदीप शर्मा, खलील अहमद, सिद्धार्थ कौल, बासिल थम्पी, जगदीश सुचित, केदार जाधव और मुजीब उर रहमान।

समय: शाम साढ़े सात बजे।

आईपीएल में कोरोना : केकेआर और आरसीबी मुकाबला स्थगित

सीएसके स्टाफ में भी पॉजिटिव मामले

एजेंसी। नई दिल्ली

कोविड-19 ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दस्तक दी जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के वरूण चक्रवर्ती और संदीप वारियर इस घातक वायरस के लिए पॉजिटव पाए गए, जिसके कारण सोमवार शाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ अहमदाबाद में होने वाले टीम के मैच को स्थगित करने के लिए बाध्य होना पड़ा। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम में भी कुछ मामले सामने आए हैं। केकेआर और आरसीबी के बीच मुकाबला सोमवार की शाम अहमदाबाद में होना था, लेकिन अब इसका आयोजन 30 मई को समाप्त होने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान किसी अन्य दिन किया जाएगा।

आईपीएल ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, पिछले चार दिन में तीसरे दौर के परीक्षण में वरूण चक्रवर्ती और संदीप वारियर पॉजिटव पाए गए। टीम के अन्य सभी सदस्य कोविड-19 के लिए नेगेटिव पाए गए हैं। इसके अलावा पता चला है कि चेन्नई सुपरकिंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन, गेंदबाजी कोच एल बालाजी और स्टाफ का एक अन्य सदस्य रविवार को पॉजिटिव पाए गए। बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने उनके मामले को गलत पॉजिटिव घोषित किया था लेकिन बाद में स्पष्ट किया गया कि बालाजी और एक ड्राइवर दूसरे परीक्षण में पॉजिटिव आए हैं। सूत्रों ने कहा, सीएसके दल के सदस्य, सीईओ काशी, गेंदबाजी कोच एल बालाजी और एक बस ड्राइवर का सुबह परीक्षण पॉजीटिव पाया गया, जिसके बाद रैपिड एंटीजन परीक्षण की रिपोर्ट नेगेटिव आई। उन्होंने कहा, हालांकि दूसरे आरटी पीसीआर परीक्षण में बालाजी और बस ड्राइवर को फिर से पॉजिटिव पाया गया। टीम के अन्य सदस्यों विशेषकर खिलाड़ियों का परीक्षण नेगेटिव आया है। सीएसके की टीम अभी दिल्ली में है। उसने दिन का अपना अभ्यास स्थगित कर दिया तथा उसे पांच मई को राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। टीम में इससे पहले यूएई में 2020 में खेले गए आईपीएल के दौरान भी कोविड मामले पाए गए थे। साथ ही दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान के कुछ मैदानकर्मी पॉजिटिव पाए गए हैं। इस मैदान पर मंगलवार को मुंबई इंडियन्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होना है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा कि इनमें कोई भी मैदानकर्मी वह नहीं है जिसे मैदान पर जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बीसीसीआई लगातार जोर देकर कह रहा है कि लीग जारी रहेगी लेकिन सोमवार के मामलों से निश्चित तौर पर लीग पर कोविड-19 का साया मंडराने लगा है। लेग स्पिनर चक्रवर्ती और तेज गेंदबाज वारियर को पृथकवास में रखा गया है और फिलहाल दल के अन्य सदस्यों की रिपोर्ट नेगेटिव है। ये दोनों 30 बरस के हैं। इन दोनों में से वारियर को मौजूदा सत्र में अब तक केकेआर के सात मैचों में से एक में भी खेलने का मौका नहीं मिला है।

आईपीएल की शुरुआत में भी कुछ खिलाड़ी पाए गए थे पॉजिटिव

बीसीसीआई सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, अब दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों (अभी अहमदाबाद में हैं) का भी परीक्षण होगा और चक्रवर्ती तथा वारियर के संपर्क में आने वाले प्रत्येक खिलाड़ी की ऐप के जरिए पहचान की जाएगी। आईपीएल की कोविड-19 से जुड़ी मानक संचालन प्रक्रिया के तहत संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले व्यक्ति को छह दिन के लिए पृथकवास में रहना होगा और इस दौरान पहले, तीसरे और छठे दिन उसके परीक्षण के नतीजे नेगेटिव आने चाहिए। पता चला है कि केकेआर के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ पैट कमिंस ने आईपीएल के सभी आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को इसकी जानकारी दी है। चक्रवर्ती गुरुवार के मुकाबले के बाद कंधे के स्कैन के लिए अस्पताल गए थे और फिर वायरस के लिए पॉजिटिव पाए गए। चक्रवर्ती ने मौजूदा सत्र में केकेआर के सभी मैचों में हिस्सा लिया है और सात विकेट के साथ टीम के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं। आईपीएल की शुरुआत से पहले भी कुछ खिलाड़ी पॉजिटिव पाए गए थे जिसमें अक्षर पटेल और देवदत्त पड्डिकल जैसे खिलाड़ी शामिल थे। टूर्नामेंट के बीच में किसी खिलाड़ी या सहयोगी स्टाफ के पॉजिटिव पाए जाने का यह पहला मामला है। भारत में रोजाना कोविड-19 संक्रमण के तीन लाख से अधिक नए मामले सामने आ रहे हैं जबकि तीन हजार से अधिक लोगों की हर दिन मौत हो रही है।

'टीम ने अब तक गेल या मलान से पारी का आगाज कराने के बारे में नहीं सोचा'

एजेंसी। अहमदाबाद

पंजाब किंग्स के कार्यवाहक कप्तान मयंक अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने लोकेश राहुल की गैरमौजूदगी में आक्रामक बल्लेबाज क्रिस गेल या डेविड मलान के उनके साथ पारी का आगाज करने की संभावना के बारे में अब तक चर्चा नहीं की है। नियमित कप्तान राहुल को आंत्रपुच्छ (अपेंडिसाइटिस) के उपचार के लिए सर्जरी की जरूरत है। उनके जल्द ही टीम से जुड़ने की संभावना कम है, लेकिन टीम ने उम्मीद जताई कि मुंबई के अस्पताल में सर्जरी के बाद वह एक हफ्ते से 10 दिन के भीतर वापसी करेंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में हो रहा है और अगर राहुल को छूट नहीं मिलती है तो उन्हें पृथकवास से गुजरना होगा और ऐसी स्थिति में वह 30 मई को खत्म होने वाले टूर्नामेंट से संभवत: पूरी तरह बाहर हो सकते हैं। रविवार रात दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के बाद अग्रवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह (गेल या मलान से पारी का आगाज कराना) ऐसी चीज है जिसके बारे में हमें बात करनी होगी लेकिन इस समय हम अपनी रणनीति पर चल रहे हैं और हमने ठीक ठाक स्कोर खड़ा किया। शायद हमने 10 रन कम बनाए। अग्रवाल ने नाबाद 99 रन की पारी खेली, लेकिन उनके साथी सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह सिर्फ 15 रन बना पाए। गेल (13) और मलान (26) ने क्रमश: तीसरे और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की। पंजाब की टीम ने छह विकेट पर 166 रन बनाए लेकिन टीम को सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। अंतिम एकादश में विदेशी खिलाड़ियों में बदलाव करके मोइजेस हैनरिक्स जैसे आलराउंडर को नियमित मौका देकर टीम को संतुलन देने के बारे में पूछने पर अग्रवाल ने कहा, इस बारे में हम भविष्य में विचार करेंगे। दिल्ली की बल्लेबाजी को देखते हुए हमें विकेट हासिल करने के लिए बेहतर गेंदबाजी करनी थी जो हम नहीं कर पाए। हम गेंदबाजों का समर्थन करते हैं कि वे हमारे लिए ऐसा करेंगे। अग्रवाल ने कहा कि कप्तान की भूमिका निभाना मुश्किल नहीं है लेकिन स्वीकार किया कि इस जिम्मेदारी से खेल के प्रति रवैया बदलता है।

कमिंस ने अपना दान यूनिसेफ आस्ट्रेलिया की भारत कोरोना संकट अपील को आवंटित किया

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने सोमवार को कहा कि उन्होंने 50 हजार डॉलर का दान यूनिसेफ आस्ट्रेलिया की भारत कोविड-19 संकट अपील को आवंटित किया है। कमिंस ने एक हफ्ते पहले यह राशि पीएम केयर्स कोष में देने का वादा किया था। भारत बेहद गंभीर स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है और 27 साल के तेज गेंदबाज ने कोविड के बढ़ते मामलों से जूझ रहे अस्पतालों में आक्सीजन आपूर्ति के लिए सोमवार को दान देने की घोषणा की थी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) की यूनिसेफ आस्ट्रेलिया को वित्तीय सहायता के बाद लगता है कि कमिंस ने अपना मन बदल लिया है।

कड़े बायो-बबल में कोविड की घुसपैठ टीमों ने कहा, आईपीएल जारी रहना चाहिए

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम में कोविड-19 के दो मामले पाए जाने के बाद खिलाड़ी विशेषकर विदेशी क्रिकेटर असहज महसूस कर रहे हैं, लेकिन टीमों का मानना है कि इस महामारी के बढ़ते खतरे के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जारी रहना चाहिए। केकेआर के वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर के पॉजिटिव पाए जाने के बाद सवाल उठ रहे हैं विश्व के सबसे बड़े टी-20 लीग के जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में यह खतरनाक वायरस कैसे पहुंच गया। भारत से यात्रा प्रतिबंधों के कारण विदेशी खिलाड़ी पहले ही स्वदेश लौटने को लेकर चिंतित थे और अब उनकी चिंता बढ़ गई है। एक फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने एजेंसी से कहा, आधा टूर्नामेंट हो चुका है। इसको रोकने का कोई मतलब नहीं बनता है। इस खबर (केकेआर टीम में पॉजिटिव मामले) से बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का काम अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है।

हमें स्वदेश वापसी की अनुमति नहीं देना अपमानजनक : स्लैटर

नई दिल्ली। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने माइकल स्लैटर ने अपने देश आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन की कोविड-19 से प्रभावित भारत से अपने देशवासियों को स्वदेश वापसी की अनुमति नहीं देने के लिए कड़ी आलोचना करते हुए इसे अपमानजनक बताया। स्लैटर अभी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे हैं। आस्ट्रेलिया ने भारत में कोविड-19 के प्रकोप के कारण यहां से व्यावसायिक उड़ानों को प्रतिबंधित कर रखा है जिससे आईपीएल में हिस्सा ले रहे सभी खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और कमेंटेटरों की समस्या बढ़ गई है।

कोविड पाबंदियां: स्पेनिश इंटरनेशनल में नहीं खेल पाएंगे भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी

नई दिल्ली। देश के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों प्रमोद भगत और सुकांत कदम की पैरालंपिक की तैयारियों को झटका लगा क्योंकि कोविड-19 महामारी के चलते नए पृथकवास नियमों के कारण भारतीय टीम स्पेनिश इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगी।

टूर्नामेंट का आयोजन 11 से 16 मई तक होना है, लेकिन स्पेन ने भारत से आने वाले यात्रियों के लिए 10 दिन का अनिवार्य पृथकवास लागू किया है, जिसके कारण खिलाड़ियों के लिए टूर्नामेंट में हिस्सा लेना संभव नहीं है। भगत ने कहा, दुबई पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद मैं स्पेनिश इंटरनेशनल में हिस्सा लेने को लेकर उत्सुक था क्योंकि यह पैरालंपिक से पहले आखिरी टूर्नामेंट था। उन्होंने कहा, मैं इसका इस्तेमाल टोक्यो में पैरालंपिक की तैयारी के मौके के रूप में करना चाहता था। लेकिन मैं समझ सकता हूं कि ए मुश्किल समय है। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे कोविड नियमों का पालन करें और सुरक्षित रहें। भगत और कदम भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसने पिछले महीने दुबई पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में चार स्वर्ण, छह रजत और सात कांस्य पदक जीते। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी भगत ने हमवतन कुमार नितेश को एसएल3 पुरुष एकल फाइनल में हराकर स्वर्ण पदक जीता।

वार्षिक अपडेट आईसीसी टी-20 रैंकिंग में भारत दूसरे और वनडे में तीसरे स्थान

एजेंसी। दुबई

भारत ने सोमवार को वार्षिक अपडेट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी-20 टीम रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है, लेकिन एकदिवसीय रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गया। टी-20 टीम रैंकिंग में इंग्लैंड (277 अंक) शीर्ष पर है, जबकि भारत उससे पांच रेटिंग अंक पीछे है। इस दौरान इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ की जबकि आस्ट्रेलिया को 2-1 और दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से हराया। टीम को भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर 2-3 से हार झेलनी पड़ी। न्यूजीलैंड को टी-20 में वार्षिक अपडेट में फायदा हुआ है और टीम पांचवें से तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। टीम ने इस दौरान वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को हराया। आस्ट्रेलिया की टीम तीसरे से पांचवें स्थान पर खिसक गई है।

श्रीलंका और बांग्लादेश एक स्थान के फायदे से क्रमश: आठवें और नौवें स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज की टीम दो स्थान के नुकसान से 10वें पायदान पर हैं। आईसीसी के अनुसार इस अपडेट में 2017-18 के नतीजों को हटा दिया गया है और 2019-20 में खेले गए मैचों की अहमियत को आधा कर दिया गया है। एकदिवसीय टीम रैंकिंग के वार्षिक अपडेट में आस्ट्रेलिया और अब शीर्ष पर पहुंचे न्यूजीलैंड के बाद भारत एक स्थान के नुकसान से तीसरे सथान पर खिसक गया है। न्यूजीलैंड ने शीर्ष स्थान से गत विश्व चैंपियन इंग्लैंड को हटाया है। न्यूजीलैंड को दो स्थान का फायदा हुआ है और उसके कुल 121 अंक हैं। आस्ट्रेलिया के 118 अंक हैं। भारत और इंग्लैंड दोनों के 115 हैं लेकिन दशमलव अंकों में बेहतर स्थिति के कारण भारत तीसरे स्थान पर है। पिछले 12 महीने में इंग्लैंड को आस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में 1-2 से हार झेलनी पड़ी जबकि आयरलैंड ने भी उसे एकदिवसीय मैच में हराया। नए अपडेट में मई 2020 के बाद खेले गए सभी मैचों को 100 प्रतिशत रखा गया है, जबकि पिछले दो साल के मैचों के अंकों को 50 प्रतिशत किया गया है। आस्ट्रेलिया दो स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंचा जबकि भारत को एक स्थान का नुकसान हुआ।

विंडीज श्रीलंका को पछाड़कर नौवें स्थान पर

वेस्टइंडीज श्रीलंका को पीछे छोड़कर नौवें स्थान पर पहुंच गया है। नीदरलैंड को पुरानी रैंकिंग पर बरकरार रखा गया है क्योंकि नए रेटिंग समय के दौरान उसने सिर्फ चार एकदिवसीय मैच खेले। इस दौरान कोविड-19 के कारण टीम के मुकाबले स्थगित हो गए। दोनों प्रारूपों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अफगानिस्तान वनडे में 10वें जबकि टी-20 में सातवें स्थान पर है। पाकिस्तान क्रमश: छठे और चौथे जबकि दक्षिण अफ्रीका पांचवें और छठे स्थान पर है। महामारी के बावजूद 80 देश रैंकिंग में बने रहने के लिए जरूरी तीन साल में छह टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने में सफल रहे। अपडेट के बाद पांच देशों जांबिया, घाना, हंगरी, सिएरा लियोन और स्वीडन ने अपनी रैंकिंग गंवा दी। टेस्ट रैंकिंग का वार्षिक अपडेट पाकिस्तान और जिंबाब्वे के बाद मौजूदा श्रृंखला के खत्म होने के बाद किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सिंधू और ली आईओसी अभियान के दूत नामित

नई दिल्ली। विश्व चैंपियन और ओलंपिक रजत पदक विजेता पीवी सिंधू और विश्व में 11वें नंबर के कनाडाई खिलाड़ी माइकल ली को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के बिलीव इन स्पोर्ट्स अभियान के लिए खिलाड़ियों का दूत नियुक्त किया गया है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने सोमवार को यह जानकारी दी। सिंधू और ली दोनों पिछले साल अप्रैल से बीडब्ल्यूएफ के आई एम बैडमिंटन अभियान के वैश्विक दूत हैं। सिंधू ने विज्ञप्ति में कहा, आईओसी द्वारा दूत नामित किया जाना सम्मान है। मैं किसी भी तरह की धोखाधड़ी या प्रतिस्पर्धा में हेरफेर के खिलाफ अपने साथी खिलाड़ियों के साथ खड़ी हूं। हम साथ में मजबूत हैं। सिंधू की प्रशंसा करते हुए भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव अजय सिंघानिया ने कहा, यह खेलों के प्रति उनकी निष्ठा, निष्पक्षता और ईमानदारी को मान्यता है। उन्होंने अपने करियर में पूरे समर्पण के साथ यह खेल खेला है। उन्होंने कहा, बीएआई अपनी चैंपियन खिलाड़ी के विश्व स्तर पर इस सम्मान के लिए चुने जाने से बेहद प्रसन्न है।

मेस्सी के दो गोल से बार्सीलोना जीता

मैड्रिड। लियोनल मेस्सी के दो गोल की बदौलत बार्सीलोना ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वेलेंसिया को 3-2 से हराकर ला लीगा फुटबॉल खिताब की उम्मीदों को जीवंत रखा है। बार्सीलोना की ओर से मेस्सी ने 57वें और 69वें मिनट में गोल दागे जबकि एंटोनी ग्रिजमैन ने 63वें मिनट में गोल किया। वेलेंसिया की ओर से गैब्रिएल पोलिस्ता (50वें मिनट) और कार्लोस सोलर (83वें मिनट) ने गोल किए। इस जीत से बार्सीलोना के 34 मैचों में 74 अंक हो गए हैं और टीम शीर्ष पर चल रहे एटलेटिको मैड्रिड से दो अंक पीछे है। बार्सीलोना की टीम अगर अगले सप्ताहांत होने वाले मुकाबले में एटलेटिको को हरा देगी तो मौजूदा सत्र में पहली बार शीर्ष पर पहुंच सकती है। अन्य मैचों में विलारीयाल घरेलू मैदान पर गेटाफे को 1-0 से हराकर छठे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि सातवें स्थान पर मौजूद रीयाल बेटिस को वेलाडोलिड ने 1-1 से बराबरी पर रोका। बार्सीलोना को हराने वाले ग्रेनाडा को हालांकि केडिज के खिलाफ 0-1 से हार झेलनी पड़ी।

इंटर मिलान ने 2010 से पहला सिरी ए खिताब जीता

मिलान। इंटर मिलान ने एक दशक से अधिक समय बाद पहला सिरी ए फुटबॉल खिताब जीता जिसके बाद मिलान शहर में जश्न का माहौल है। दूसरे स्थान पर मौजूद अटलांटा को रविवार को सासुओलो ने 1-1 से बराबरी पर रोका जिससे इंटर मिलान के चैंपियन बनने की पुष्टि हो गई। इंटर मिलान ने 13 अंक की बढ़त बना रखी है जबकि अब सिर्फ चार मैच खेले जाने बाकी हैं। इंटर मिलान के खिताब जीतने की पुष्टि होने के बाद टीम के हजारों समर्थक पियाजा डुमो में शहर के मुख्य चौराहे पर जमा हो गए जो हाथ में झंडे और स्कार्फ लिए हुए थे और नारे लगाने के अलावा गाने गा रहे थे। इस दौरान हालांकि कोरोना वायरस से जुड़ी पाबंदियों को नजरअंदाज किया गया। सभी ने मास्क तो पहने हुए थे लेकिन कई लोगों ने इसे नाक और मुंह से नीचे किया हुआ था। समर्थकों ने इस दौरान आतिशबाजी भी की। इंटर मिलान का 2011 से यह पहला खिताब और 2010 से पहला सिरी ए खिताब है। टीम ने 2010 में लीग, चैंपियन्स लीग और इटैलियन कप का तिहरा खिताब जीता था। इंटर की खिताबी जीत के साथ यूवेंटस का लीग में लगातार नौ खिताबी जीत का अभियान भी थम गया।

श्रीलंका के आलराउंडर परेरा ने लिया संन्यास

कोलंबो। श्रीलंका के आलराउंडर और पूर्व कप्तान तिषारा परेरा ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तुरंत प्रभाव से संन्यास लेने की घोषणा की। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) को भेजे पत्र में परेरा ने कहा कि उन्होंने लगता है कि यह उनके संन्यास लेने और युवा खिलाड़ियों को मौका देने का सही समय है। परेरा 32 साल के हैं। उन्होंने छह टेस्ट, 166 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 84 टी-20 अंतरराष्ट्रीय में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व किया। उनके दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलने की उम्मीद है। परेरा ने एसएलसी को लिखे पत्र में कहा, मुझे गर्व है कि मैं सात क्रिकेट विश्वकप में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व कर पाया और बांग्लादेश में भारत के खिलाफ 2014 टी-20 विश्वकप में टीम की जीत में योगदान दिया। यह मेरे जीवन का अहम पल रहा। एसएलसी ने भी राष्ट्रीय टीम की सफलता में परेरा के योगदान को स्वीकार किया। एसएलसी के सीईओ एश्ले डिसिल्वा ने बयान में कहा, तिसारा शानदार आलराउंडर थे, जिन्होंने एक खिलाड़ी के रूप में श्रीलंका क्रिकेट को काफी योगदान दिया और देश के शानदार क्रिकेट लम्हों में भूमिका निभाई।

बांग्लादेश को 209 रन से हराकर श्रीलंका ने टेस्ट श्रृंखला जीती

पालेकल। पदार्पण कर रहे प्रवीण जयविक्रम के मैच में 11 विकेट की बदौलत श्रीलंका ने सोमवार को दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को 209 रन से हराकर टेस्ट श्रृंखला 1-0 से जीत ली। श्रीलंका को जीत के लिए अंतिम दिन पांच विकेट की दरकार थी और जयविक्रम ने इनमें से तीन विकेट चटकाए। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने मैच में 178 रन देकर 11 विकेट हासिल किए। पदार्पण करते हुए यह किसी टेस्ट गेंदबाज का 10वां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह किसी श्रीलंकाई गेंदबाज का पदार्पण करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। जयविक्रम ने अकिला धनंजय को पीछे छोड़ा जिन्होंने तीन साल पहले बांग्लादेश के खिलाफ 44 रन देकर आठ विकेट चटकाए थे। बांग्लादेश ने 437 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने अंतिम तीन विकेट आठ गेंद में गंवा दिए जिससे टीम दूसरी पारी में 227 रन पर सिमट गई। सुबह दूसरे ओवर में ही मैन ऑफ द मैच जयविक्रम ने लिटन दास (17) को पगबाधा किया और फिर तीन गेंद के भीतर अंतिम दो विकेट चटकाकर पारी में 86 रन देकर पांच विकेट चटकाए। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने पहली पारी में भी 92 रन देकर छह विकेट चटकाए थे। ऑफ स्पिनर रमेश मेंडिस ने भी 103 रन देकर चार विकेट चटकाए। श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करूणारत्ने को तीन पारियों में दोहरे शतक, शतक और अर्धशतक सहित 428 रन बनाने के लिए श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

पायनियर
हरियाणा, मंगलवार, 04 मई, 2021

बंगाल रण विजयी ममता

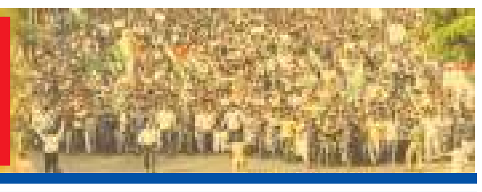

भाजपा की मट्टीपलीत : मेट्रोमैन श्रीधरन एवं राज्य प्रमुख भी हारे

केरल में अपनी एकमात्र सीट जीतने में नाकाम रही भाजपा

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल विधानसभा चुनाव में कम से कम 35 सीटें जीतने का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत रविवार को अपनी एकमात्र नेमोम सीट भी नहीं बचा पाई और मेट्रोमैन के नाम से प्रसिद्ध ई श्रीधरन और पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख के सुरेंद्रन समेत उसके सभी बड़े उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा। राज्य की राजधानी स्थित नेमोम सीट पर पुन: जीत हासिल करने की जिम्मेदारी मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुमानम राजशेखरन के कंधों पर थी, लेकिन वह 2016 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने वाले पार्टी नेता ओ राजागोपाल की तरह जादू चलाने में नाकाम रहे और उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

वरिष्ठ नेता सुरेंद्रन भी हारे

भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख के सुरेंद्रन मांजेश्वरम और कोन्नी दोनों सीटों से हार गए, जिसके कारण पार्टी के लिए शर्मनाक स्थिति पैदा हो गई। वरिष्ठ नेता शोभा सुरेंद्रन को भी काझाकूट्टम से हार का सामना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह, निर्मला सीतारमण एवं राजनाथ सिंह जैसे केंद्रीय मंत्रियों तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई भाजपा नेताओं ने प्रचार किया था और सबरीमला और लव जिहाद जैसे मामले उठाए थे। भाजपा ने चुनाव में कम से कम 35 सीट जीतने का दावा किया था, लेकिन वह खाता भी नहीं खोल पाई।

सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेता और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) उम्मीदवार वी सिवनकुट्टी ने 3,949 मतों के अंतर से राजशेखरन को हराया। इससे पहले 2016 में सिवनकुट्टी को राजागोपाल ने मात दी थी। नेमोम सीट पर जीत बरकरार रखना भगवा दल के लिए प्रतिष्ठा की बात थी, क्योंकि सत्तारूढ़ माकपा ने 140 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को पैर जमाने से रोकने से कोई कसर नहीं छोड़ी। चुनाव से मात्र एक सप्ताह पहले मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा था कि माकपा राज्य में भाजपा की एकमात्र सीट को भी इस बार छीन लेगी। अपनी एकमात्र नेमोम सीट हारने के अलावा, भगवा दल पलक्कड़, मालमपुझा, मांजेश्वरम और काझाकुट्टम जैसी अहम सीटों पर भी खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। 88 वर्षीय श्रीधरन ने पलक्कड़ सीट पर शुरुआती बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन अंतत: युवा विधायक शफी परमबिल ने उन्हें 3,859 मतों के अंतर से हरा दिया। अभिनेता से सांसद बने सुरेश गोपी त्रिशुर में शुरुआत में कई दौर की गणना के बाद पहले स्थान पर बने हुए थे, लेकिन अंतिम परिणाम आने तक वह तीसरे स्थान पर खिसक गए। पूर्व केंद्रीय मंत्री के जे अल्फोंस भी कांजीराप्पल्ली में खास प्रदर्शन नहीं कर पाए और हार गए।

असम में जेल से चुनाव जीतने वाले पहले व्यक्ति बने गोगोई

सिबसागर (असम)। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) विरोधी कार्यकर्ता अखिल गोगोई असम में जेल से विधानसभा का चुनाव जीतने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने सिबसागर सीट से भाजपा की अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुरभि राजकोनवारी को 11,875 मतों से शिकस्त दी है। नव गठित रायजोर दल के संस्थापक दिसंबर 2019 से राजद्रोह के आरोप में जेल में बंद हैं। निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़े अखिल गोगोई को 57,219 वोट मिले जो 46.06 प्रतिशत मत हैं।

कांग्रेस ने शुरू में तो रायजोर दल के प्रमुख का समर्थन किया,लेकिन बाद में सुभ्रमित्रा गोगोई को टिकट दे दिया, जो तीसरे स्थान पर रही। आरटीआई कार्यकर्ता ने राज्य के लोगों तक पहुंचने की कोशिश में जेल से कई खुले पत्र लिखे हैं और उन समस्याओं को रेखांकित किया, जिनको दुरुस्त किया जाना जरूरी है। उनकी 85 वर्षीय बुजुर्ग मां ने अपने जेल में बंद बेटे के लिए सिबसागर की संकरी गलियों में प्रचार किया, जिसका शायद मतदाताओं पर असर हुआ।

बंगाल चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 214 सीट जीतकर रचा इतिहास

भाजपा दहाई का आंकड़ा नहीं कर पाई पार

एजेंसी। कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है और लगातार तीसरी बार राज्य की सत्ता अपने पास बरकरार रखी है। निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित अंतिम परिणाम के अनुसार पार्टी को 292 विधानसभा सीटों में से 214 पर जीत हासिल हुई है, जो बहुमत के जादुई आंकड़े से भी कहीं अधिक है। वहीं, इस विधानसभा चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक देने वाली भाजपा 77 सीटों पर विजई रही है। इसके साथ ही राष्ट्रीय सेकुलर मजलिस पार्टी के चिह्न पर चुनाव लड़ने वाली आईएसएफ को एक सीट मिली है तथा एक निर्दलीय प्रत्याशी भी जीत दर्ज करने में सफल रहा है।

तृणमूल कांग्रेस का प्रदर्शन इस बार 2016 के विधानसभा चुनाव से भी बेहतर रहा जब इसे 214 सीट मिली थीं। यद्यपि भाजपा राज्य की सत्ता से ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को उखाड़ फेंकने में सफल नहीं हो पाई, लेकिन यह पहली बार है जब वह बंगाल में मुख्य विपक्षी दल बन गई है। भाजपा को 2016 के विधानसभा चुनाव में महज तीन सीट मिली थीं। राज्य में दशकों तक शासन करने वाले वाम मोर्चा और कांग्रेस का इस बार खाता भी नहीं खुला है तथा आईएसएफ के साथ उनके गठबंधन को आठ प्रतिशत से भी कम वोट मिले हैं। निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने कहा कि रविवार को सुबह आठ बजे शुरू हुई मतगणना सोमवार रात लगभग 1.55 बजे पूरी हुई।

294 में से 292 सीटों पर हुआ मतदान

दो निर्वाचन क्षेत्रों–जांगीपुर और समसरेगंज में प्रत्याशियों के कोविड–19 की चपेट में आने के बाद मतदान टाल दिया गया था। इस तरह राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा की 292 सीटों पर मतदान हुआ। अपनी पार्टी की जीत से गदगद बनर्जी को हालांकि नंदीग्राम में खुद हार का सामना करना पड़ा। वह पूर्व में अपने विश्वासपात्र रहे और इस बार भाजपा में शामिल हुए कद्दावर नेता शुभेंदु अधिकारी से 1,956 मतों के अंतर से हार गईं। अधिकारी को छोड़कर, तृणमूल कांग्रेस से भाजपा में आए राजीब बनर्जी, रुद्रनील घोष, बैशाली डालमिया, शीलभद्र दत्ता और सब्यसाची दत्ता को हार का सामना करना पड़ा। भाजपा सांसद जगन्नाथ सरकार और निसित प्रामाणिक क्रमश: शांतिपुर और दिनहाता से जीतने में सफल रहे, लेकिन लॉकेट चटर्जी, स्वपन दासगुप्ता और बाबुल सुप्रियो जैसे नेता विजई नहीं हो पाए।

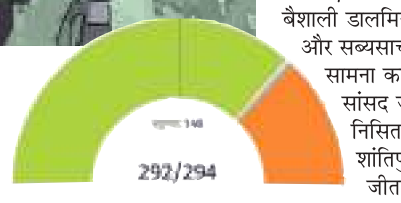

पार्टी	2021	वोट %	2016
तृणमलू+	214 (0)	47.7%	214
भजपा+	76 (+73)	38.1%	3
कांग्रेस+	1 (–75)	7.8%	76
अन्य	1 (0)	5.5%	1

पार्टी बदलकर भाजपा में शामिल होने वाले अधिकतर उम्मीदवारों को मिली हार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए अधिकतर उम्मीदवारों को विधानसभा चुनाव में हार का मुंह देखना पड़ा। हालांकि शुभेंदु अधिकारी समेत तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल हुए कुछ उम्मीदवारों ने अपने तृणमूल प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर प्रदर्शन किया। अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नजदीकी मुकाबले में हराया, लेकिन राज्य के पूर्व मंत्री राजीब बनर्जी, सिंगुर से पूर्व विधायक रबींद्रनाथ भट्टाचार्य, अभिनेता रूद्रनील घोष और हावड़ा के पूर्व महापौर रथिन चक्रवर्ती चुनाव हार गए। इस साल की शुरुआत में पार्टी बदलने वाले बनर्जी राजीब डोमजुड़ विधानसभा सीट से चुनाव हार गए। इससे पहले वह लगातार दो बार चुनाव जीते थे। वह तृणमूल के कल्याण घोष से 42,620 मतों से हार गए।

चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद तृणमूल छोड़ने वाले भट्टाचार्य को सिंगुर से सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार बेचाराम मन्ना ने करीब 26,000 वोट से शिकस्त दी। भाजपा उम्मीदवार इस सीट से पुनर्मतदान की मांग कर रहे हैं। टाटा की छोटी कार परियोजना को हटाने के लिए किसानों के आंदोलन के बाद हुगली जिले का सिंगुर भारतीय राजनीति के नक्शे पर अंकित हो गया था। सिंगुर और नंदीग्राम ने 34 साल के वाम मोर्चे के शासन के आधार को हिलाकर रख दिया था, जिसके कारण 2011 में तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी सत्ता में आईं। घोष हाल में भाजपा में शामिल हुए थे, उन्हें तृणमूल के नेता शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने भवानीपुर से करीब 28,000 वोट से शिकस्त दी।

केरल विधानसभा चुनाव

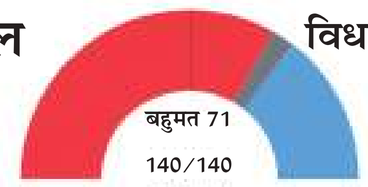

पार्टी	2021	वोट %	2016
माकपा+	93 (+2)	39.7%	91
कांग्रेस+	41 (–6)	33.4%	47
भाजपा+	0 (–1)	11.3%	1
अन्य	6 (+5)	15.5%	1

असम विधानसभा चुनाव

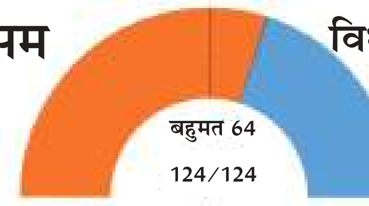

पार्टी	2021	वोट %	2016
भाजपा+	75 (+1)	47.3%	74
कांग्रेस+	50 (–1)	43.9%	51
अन्य	1 (0)	8.8%	1

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव

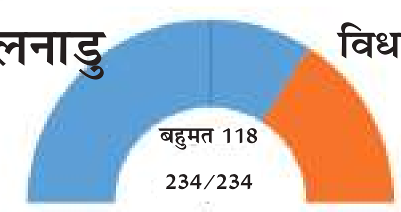

पार्टी	आगे	जीते	कुल
द्रमुक+	7	152	159 (+61)
अन्नाद्रमुक+	4	71	75 (–61)
अन्य	0	0	0 (0)

पुदुचेरी विधानसभा चुनाव

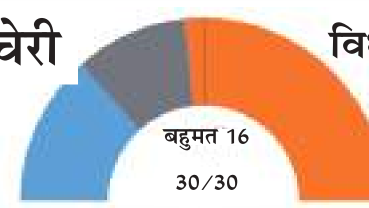

पार्टी	2021	वोट %	2016
कांग्रेस+	8 (–9)	35.2%	17
AINARC+	16 (+4)	43.8%	12
अन्य	6 (+5)	21.0%	1

फिर चला स्टालिन का जादू तमिलनाडु में शानदार जीत

एजेंसी। चेन्नई

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एमके स्टालिन ने 2019 लोकसभा चुनाव के अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराते हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में बेहतरीन जीत हासिल की। विधानसभा चुनाव में द्रमुक ने 127 सीट जीत ली हैं। विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को शुरू हुई मतगणना सोमवार को जारी है और रुझानों के अनुसार द्रमुक छह और सीटों पर आगे चल रही है। यदि द्रमुक इन छह सीटों को भी जीत लेती है और उसकी सहयोगी कांग्रेस की जीती सीट भी मिला ली जाएं तो 234 में से ये कुल 153 सीटें हो जाएंगी।

विधानसभा की दो तिहाई सीटों पर जीत हासिल कर 68 वर्षीय स्टालिन ने 2019 में लोकसभा चुनाव के अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराया है। द्रमुक और उसके सहयोगियों ने लोकसभा में राज्य की 39 में से 38 सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके बाद पार्टी ने 2019 के अंत में ग्रामीण निकाय चुनावों में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। विधानसभा चुनाव में द्रमुक को यह जीत यूं ही नहीं मिली। इसके लिए स्टालिन ने कड़ी मेहनत की और विभिन्न मामलों पर केंद्र सरकार और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए लोगों से संपर्क किया। उन्होंने विभिन्न मामलों को उठाकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र को जन–विरोधी करार दिया, फिर भले ही वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मामला हो, नागरिकता संशोधन कानून हो, कृषि कानून हों या शिक्षा को संविधान की राज्य सूची में फिर से लाने के लिए आवाज उठाने की बात हो।

स्टालिन ने कहा कि भारत सरकार ने राज्यों के अधिकारों को कुचला और वह तमिल संस्कृति के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने हालिया संयुक्त राष्ट्र बैठक में श्रीलंका के खिलाफ मतदान नहीं करके श्रीलंकाई तमिलों को धोखा दिया। स्टालिन ने मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी एवं उनके कैबिनेट सहयोगियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों, नीट मामले और तूतीकोरिन में स्टरलाइट विरोधी प्रदर्शनों के दौरान 2018 में पुलिस गोलीबारी प्रकरण समेत विभिन्न मामलों पर अन्नाद्रमुक को घेरा। स्टालिन ने आरोप लगाया कि अन्नाद्रमुक ने केंद्र की चापलूसी करके तमिलनाडु के हितों को ताक पर रखा। इसके अलावा द्रमुक की चुनाव प्रचार मुहिम भी बहुत सोच–समझकर तैयार की गई थी और यह चुनाव से कई महीने पहले ही शुरू कर दी गई थी। अन्नाद्रमुक ने जब भाजपा से हाथ मिलाने की घोषणा की, तो स्टालिन ने अन्नाद्रमुक पर साम्प्रदायिक होने का आरोप लगाया और कहा कि अन्नाद्रमुक के एक भी उम्मीदवार को जीत नहीं मिलनी चाहिए, क्योंकि यदि अन्नाद्रमुक का कोई उम्मीदवार जीतता है, तो यह केवल भाजपा की जीत होगी।

केरल में नहीं चला ज्यादातर फिल्मी हस्तियों का जादू, कुछ ने छोड़ी छाप

तिरुवनंतपुरम। केरल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि रुपहले परदे की तड़क–भड़क चुनाव जीतने के लिए काफी नहीं है। छह अप्रैल को संपन्न हुए राज्य विधानसभा के चुनाव में यूं तो कई ऐसी हस्तियों ने हाथ आजमाया, लेकिन जब रविवार को नतीजे आए तो उनमें से ज्यादातर को असफलता ही हाथ लगी, जबकि कुछ अपनी छाप छोड़ने में कामयाब भी हुए। फिल्म अभिनेता मुकेश और के बी गणेश ने सत्ताधारी वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की, जबकि जाने माने कलाकार मणि सी कप्पन ने संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के टिकट पर जीत दर्ज की। लोकप्रिय गायक डलीमा जोजो ने एलडीएफ के उम्मीदवार के रूप में जीत दर्ज की। इनके अलावा कुछ को मुंह की खानी पड़ी। इनमें सुरेश गोपी, जाने माने हास्य कलाकार धर्मजन बोलगट्टी, अभिनेत्री प्रियंका अनूप, कलाकार कृष्णकुमार और टेलीविजन कलाकार विवेक गोपन शामिल हैं।

असम में भाजपा को 33.21, कांग्रेस को 29.67 फीसद वोट मिले

एजेंसी। गुवाहाटी

असम में लगातार दूसरी बार सत्ता पर काबिज होने वाली भाजपा को विधानसभा चुनाव में 33.21 प्रतिशत मत हासिल हुए हैं। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। भाजपा के गठबंधन साझेदार असम गण परिषद (एजीपी) को 7.91 प्रतिशत वोट मिले जबकि संप्रग के प्रमुख दल कांग्रेस को 29.67 प्रतिशत तथा एआईयूडीएफ को 9.29 प्रतिशत मत हासिल हुए हैं।

भाजपा को जहां विधानसभा चुनाव में 126 में से 60 सीटों पर जीत मिली है, तो वहीं उसके सहयोगी दलों असम गण परिषद (एजीपी) को नौ और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी (लिबरल) को छह सीटों पर जीत हासिल हुई। कांग्रेस को 29, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (एआईयूडीएफ) को 16 और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट को चार सीटों पर जीत मिली। एक सीट पर माकपा और एक पर निर्दलीय उम्मीदवार को जीत हासिल हुई। आयोग के आंकड़ों के अनुसार 92 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा को 6,84,538 (33.21 प्रतिशत) वोट मिले। 26 सीटों पर उम्मीदवार उतारने वाले क्षेत्रीय दल असम गण परिषद को 1,519,777 (7.9 फीसद) मतदाताओं ने वोट दिया।

आयोग की वेबसाइट के अनुसार आठ सीटों पर चुनाव लड़ने वाली यूपीपीएल को मिले मतों के आंकड़े नहीं दिए गए हैं। कुल 94 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को 5,703,341 (29.7 प्रतिशत), 14 सीटों पर लड़ने वाली एआईयूडीएफ को 1,786,551 (9.3 प्रतिशत) जबकि दो सीटों पर उम्मीदवार उतारने वाली माकपा को केवल 160,758 (0.84 फीसद) वोट मिले। अन्य के खाते में 2,628,518 यानी 13.7 प्रतिशत वोट पड़े जबकि 219,578 (1.14 प्रतिशत) मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया। चुनाव जीतने वाले प्रमुख चेहरों में मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल, उनके मंत्रिमंडल के साथी हिमंत बिस्व सरमा और चंद्रमोहन पटवारी, पिछली विधानसभा के अध्यक्ष हितेंद्र नाथ गोस्वामी, एजीपी प्रमुख अतुल बोरा और सीएए–विरोधी आंदोलन के जेल में बंद नेता अखिल गोगोई शामिल हैं। हार का सामना करने वालों में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रिपुन बोरा और बीपीएफ की उम्मीदवार तथा राज्य की मंत्री प्रमिला रानी शामिल हैं।

केरल में अब विजयन ही मोदी, 50 साल बाद दोबारा शानदार जीत

इतिहास बना : बाढ़ और कोरोना क्राइसिस मैनेजमेंट ने विजयन को दिलाई जीत

एजेंसी। नई दिल्ली

केरल में 50 साल बाद एक नया इतिहास बना है। इस इतिहास को उसी वामपंथी पार्टी ने लिखा है, जिसने 1957 में राज्य में पहली कम्युनिस्ट सरकार बनाई थी। ऐसा दुनिया में पहली बार हुआ था। अब वही कम्युनिस्ट पार्टी केरल में 50 साल बाद लगातार दूसरी बार सरकार बनाने जा रही है। इससे पहले ऐसा राज्य में 1970 में कम्युनिस्ट पार्टी ने ही किया था। इसके बाद से हर पांच साल में राज्य में यूडीएफ और एलडीएफ के बीच ही सत्ता बदलती रही थी। इस नए इतिहास को लिखा है, राज्य के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने। विजयन को केरल में लोग राज्य का मोदी कहते हैं, बोलते हैं कि बस दोनों में लुंगी का फर्क है। ऐसा इसलिए भी कहते हैं कि क्योंकि विजयन हमेशा चौंकाते हैं। इस बार भी उन्होंने चौंकाया है। जिस तरह 2019 में मोदी के दम पर भाजपा केंद्र में रिकॉर्ड सीटों के साथ दूसरी बार लौटी थी, उसी तरह अब 2021 में विजयन के चेहरे पर ही एलडीएफ लगातार दूसरी बार सत्ता में आई है। और सीटों की सेंचुरी बनाने के करीब है।

खैर ये तो बात हुई विजयन कद की। लेकिन अब जानते हैं कि ऐसा हुआ कैसे? विजयन सत्ता में दोबारा वापस कैसे हुए? इसकी पटकथा खुद विजयन ने ही लिखी है। बात पहले चुनावी स्ट्रैटजी की करते हैं। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले विजयन सीपीएम के अंदर टू टर्म नॉर्म लेकर आए, मतलब लगातार दो चुनाव जीत चुके लोगों को तीसरी बार टिकट नहीं मिलेगा। शुरू में पार्टी में बहुत हो हल्ला हुआ। कई जगहों पर तो पार्टी कार्यकर्ताओं ने विजयन के खिलाफ प्रदर्शन किया। लेकिन विजयन खामोश रहे। बारी टिकट देने की आई तो विजयन ने पार्टी के 33 मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए थे। इसमें पांच तो मंत्री थे। ये सभी सीपीएम के टॉप नेता थे, जो विजयन से सवाल पूछने की हैसियत रखते थे। इस बारे में जब विजयन से सवाल पूछे गए तो, बोले– अगली बार यानी पांच साल बाद मैं भी इस नियम के अंदर आऊंगा। कोझिकोड के वरिष्ठ पत्रकार कहते हैं कि टू टर्म नॉर्म के फैसले से सीपीएम को बहुत फायदा हुआ है। विजयन की रणनीति काम कर गई। इसकी वजह से सीपीएम एंटी इनकंबेंसी से भी बच गई, क्योंकि जिन विधायकों से लोग नाराज थे, उन्हें पार्टी ने टिकट ही नहीं दिया।

सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी (सीपीपीआर) के चेयरमैन डॉक्टर धनुराज बताते हैं कि केरल में अब विजयन का फीगर मोदी जैसा हो गया है। हमारी संस्था ने एक सर्वे कराया है, उसमें बाकी नेताओं की तुलना में विजयन की लोकप्रियता 45 फीसद ज्यादा है। लोग उन्हें निर्णय लेने वाला, योग्य और क्षमतावान लीडर और प्रशासक मानते हैं। वरिष्ठ पत्रकार एस अनिल बताते हैं कि विजयन की लोकप्रियता के आगे बाकी राहुल और मोदी भी फीके पड़ गए, इसकी वजह विजयन का गरीब लोगों और पार्टी कैडर के लिए काम ही है। धनुराज कहते हैं कि दूसरी बड़ी वजह है, विजयन का फेस। राज्य में विजयन से ज्यादा लोकप्रिय कोई नेता नहीं है। यही वजह है कि विजयन के चेहरे पर ही इस बार लोगों ने एलडीएफ को वोट किया।

केरल विस में 11 महिला विधायक चुनी गईं

तिरूवनंतपुरम। केरल विधानसभा में 2001 के बाद पहली बार महिला विधायकों का प्रतिनिधित्व बढ़कर दोहरे अंक में पहुंचा है। छह अप्रैल को 140 सदस्यीय सदन के लिए हुए चुनाव में 11 महिलाएं विधानसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं। निर्वाचन आयोग के आंकड़े के मुताबिक, चुनावों में 103 महिलाओं ने किस्मत आजमाई थी, जिनमें से केवल 11 निर्वाचित हुई हैं। साल 2016 के चुनावों में आठ महिला विधायक चुनी गई थीं। आंकड़ों के मुताबिक, 1996 में केरल में 13 महिला विधायक चुनी गई थीं। इस वर्ष सत्तारूढ़ एलडीएफ से दस महिला विधायक निर्वाचित हुई हैं, वहीं विपक्षी यूडीएफ से एक महिला विधानसभा में प्रतिनिधित्व करेंगे।